शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

ऐसा लगता है कि सिद्धरामैया ने कीमतें बढ़ाने के लिए ही विशेषज्ञ समिति गठित... @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । बुधवार, 09 अप्रैल, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-97

सत्ता-सुरंग में खो गया 900 मिलियन डॉलर की ड्रग्स बरामदगी का मामला

कांग्रेस का ड्रग्स हजम कर गई मोदी सरकार!

ड्रग्स की अब तक की सबसे बड़ी बरामदगी सत्ता की अंधेरी सुरंग में खो गई। भारतीय खुफिया एजेंसियों ने बड़ी मशक्कत से 900 मिलियन अमेरिकी डॉलर यानि 56 अरब भारतीय मुद्रा की कीमत की कोकीन और हाइड्रोपोनिक मारिजुआना युक्त ड्रग्स की विशाल खेप जब्त की थी। ड्रग्स की तस्करी में कांग्रेस नेता तुषार गोयल प्रत्यक्ष तौर पर और कांग्रेस के शीर्ष नेता परोक्ष तौर पर जुड़े पाए गए थे। ड्रग्स की वह खेप सीधे कोलंबियाई नार्को-कार्टेल के साथ-साथ एफबीआई के मोस्ट-वांटेड आतंकी डॉन दाऊद इब्राहिम और उसकी कुख्यात डी-कंपनी से जुड़ी हुई बताई गई थी। है। कांग्रेस नेता तुषार गोयल समेत कई लोग गिरफ्तार

कोलंबियाई कार्टेल और दाऊद इब्राहिम की डी कंपनी से जुड़े हैं कौन?

भी किए गए थे। लेकिन उसके बाद इतने बड़े मामले में गृह मंत्रालय ने क्या किया, इसकी हवा तक नहीं मिली। गृह मंत्रालय और नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो से लेकर तमाम

केंद्रीय एजेंसियों के अधिकारी इस मसले पर कुछ भी बोलना नहीं चाहते। सब कहते हैं, ऊपर का मामला है। यह कितने ऊपर का

शीर्ष नेताओं से जुड़े ड्रग्स-डीलर वीरेंद्र बसोया पर क्यों छाया है मौन!

मामला है, कितने ऊपर जाकर मामला सेट हो जाता है, यह भारत के लोगों को पता रहता है। शीर्ष स्तर के नेता सब एक दूसरे को बचाते हैं और सियासत के लिए एक दूसरे को कोस कर पब्लिक को मूर्ख बनाते हैं।

उल्लेखनीय है कि जब्त की गई दवाओं की खेप में 500 किलोग्राम कोकीन और 40 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक मारिजुआना शामिल था। कोकीन की खेप दुबई के रास्ते भारत पहुंची थी और हाइड्रोपोनिक मारिजुआना थाईलैंड से आया था। इस मामले में कांग्रेस नेता की गिरफ्तारी के बाद कांग्रेस पार्टी ने उसके साथ किसी तरह के संबंध से इन्कार किया था। कांग्रेस पार्टी ने यह तो स्वीकार किया कि तुषार गोयल पार्टी में था, लेकिन कहा कि उसे बाद में ▶10 पर

पीएम मुद्रा योजना के 10 साल पूरा होने पर प्रधानमंत्री ने कहा

33 लाख करोड़ देकर नए उद्यमियों को शक्ति दी

नई दिल्ली, 08 अप्रैल (एजेंसियां)। पीएम मुद्रा योजना के 10 साल पूरे होने के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को मुद्रा योजना के लाभार्थियों से मुलाकात की। प्रधानमंत्री ने कहा, इस योजना को लागू हुए दस साल हो गए हैं। सामान्य तौर पर सरकार का स्वरूप क्या रहता है। वो फैसले लेते हैं, प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हैं और घोषणा करते हैं कि हम ये करेंगे और फिर कुछ लोगों को बुलाकर दीये जला देते हैं। लोग ताली बजाते हैं और अखबार में छप जाता है। उसके बाद कोई नहीं पूछता। लेकिन मौजूदा भाजपा सरकार ऐसी है कि दस साल बाद किसी योजना के परिणामों का मूल्यांकन करती है। हम लाभार्थियों से उनके अनुभव के बारे में पूछ रहे हैं और अगर इसमें कोई बदलाव लाने की जरूरत है, कुछ सुधार की जरूरत है, तो हम उस दिशा में भी आगे बढ़ने वाले हैं।

"किसी भी सरकार के लिए आंख खोलने वाली है मुद्रा योजना

मुद्रा योजना से महिलाओं को सशक्त बनाने में मिली मदद

पीएम मोदी ने कहा, देश के लोगों को बिना किसी गारंटी के 33 लाख करोड़ रुपए दिए गए हैं। आप अखबार में पढ़ते हैं कि ये अमीरों की सरकार है। ▶10 पर

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने की पीएम मुद्रा योजना की सराहना

नई दिल्ली, 08 अप्रैल (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने पीएम मुद्रा योजना की सराहना करते हुए कहा है कि यह योजना महिला उद्यमिता पर विशेष ध्यान देने के साथ जमानत-मुक्त लोन प्रदान करती है, इसने महिलाओं के स्वामित्व वाले एमएसएमई की संख्या को बढ़ाने में मदद की है, जो अब 28 लाख से अधिक हो गए हैं। इस योजना से पूरे देश में लोगों की जिंदगी बदल गई है। इस योजना ने सिलाई इकाइयों और चाय की दुकानों से लेकर सैलून, मैकेनिक की दुकानों और मोबाइल मरम्मत व्यवसायों तक, करोड़ों ▶10 पर

हैदराबाद का सनसनीखेज दिलसुखनगर बम धमाका केस

पांच दोषियों को मौत की सजा पर हाईकोर्ट की मुहर

हैदराबाद, 08 अप्रैल (एजेंसियां)। हैदराबाद के दिलसुखनगर बम धमाका केस में तेलंगाना हाईकोर्ट ने प्रतिबंधित आतंकी संगठन इंडियन मुजाहिदीन के पांच आतंकवादियों की मौत की सजा बरकरार रखने का आदेश दिया है। हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट के सजा-ए-मौत के फैसले को कायम रखा। वर्ष 2013 में हैदराबाद के दिलसुखनगर हुए दो बम धमाकों में 18 लोग मारे गए थे और 131 लोग घायल हुए थे।तेलंगाना हाईकोर्ट के न्यायाधीश के लक्ष्मण और जस्टिस पी श्रीसुधा की पीठ ने एनआईए अदालत के फैसले को बरकरार रखते हुए आईएम आतंकवादियों की ओर से दाखिल आपराधिक पुनरीक्षण अपील को खारिज कर दिया। पीठ ने कहा, ट्रायल कोर्ट द्वारा

हाईकोर्ट ने एनआईए कोर्ट के फैसले को उचित ठहराया

दो धमाकों में 18 लोग मारे गए थे, 131 घायल हुए थे

लगाई गई सजा की पुष्टि की जाती है। एनआईए कोर्ट ने 13 दिसंबर 2016 को आतंकी संगठन इंडियन मुजाहिदीन (आईएम) के सह-संस्थापक मोहम्मद अहमद ▶10 पर

जयपुर बम ब्लास्ट केस में चार दोषियों को उम्रकैद की सजा

जयपुर, 08 अप्रैल (एजेंसियां)। जयपुर में 17 साल पहले हुए सीरियल बम धमाकों में चारों आतंकियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है। विशेष न्यायाधीश रमेश कुमार जोशी ने चार आतंकियों को दोषी करार देते हुए उन्हें आजीवन कारावास की सजा सुनाई। दोषियों में सरवर आजमी, सैफुर रहमान, मोहम्मद सैफ और शाहबाज अहमद शामिल हैं। इन सभी को कोर्ट ने भारतीय दंड संहिता की धारा 120बी, 121-ए, 124-ए, 153-ए, 307, यूएपीए एक्ट 1967 की धारा 18, और विस्फोटक अधिनियम 1908 की धारा 4 और 5 के ▶10 पर

वक्फ के बाद अब आया नया देश बनाने का मसला

मुस्लिम बहुल मलप्पुरम को अलग देश बताया

तिरुवनंतपुरम, 08 अप्रैल (एजेंसियां)। वक्फ बोर्ड के दावों, अवैध कब्जों और माफियाई हरकतों से मुक्ति मिलने के बाद अब मुस्लिमों ने नया देश बनाने का दावा भी ठोक दिया है। मुसलमानों ने केरल के मुस्लिम बहुल मलप्पुरम को अलग देश बताया है। केरल में एसएनडीपी योगम के महासचिव वेल्लापल्ली नटेसन ने कहा है कि केरल के मुस्लिम बहुल जिला मलप्पुरम में भारत का कोई भी नियम कानून नहीं चलता। वहां केवल मुस्लिम शरीयत के आधार पर व्यवस्था चल रही है। नटेसन ने कहा, मल्लपुरम बिल्कुल अलग देश हो गया है, इस पर भारत सरकार को गंभीरता से ध्यान देना चाहिए। वेल्लापल्ली नटेसन ने मुस्लिम बहुल मलप्पुरम को ऐसी जगह बताया जहां मुस्लिम समुदाय की दबंगई चलती है और पिछड़े एझावा समुदाय के लिए वहां पर जीना मुश्किल हो गया है। उन्होंने कहा कि मलप्पुरम में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता जैसी कोई चीज नहीं है। वे डर के साए में जी रहे हैं। उन्हें नहीं लगता कि मलप्पुरम में स्वतंत्र राय रखकर कोई रह सकता है। मलप्पुरम एक अलग देश है। उन्होने पूछा कि क्या पिछड़े समुदायों को आजादी के बाद से कोई फायदा मिला? ▶10 पर

वेल्लापल्ली नटेसन

आतंकी तहव्वुर राणा को भारत आना ही होगा

नई दिल्ली, 08 अप्रैल (एजेंसियां)। मुंबई के 26/11 हमले के आरोपी आतंकवादी तहव्वुर राणा की भारत आने से बचने की आखिरी कोशिश नाकाम हो गई। अमेरिका की सुप्रीम कोर्ट ने उसकी वह याचिका ठुकरा दी, जिसमें उसने अपने प्रत्यर्पण पर रोक लगाने की गुहार लगाई थी। अब राणा को भारत लाने का रास्ता साफ हो गया है।

64 साल का तहव्वुर राणा पाकिस्तानी मूल का कनाडाई नागरिक है, इस वक्त लॉस एंजिल्स के मेट्रोपॉलिटन डिटेंशन सेंटर में बंद है। उसने अपने बचपन के दोस्त डेविड कोलमैन हेडली की मदद की थी, जिसने मुंबई में हमले की जगहों की रेकी की थी। भारत लंबे वक्त से उसे अपने यहां लाने की मांग कर रहा था, और अब ये मांग पूरी होने वाली है। राणा ने अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट में 27 फरवरी 2025 को इमरजेंसी एप्लीकेशन फॉर स्टे दाखिल की थी। ये याचिका जस्टिस एलेना कागन के पास भेजी गई थी, जो सुप्रीम कोर्ट की एसोसिएट जस्टिस और नाइंथ सर्किट की जस्टिस हैं। उसने दावा किया था कि भारत आने पर उसकी जान को खतरा है

और उसे टॉर्चर का शिकार होना पड़ सकता है। लेकिन पिछले महीने जस्टिस कागन ने उसकी अर्जी खारिज कर दी थी। इसके बाद उसने फिर कोशिश की, पर इस बार भी सुप्रीम कोर्ट ने कोई राहत नहीं दी। राणा की दलील

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने प्रत्यर्पण रोकने से इन्कार किया

थी कि उसका पाकिस्तानी मूल और मुस्लिम होना उसे भारत में खतरे में डाल सकता है। मगर कोर्ट ने इसे नहीं माना और भारत प्रत्यर्पण को हरी झंडी दे दी। इससे पहले, फरवरी में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी राणा के प्रत्यर्पण का ऐलान किया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ वाशिंगटन में हुई एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में ट्रंप ने कहा था, राणा को भारत भेजा जाएगा, जहां उसे इंसाफ मिलेगा। राणा का नाम डेविड हेडली के साथ जुड़ा है, जो 26/11 हमले का मुख्य साजिशकर्ता था। हेडली ने मुंबई में कई जगहों की रेकी की थी, और राणा ने उसे फर्जी पहचान और पैसे देकर सपोर्ट किया था। अब राणा को भारत में कोर्ट के सामने पेश होना होगा, जहां उस पर सख्त कार्रवाई तय मानी जा रही है। 26 नवंबर 2008 को लश्कर-ए-तैयबा के 10 आतंकियों ने पूरे मुंबई शहर को दहला दिया था। उस रात शुरू हुआ हमला चार दिन तक चला था। आतंकियों ने लियोपोल्ड कैफे, छत्रपति शिवाजी टर्मिनस, ताज होटल, ओबेरॉय ट्राइडेंट, कामा हॉस्पिटल, नरीमन हाउस, मेट्रो सिनेमा और सेंट जेवियर कॉलेज को निशाना बनाया था। हमले में 166 लोग मारे गए थे, जिनमें कुछ विदेशी नागरिक भी थे। करीब 300 लोग घायल हुए। एनएसजी, मरीन कमांडो, मुंबई पुलिस, आरएएफ, सीआरपीएफ और फायर ब्रिगेड ने मिलकर ऑपरेशन चलाया था। ▶10 पर

ट्रंप के टैरिफ युद्ध का असर भारत में बेअसर

ढीले पड़े कई देशों के खम, भारत ने दिखाया दम

नई दिल्ली, 08 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ युद्ध में जर्मनी, जापा और चीन जैसे धराशाई हो गए, लेकिन भारत पूरी मुस्तैदी से खड़ा रहा। भारत का शेयर बाजार सबसे कम गिरा। भारत में निफ्टी एक सप्ताह में 4.33% घटा और सेंसेक्स 3.79%, जबकि अमेरिका, जापान, हॉन्गकॉन्ग, चीन, यूरोप, जापान, दक्षिण कोरिया और जर्मनी में इससे बड़ी गिरावट दर्ज की गई।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अन्य देशों से अमेरिका में आने वाले वस्तुओं पर अतिरिक्त शुल्क, यानी टैरिफ लगाते हुए दुनिया भर में टैरिफ युद्ध छेड़ दिया है। इससे दुनिया भर के शेयर मार्केट धड़ाम हो रहे हैं।

सूची	देश/क्षेत्र	अप्रैल (01/2025)	अप्रैल (07/2025)	बदलाव (% में)
निफ्टी 50	भारत	23,165.70	22,161.60	-4.33%
सेंसेक्स	भारत	76,024.51	73,137.90	-3.79%
डाउ जोन्स	अमेरिका	41,989.96	37,879.65	-9.78%
हांग सेंग	हॉन्गकॉन्ग (चीन)	23,206.84	19,828.30	-14.55%
शंघाई कंपोज़िट	चीन	3,348.44	3,096.58	-7.52%
यूरो स्टॉक्स 50	यूरोज़ोन	5,320.30	4,662.45	-12.36%
निक्की 225	जापान	35,624.48	31,136.58	-12.59%
कोस्पी	दक्षिण कोरिया	2,521.39	2,328.20	-7.66%
डाक्स	जर्मनी	22,539.98	19,689.75	-12.64%

डोनाल्ड ट्रंप ने इसे रेसिप्रोकल टैरिफ नाम दिया है, अर्थात जितने टैरिफ अमेरिका से निर्यातित वस्तुओं पर दूसरे देश लगाएंगे, अमेरिका भी उन देशों से आयातित वस्तुओं पर उतना ही कर लगाएगा। चीन ने भी अमेरिका से आने वाले सामानों पर 34% टैरिफ लगाया है, जिसपर ट्रंप ने 50% और टैरिफ बढ़ाने की चेतावनी दी है।

सोमवार 7 अप्रैल को चीन और भारत समेत कई बाजारों में इसका असर देखने को मिला। भारत में तो इस दिन का मार्केट क्रैश देश के इतिहास में मार्केट कैप के मामले में तीसरा सबसे बड़ा है। एक दिन में निवेशकों के 14.20 लाख करोड़ रुपए स्वाहा हो गए। ▶10 पर

सुरक्षा पर संकट : सिम के जरिए चीन जा रही सूचनाएं

सिम कार्डों में मिले चीनी चिपसेट, बदले जाएंगे

नई दिल्ली, 08 अप्रैल (एजेंसियां)। राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर मिली गंभीर सूचनाओं के मद्देनजर केंद्र सरकार पूरे देश में सीम कार्डों को बदलने की तैयारी कर रही है। राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा समन्वयक (एनसीएससी) और गृह मंत्रालय द्वारा संयुक्त रूप से जांच की गई थी। इस जांच में मौजूदा सिम कार्डों को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पाया गया। अब सरकार पुराने सिम कार्ड को बदलने की संभावनाएं तलाश रही है। देश की प्रमुख साइबर सुरक्षा एजेंसी द्वारा की गई जांच में सामने

आया कि कुछ सिम कार्ड में प्रयुक्त चिपसेट्स चीन से आए थे और उनके डेटा अब भी चीनी सर्वर में जा रहे हैं।

एनसीएससी ने देश के प्रमुख टेलीकॉम ऑपरेटर्स जैसे रिलायंस जिओ, एयरटेल और वोडाफोन आइडिया के वरिष्ठ अधिकारियों और दूरसंचार मंत्रालय के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। इस बैठक में सिम कार्ड आपूर्ति प्रक्रिया की खामियों और पुराने सिम कार्ड को बदलने के लिए एक रूपरेखा पर चर्चा की गई। पिछले कुछ वर्षों में भारत ने हुआवेई और जेडटीई जैसे चीनी उपकरण निर्माताओं पर प्रतिबंध लगा दिया है। अब राष्ट्रीय सुरक्षा को और पुख्ता करने के लिए सरकार ने नियम बनाया है कि देश में किसी भी प्रकार के टेलीकॉम उपकरण के आयात, बिक्री या उपयोग से पहले उनकी अनिवार्य टेस्टिंग और प्रमाणन किया जाएगा। यह प्रक्रिया यह सुनिश्चित करती है कि जो भी टेलीकॉम उपकरण भारत में उपयोग किए जाएं, वे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा, प्रदर्शन और गुणवत्ता मानकों पर खरे उतरें। ▶10 पर

निर्माणाधीन सालासर बालाजी मंदिर के गर्भगृह का पूजन करेंगे ब्रह्मर्षि गुरुवानन्द महाराज

तैयारियां जोरशोर से जारी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शहर के बन्नेरघट्टा रोड स्थित बीटीएम लेआउट रांका कॉलोनी में सलासर बालाजी सेवा समिति के तत्वावधान में निर्माणाधीन सालासर बालाजी मन्दिर निर्माण स्थल पर हनुमान जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में 12 से 14 अप्रैल तक होने वाले धार्मिक अनुष्ठान के लिए मन्दिर कमेटी जोरशोर से तैयारी में जुटी है। मन्दिर ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रमोद मुरारका ने बताया कि 12 को हनुमान जयंती के उपलक्ष्य में प्रातः 7 बजे से अन्नदान किया जाएगा एवं दोपहर 2 बजे से सामूहिक संगीतमय सुंदरकांड का पाठ होगा। जिसमें जयपुर के महेन्द्र स्वामी सुंदरकांड का वाचन करेंगे। सायं 4 बजे से

विशाल भजन संध्या होगी। जिसमें मशहूर भजन गायक लखा पन्ना गिल, राजू खंडेलवाल मुम्बई, रामसुंदर बगड़िया, विमल पंवार, मधुर भजनों की प्रस्तुति देंगे। 13 अप्रैल को प्रातः केवल आमंत्रित सदस्य ही शिला पूजन हवन करेंगे। सायं 4.30 बजे से सिदेश्वर गुरुदेव ब्रह्मर्षि गुरवानन्द स्वामी अपने मुखारविंद से सभी भक्तों को संबोधित कर आशीर्वाद प्रदान करेंगे। सचिव मानित सोमानी ने बताया कि 14 अपैल को प्रातः गृभगृह का पूजन ब्रह्मर्षि गुरुवानन्द स्वामी के कर कमलों द्वारा किया जाएगा। इस तीन दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान के लिए तैयारियां जोरशोर की जा रही है। पूरे दक्षिण भारत में सालासर बालाजी के मन्दिर निर्माण के लिए भक्तों में उत्साह की ज्योत जगी हई है। सभी भक्त बढ़चढ़ इस धार्मिक कार्य का हिस्सा बन रहे है। एसएनएन बिल्डर के डायरेक्टर संजह शाह ने बताया कि आयोध्या में श्री राम मंदिर जैसा ही बेंगलूरु में भी सालासर बालाजी का मंदिर बन रहा है। इसके लिए उनकी पूरी टीम मन्दिर निर्माण कार्य में रातदिन लगी हुई है, ताकि सन 2027 तक मंदिर निर्माण का लक्ष्य पूरा कर सके। जाने माने आर्किटेक्ट चेतन सोमपुरा द्वारा मंदिर की कलाकृतियों का स्वरूप दिया जाएगा।

उपाध्यक्ष सतीश मित्तल ने बताया कि इस तीन दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान में कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार मुख्य अतिथि होंगे। कर्नाटक के परिवहन मंत्री रामलिंगा रेड्डी विशिष्ट अतिथि व लोकसभा सांसद तेजस्वी सूर्या एवं विधायक सतीश रेड्डी बतौर विशेष अतिथि उपस्थित होंगे।

विश्व शांति हेतु विश्व नवकार महामंत्र दिवस के माध्यम से आज होगा महा जाप अनुष्ठान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी करेंगे जाप

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेना-इजेशन (जीतो) द्वारा बुधवार को विश्व शांति हेतु विश्व के 108 देशों में सामूहिक जैन नवकार महामंत्र दिवस के माध्यम से सामूहिक महाजाप का भव्य अनुष्ठान होगा। आयोजन पूरे भारत और विश्वभर में किया जा रहा है। यह दिव्य आयोजन भारत के 6000 से अधिक केंद्रों और विश्व के 108 देशों में एक साथ, एक समय पर आयोजित किया जाएगा। बुधवार प्रातः 8:01 बजे से 9:36 बजे तक करोड़ों श्रद्धालु एक साथ नवकार महामंत्र का सामूहिक जाप करेंगे।

विश्वशांति के उद्देश्य से आयोजित इस ऐतिहासिक क्षण में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जीतो के दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित सामूहिक जाप अनुष्ठान में सहभागी बनेंगे। प्रातः 8 बजे से 8.40 तक मोदी स्वयं महामंत्र का जाप करेंगे। तत्पश्चात सम्पूर्ण विश्व को संबोधित करेंगे। जाप बेंगलूरु में कई जगहों पर आयोजन किया जा रहा है।

फ्रीडम पार्क को मुख्य केंद्र बनाया गया है। बेंगलूरु में लगभग 51,000 से अधिक लोग इस महामंत्र जाप अनुष्ठान में शिरकत करेंगे।

इसके साथ ही बेंगलूरु के विभिन्न क्षेत्रों में भी जाप केंद्र बनाए गए हैं, ताकि अधिक से अधिक लोग इस पुण्य कार्य में भाग ले सकें। इस आयोजन में 80 से अधिक जैन आचार्य, मुनि, साधु, साध्वी, गुरुभगवंत निश्रा प्रदान करेंगे।

मुख्य आयोजन फ्रीडम पार्क गांधी नगर में सवेरे 7 बजे से रहेगा। जिसके सौजन्य माइक्रो प्रिंट और पैक, सह-सौजन्य वन सोर्स एम के सिल्क और साड़ियाँ एम के सिल्क साड़ी हैं। साथ ही महावीर धर्मशाला वी वी पुरम, गणेश बाग भगवान महावीर रोड, मेवाड़ भवन यशवंतपुर, श्री संभवनाथ जैन मंदिर वी वी पुरम, श्री धर्मनाथ जैन मंदिर जयनगर, श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ हनुमंथनगर, तेरापंथ सभा भवन राजराजेश्वरीनगर, खंडेलवाल दिगंबर जैन मंदिर विल्सन गार्डन, अर्हम् भवनअ-ारपीसी लेआउट विजयनगर, श्री ज्ञनोदय दिगंबर जैन मंदिर वाइटफिल्ड, श्री हीरा बाग स्थानक सेपिंग्स रोड, श्री विमलनाथ जैन मंदिर, बसवनगुड़ी के अलावा 20 से अधिक अन्य पावन परिसर में जाप होगा। जाप में पुरुषों के लिए सफेद वर्ण और बहनों के लिए लाल वर्ण के परिधान निर्धारित किए गए हैं। विश्व शांति के इस महाकुंभ को विश्व पटल पर जन जन तक पहुंचाने हेतु सभी मीडिया जगत की हस्तियों को विशेष आमंत्रित किया गया है।

कर्नाटक द्वितीय पीयूसी परिणाम 2025 घोषित

पिछले वर्ष की तुलना में पास प्रतिशत में गिरावट

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। 2024-25 के लिए द्वितीय पीयूसी परीक्षा-1 के परिणाम सोमवार को घोषित किए गए। कुल पास प्रतिशत 73.45 प्रतिशत रहा, जबकि पिछले वर्ष यह 81.15 प्रतिशत था। परीक्षा-1 के लिए कुल 6,37,805 छात्र उपस्थित हुए थे, जिनमें से 4,68,439 परीक्षा पास करने में सफल रहे। कई परीक्षा सुधारों के कारण, जिसमें कदाचार की जाँच के लिए परीक्षा हॉल में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) सक्षम सीसीटीवी कैमरे लगाना और पूरी प्रक्रिया की वेबकास्टिंग शामिल है, पिछले वर्ष की तुलना में परिणाम में 7.7 प्रतिशत की गिरावट आई है। एक्सपर्ट पीयू कॉलेज, दक्षिण कन्नड़ से अमूल्य एम. कामथ, वाग्देवी पीयू कॉलेज, शिवमोग्गा से दीक्षा आर. ने 600 में से 599 अंक प्राप्त करके कर्नाटक में विज्ञान

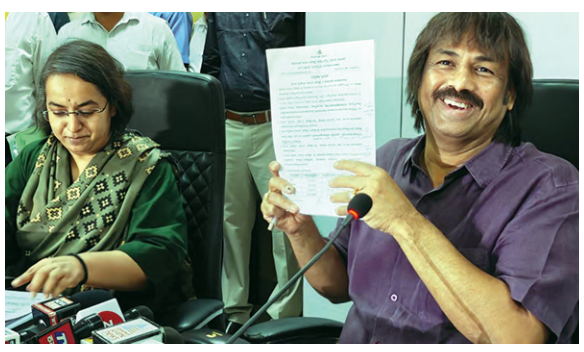

स्ट्रीम में टॉप किया है। आर्ट्स स्ट्रीम में, इंदु इंडिपेंडेंट पीयू कॉलेज, बल्लारी की एल.आर. संजना बाई ने 597 अंक हासिल करके पहला स्थान हासिल किया।

उन्होंने कहा, जो छात्र फेल हो गए हैं या जो अपने अंकों में सुधार करना चाहते हैं, वे परीक्षा 2 और परीक्षा 3 दे सकते हैं। हम परीक्षा 2 और 3 के लिए कोई शुल्क नहीं लेंगे। चूंकि परीक्षा प्रक्रिया परीक्षा 3 के बाद ही पूरी होगी, इसलिए हमें उम्मीद है कि परिणाम 3-4 प्रतिशत बेहतर होंगे। उन्होंने आगे कहा कि वेबकास्टिंग के माध्यम से पूरी परीक्षा प्रक्रिया की निगरानी करके किसी भी तरह की गड़बड़ी को रोकने के लिए पूरी सतर्कता के साथ परीक्षा आयोजित की गई थी। इस बार विभाग ने कोई ग्रेस मार्क्स नहीं दिए हैं, सिवाय उन लोगों को आगे बढ़ाने के जो सीमा रेखा में थे। मंत्री ने कहा सीमा रेखा में 8,297 से अधिक छात्र थे, और मूल्यांकन की योजना के अनुसार उन्हें ग्रेस मार्क्स दिए गए।

बेलन्दूर में जातरा, ब्रह्म रथोत्सव एवं करगा महोत्सव आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। वर्षों पुरानी परंपरा के अनुसार चैत्र शुक्ला एकादशी को मनाया जाने वाला बेलन्दूर जातरा एवं रथोत्सव मंगलवार को आयोजित हुआ। सम्पूर्ण ग्राम को रंग-बिरंगी रोशनी, भगवा ध्वज एवं पताकाओं से सजाया गया। प्रातः वेंकटेश्वर मंदिर में विशेष पूजा अर्चना के बाद उत्सव प्रतिमा को सुसज्जित रथ में विराजमान कर ग्रामवासियों द्वारा गोविंदा गोविंदा के जयघोष के साथ मुख्य बाजार तक रथ खींचकर लाया गया। जहां सम्पूर्ण ग्रामवासियों ने भगवान की पूजा अर्चना के साथ दर्शनलाभ लिया।

वहीं रथोत्सव में बेलन्दूर मारवाड़ी व्यापार संघ ने भी बढ़कर हिस्सा लिया। भगवान की पूजा-अर्चना के साथ दर्शन कर खुशहाली की कामना की। गांव के करीब इक्कीस मंदिरों में विराजित देवताओं की देर सायं पालकी निकाली गई, जो फूलों की कलाकृति से सुसज्जित थी। इस मौके पर भाजपा नेता मिथुन रेड्डी, बाबुरेड्डी ओम शक्ति, भाजयुमो जिला महामंत्री राजेश मुदाली, नवीन रेड्डी, बेलन्दूर मारवाड़ी व्यापार संघ के बाबूलाल राठौड़, भूपेश कश्यप, भुण्डाराम, सुखाराम, थानाराम, प्रकाश भायल, बुधाराम राठौड़, कल्याणराम, अरुण शर्मा, जितेंद्र प्रजापत, अशोक बाकरा, राजू पटेल, मनोहर सीरवी, छोटू गुर्जर, हरीश देवासी सहित कई लोग उपस्थित थे।

रक्तदान शिविर का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जगत जननी माता राजेश्वरी देवी की जयंती के उपलक्ष्य में श्री हंस सत्संग आश्रम मेडाहल्ली कृष्णराजपुरम में कमांड हॉस्पिटल एयरफोर्स के सहयोग से भारतीय सैनिकों और उनके आश्रितों के लिए विशेष रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर का शुभारंभ सदगुरुदेव सतपाल महाराज के आत्मानुभवी संत कर्नाटक प्रभारी महात्मा तुरीयानन्द ने किया। शिविर में कमांड हॉस्पिटल से 8 सदस्यीय टीम ने रक्तदाताओं की जांच की और 50 रक्तदाताओं ने रक्तदान कर पुण्य लाभ अर्जित किया। महात्मा आत्मवेदांतानंद एवं महात्मा गुणवंतानंदन ने भी रक्तदान किया। इस अवसर पर समिति की ओर से कमांड हॉस्पिटल एयरफोर्स टीम का स्वागत किया गया। समिति की ओर से एच एल शर्मा, संपत कृष्णा, प्रेम किशोर, नारायण लाल चोयल, अमनदीप चौहान, प्रकाश परिहार, जितेंद्र चौहान, सरोज जोशी ने स्वागत किया।

***बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** मां दुर्गा पूजा समिति ट्रस्ट अंदरहल्ली नाइस रोड के निकट दुर्गा देवी मंदिर में चैत्र नवरात्रि महोत्सव का आयोजन किया गया। स्थानीय कलाकारों ने एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति दी, जिससे माहौल भक्ति मय हो गया। मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत, संजय मिश्रा ने देवी मां के दर्शन कर मंदिर परिसर में नवनिर्मित भवन का फीता काटकर उद्घाटन किया। ट्रस्ट के पदाधिकारी पीके सिंह, पीएच पांडे, राम प्रवेश महतो, नारायण यादव एवं अन्य सदस्यों ने अतिथियों को सम्मानित किया।*

मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में कर्नाटक में ईडी की छापेमारी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कुछ सहकारी बैंकों में कथित वित्तीय अनियमितताओं से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग की जांच के तहत मंगलवार को कर्नाटक में कई स्थानों पर छापेमारी की। अधिकारियों के अनुसार, यह जांच मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत की जा रही है।

उन्होंने बताया कि छापेमारी बेंगलूरु और शिवमोग्गा जिलों में 10 स्थानों पर की गई।

कांग्रेस सरकार राहुल गांधी का एटीएम है: श्रीरामुलु

मांड्या/शुभ लाभ ब्यूरो। पूर्व मंत्री बी श्रीरामुलु ने आर-ोप लगाया है कि कर्नाटक की कांग्रेस सरकार राहुल गांधी की एटीएम है।

यहां जनाक्रोश यात्रा के दौरान बोलते हुए उन्होंने कहा कि वह जब चाहें अपना कार्ड डालकर नकदी निकाल सकते हैं। अब उन्होंने मंत्रियों को भी लक्ष्य दे दिए हैं। उन्होंने शिकायत की कि ऐसा प्रतीत होता है कि जितना अधिक धन वह एकत्रित करेंगे, उनकी स्थिति उतनी ही मजबूत होगी। कलेक्शन कम है लेकिन पोजीशन

से वंचित होने के कारण कीमत में लगातार वृद्धि हो रही है। हर कोई भ्रष्टाचार कर रहा है। उन्होंने मंत्री पर भ्रष्टाचार में लिप्त होने का भी आरोप लगाया। उन्होंने शिकायत की कि यह सरकार अलीबाबा चालीस चोर कहानी के मॉडल पर चल रही है। मुख्यमंत्री ने 2 लाख करोड़ रुपए का कर्ज लिया है। उन्होंने घोषणा की कि भाजपा इस सरकार के खिलाफ जागरूकता पैदा करने के लिए तालुकों और गांवों में जाएगी।

पूर्व मंत्री एवं विधान परिषद सदस्य सी.टी. रवि ने राज्य की कांग्रेस सरकार पर सांप्रदायिक राजनीति करने का आरोप लगाया है, जो एक आंख में मक्खन और दूसरी में चाक डालती है। उन्होंने कहा कि यह संघर्ष कांग्रेस की जनविरोधी, महंगाई और भ्रष्टाचार की नीतियों के खिलाफ किया जा रहा है।

स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। तेरापंथ महिला मंडल टी.दासरहल्ली के निर्देशानुसार विश्व स्वास्थ्य दिवस के उपलक्ष्य में स्वस्थ परिवार स्वस्थ समाज के अंतर्गत स्वास्थ्य जाँच का आयोजन अध्यक्ष नेहा चावत की अध्यक्षता में सप्तगिरी इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस एंड रिसर्च इंस्टिट्यूट में किया। कार्यक्रम का शुभारंभ सामूहिक नमस्कार महामंत्र से हुआ। अध्यक्ष नेहा चावत ने कहा नियमित स्वास्थ्य जांच से स्वास्थ्य समस्याओं के किसी भी प्रारंभिक लक्षण की पहचान की जा सकती है। वर्तमान समय में व्यक्ति जिस तनाव और दबाव से गुजर रहा है, उसे देखते हुए उसे अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि बीमारियों से बचने के लिए एहतियाती उपाय महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि ये जीवनशैली का परिणाम हैं और अपने अनिवार्य कर्तव्यों का निर्वहन करने के लिए अच्छा स्वास्थ्य जरूरी है। मरीजों का एमआरआई करवाया व स्वास्थ्य की जांच करवाई। रक्त परीक्षण, रक्तचाप और शर्करा की जाँच, सामान्य शारीरिक परीक्षण भी करवाया गया। मरीजों ने मंडल के प्रति आभार व्यक्त किया। मंत्री नम्रता पितलिया ने कहा की स्वस्थ जीवनशैली, जैसे कि नियमित व्यायाम, संतुलित आहार और पर्याप्त नींद, आपके स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद कर सकती है। डॉ. नटराज का पूर्ण सहयोग रहा।

मूल्य वृद्धि के खिलाफ बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा: निखिल कुमारस्वामी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जेडीएस युवा विंग के प्रदेश अध्यक्ष निखिल कुमारस्वामी ने कहा कि मूल्य वृद्धि के खिलाफ लोगों में जागरूकता पैदा करने के लिए केंद्रीय भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी के नेतृत्व में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा।

पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य में कांग्रेस

पार्टी को सत्ता में आए दो साल हो गए हैं। राज्य सरकार लगातार मूल्य वृद्धि से लोगों को चौंका रही है। उन्होंने कहा कि हाल के दिनों में राज्य में मूल्य वृद्धि के मुद्दे पर काफी चर्चा शुरू हो गई है।

मूल्य वृद्धि को लेकर राज्य सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने के लिए बेंगलूरु शहर में एक विशाल रैली आयोजित की जाएगी।

उन्होंने कहा कि हमारी सहयोगी पार्टी भाजपा मूल्य वृद्धि के खिलाफ प्रदर्शन कर रही है और सरकार को चेतावनी दे रही है।

केंद्र सरकार ने राज्य भाजपा नेताओं को थप्पड़ मारा: शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। केपीसीसी अध्यक्ष एवं उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने मजाक में कहा कि केंद्र सरकार ने जन आक्रोश रैलियां कर रहे राज्य भाजपा नेताओं को थप्पड़ मारा है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो संदेश के जरिए बोलते हुए उन्होंने रसोई गैस, पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी कर आम आदमी पर बोझ बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार पर पलटवार किया और भाजपा मित्रों से जनकोष यात्रा निकालने को कहा है। केंद्र सरकार द्वारा रसोई गैस और ईंधन तेलों की कीमतें बढ़ाने के फैसले पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए उन्होंने प्रदेश भाजपा नेताओं पर निशाना साधा। राज्य में भाजपा के मित्र जन अभियान चला रहे हैं और केन्द्र की भाजपा सरकार ने उन पर मूल्य वृद्धि का तमाचा जड़ दिया है। उन्होंने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा कि वह भाजपा नेताओं से विनम्रतापूर्वक अनुरोध करते हैं कि वे केंद्र सरकार के खिलाफ अपना अभियान जारी रखें।

क्या आप राज्य में अंतर्राष्ट्रीय बाजार से दूध ला रहे हैं?

ऐसा लगता है कि सिद्धरामैया ने कीमतें बढ़ाने के लिए ही विशेषज्ञ समिति गठित की: विजयेंद्र

मांड्या/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक बी.वाई. विजयेन्द्र ने मंगलवार को आर-ोप लगाया कि राज्य की सिद्धरामैया सरकार ने 48 आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी की है। उन्होंने कहा कि सिद्धरामैया ने मूल्य वृद्धि से निपटने के लिए एक विशेषज्ञ समिति गठित की है। भाजपा की जनाक्रोश यात्रा के दूसरे दिन यहां एक जनसभा में बोलते हुए उन्होंने अहंकारी मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के इस बयान पर आपत्ति जताई कि पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार को थप्पड़ मारा जाना चाहिए। क्या जनविरोधी कांग्रेसियों को थप्पड़ मारना चाहिए? उन्होंने सवाल उठाया कि क्या केंद्र में तीसरी बार सत्ता में आए और गरीबों के लिए उज्ज्वला समेत अनेक जनहितैषी योजनाएं देने वाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी की सरकार को थप्पड़ मारा जाना चाहिए। उन्होंने कहा आम आदमी की कलम खींचने का काम अन्य राज्यों में किसी ने नहीं किया। इस सरकार के पास कोई दिशा नहीं है। पेट्रोल, पानी और डीजल की कीमतें बढ़ा दी गई हैं। वे कचरे पर भी कर लगा रहे हैं। दूध के दाम में वृद्धि कर दी गई है। उन्होंने कहा कि करों में वृद्धि की गई है। क्या सिद्धरामैया 48 आवश्यक वस्तुओं की कीमतें बढ़ाकर जनता को तमाचा मार रहे हैं? आप ही बताइए कि क्या मोदी ऐसा कर रहे हैं? केंद्र सरकार ने भले ही पेट्रोल-डीजल पर टैक्स बढ़ा दिया है, लेकिन वह इसे लोगों पर नहीं थोप रही है। यह ध्यान देने योग्य बात है कि केन्द्रीय मंत्री ने कहा था कि कम्पनियां स्वयं लागत वहन करेंगी। पुलिस विभाग को पहली तारीख को वेतन मिलना था। लेकिन अभी तक नहीं दिया गया है। शिक्षकों को अभी भी वेतन नहीं दिया जा रहा है।

सरकारी कर्मचारियों को वेतन नहीं दिया गया है। उन्होंने कहा कि यह राज्य की वित्तीय स्थिति का सही आईना है। मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों ने गैस के बारे में बात की है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक शानदार योजना बनाई है, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि हमारे देश में झोपड़ियों में रहने वाले गरीब लोग भी एलपीजी गैस का उपयोग करें। अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में वृद्धि हुई है, जिससे पेट्रोल और डीजल की कीमत में 2.5 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि हो गई है।

इसका बोझ आम लोगों पर नहीं डाला गया है। अगर राहुल गांधी जैसा पवित्र प्रधानमंत्री होता तो सिलेंडर की कीमत 2500 रुपये होती। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में बढ़ोतरी के कारण केंद्र सरकार ने पेट्रोल, डीजल और सिलेंडर पर फैसला लिया है। मुख्यमंत्री ने खुद दूध के दाम बढ़ाए हैं, है न? क्या आप कचरे पर कर नहीं लगा रहे हैं? आपने पानी की कीमत बढ़ा दी, है न? क्या वे अंतर्राष्ट्रीय बाजार से दूध ला रहे हैं। उन्होंने कांग्रेस पार्टी की आलोचना करते हुए कहा कि वह मगरमच्छ के आंसू बहाकर और यह दावा करके सत्ता में आई थी कि हमारा पानी हमारा अधिकार है, लेकिन आपके वोट जीतकर वह अपने उस बयान को भूल गई है।

कांग्रेस पार्टी जनहितैषी शासन देने का वादा करके सत्ता में आई थी। हालाँकि, उन्होंने शिकायत की कि कांग्रेसी यह सब भूल गए हैं। हमने सोचा था कि कांग्रेसी राज्य में राम राज्य बनाएंगे। वे विकास कार्य करेंगे और किसानों के आँसू पोंछेंगे। हमने सोचा था कि दलितों, अनुसूचित जनजातियों और पिछड़े वर्गों को न्याय मिलेगा। हालाँकि, उन्होंने ऐसा कोई काम न करने के लिए उनकी आलोचना की। अहिंदा नाम का दावा करके वोट हासिल करने वाले मुख्यमंत्री बने सिद्धरामैया सभी पिछड़े समुदायों को भूल गए हैं। उन्होंने उन पर अल्पसंख्यकों और मुसलमानों के पक्ष में नारे लगाने तथा राज्य के सभी पिछड़े समुदायों को पूरी तरह से भूल जाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस एक ऐसी पार्टी है जो जनता के हितों को भूल गई है। इस मौके पर पूर्व मुख्यमंत्री डी.वी. सदानंद गौड़ा, विपक्ष के नेता आर. अशोक, विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी, पूर्व उपमुख्यमंत्री गोविंद करजोल, पूर्व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष नलिन कुमार कतील और पूर्व उपमुख्यमंत्री डॉ. सी. एन. अश्वथ नारायण जैसे कई वरिष्ठ नेता और पार्टी नेता शामिल हुए।

भाजपा को जनाक्रोश मार्च नहीं, माफी मार्च निकालना चाहिए: प्रियांक खड़गे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज मंत्री प्रियांक खड़गे ने पलटवार करते हुए कहा है कि भाजपा को जनाक्रोश यात्रा नहीं, बल्कि माफी यात्रा निकालनी चाहिए, क्योंकि जनाक्रोश का लक्ष्य भाजपा ही है।

अब भाजपा सार्वजनिक विरोध प्रदर्शन कहां करेगी? प्रधानमंत्री कार्यालय के सामने? केशव कृपा के सामने या जंतर-मंतर पर? रसोई गैस की कीमत में पुनः 50 रुपये की वृद्धि हुई है। टोल शुल्क में वृद्धि और ईंधन तेल की बढ़ी हुई दरों पर सवाल उठाने के लिए वे कहां खड़े हैं?

पिछले दिनों जब केंद्र सरकार ने ईंधन के दाम बढ़ाए थे, तब भाजपा ने न केवल 2 रुपए वाला अभियान चलाया था कि पेट्रोल का रेट 1000 हो जाए तो भी बाइक बेच देंगे और मोदी को वोट देंगे, बल्कि भाजपा के एक विधायक ने यह भी कहा था कि जो लोग मूल्य वृद्धि के खिलाफ हैं, उन्हें पाकिस्तान चले जाना चाहिए। क्या केंद्र सरकार का कर आतंकवाद, जिसके कारण भारत में ईंधन की कीमतें रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई हैं, जबकि अंतर्राष्ट्रीय बाजार में ईंधन की कीमतें काफी कम हो गई हैं, लोगों के सामने उचित ठहराया जाएगा? एक गैस सिलेंडर जिसकी कीमत लगभग 400 रुपये हुआ करती थी। अब 900 हो गई है। क्या वे उस बात के लिए माफी मांगेंगे जो उन्होंने लोगों में उत्पन्न की है? उन्होंने कहा कि जनाक्रोश यात्रा पर निकले भाजपा नेता अब सोच रहे हैं कि गैस सिलेंडर की कीमतों में बढ़ोतरी का समर्थन करें या यात्रा छोड़ दें। उन्होंने कहा कि यदि मोदी कीमतें बढ़ाते हैं, तो यह कुछ नहीं, लेकिन यह एक बड़ा अपराध होगा यदि मोदी की बेकार नीतियों के कारण अन्य लोग कीमतें बढ़ाने के लिए मजबूर हो जाएं। जनता भाजपा की दो-हरी मानसिकता को बर्दाश्त नहीं करेगी।

दिवालिया सरकार कर्मचारियों को वेतन देने में असमर्थ: अशोक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने गंभीर आरोप लगाया है कि सरकारी कर्मचारियों को वेतन देने में असमर्थ कांग्रेस सरकार पूरी तरह दिवालिया हो चुकी है और वह कर्नाटक को दिवालियापन की ओर ले जाएगी। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि वे सरकारी कर्मचारियों को समय पर वेतन देने के योग्य नहीं हैं। उन्होंने उन पर ताना मारते हुए कहा आप कंगाल नहीं हैं, तो आपने 15,000 करोड़ रुपये का कर्ज क्यों लिया? मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने उधार लेने का गिनीज रिकॉर्ड बनाया है। अस्पताल के डॉक्टरों को केवल दो महीने का वेतन दिया जा रहा है। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा कि सिद्धरामैया को नहीं पता कि सरकार कैसे चलायी जाती है। कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद भी आबकारी विभाग लूटने वाला विभाग बन गया है। वे शराब की दुकानों के आवंटन में भी करोड़ों रुपए हजम कर रहे हैं। वे शराब की दुकान के लिए इतनी

धनराशि जुटाने के लिए खुलेआम अभियान चला रहे हैं। उन्होंने मांग की कि आबकारी विभाग में हो रहे भ्रष्टाचार को उजागर किया जाए। राज्य सरकार प्रतिदिन कीमतों में वृद्धि कर रही है। उन्होंने कहा कि वे बिना कोई कर लगाए, गारंटी देकर कर्नाटक को स्वर्ग बना देंगे। अब उन्होंने पांच गारंटियों पर जितना चाहें उतना कर लगा दिया है। मैं मूल्य वृद्धि बर्दाश्त नहीं कर सकता। उपमुख्यमंत्री ने खुद कहा कि हम लोगों को 2,000 रुपये देकर खुश कर रहे हैं। यहां दाम बढ़ाकर दो हजार देना धोखा है। उन्होंने राज्य की जनता की जेबों पर डाका डालने के लिए कांग्रेस की आलोचना की। कांग्रेस सरकार जनता का विश्वास खो चुकी है। इस सरकार को अपने गठन के एक वर्ष के भीतर ही विपक्ष की लहर का सामना करना पड़ा है। उन्होंने कहा कि जब चुनाव आएंगे तो कांग्रेस के खिलाफ विरोध की लहर आएगी। मैसूरु में जन आक्रोश सफल रहा है। केपीसीसी की कुर्सी एक व्यक्ति के पास रखने की योजना है। एक अन्य को मुख्यमंत्री की कुर्सी बचाए रखने की चिंता है। पुराने सिद्धरामैया और नए सिद्धरामैया में बहुत अंतर है। सिद्धरामैया की भुलक्कड़ प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है। मैंने भाजपा-जेडीएस में समन्वय समिति बनाने के बारे में कुमारस्वामी से बात की है। हमने सत्र के दौरान लिए गए किसी भी निर्णय पर जेडीएस विधायक के साथ चर्चा की है। वे अपनी लड़ाई लड़ते हैं। हम अपने हितों के लिए लड़ रहे हैं।

कर्नाटक सरकार हर कदम पर मेरे प्रयासों में बाधा डाल रही है: कुमारस्वामी

मांड्या/शुभ लाभ ब्यूरो।

केंद्रीय भारी उद्योग और इस्पात मंत्री एच डी कुमारस्वामी ने कर्नाटक सरकार पर राजनीतिक द्वेष के कारण राज्य में औद्योगिक विकास लाने के उनके प्रयासों में बाधा डालने का आरोप लगाया। मांड्या जिले के हंडानाहल्ली गांव में भगवान सिद्धि विनायक और नाग देवता मंदिर में नई मूर्ति स्थापना और कुंभाभिषेक समारोह को संबोधित करते हुए कुमारस्वामी ने कहा मांड्या के लोगों ने मुझे अपना सांसद चुना और प्रधानमंत्री मोदी ने मुझे भारी उद्योग और इस्पात की जिम्मेदारी दी है।

मांड्या, रामनगर या तुमकुरु में उद्योग लाने के मेरे प्रयासों के बावजूद राज्य सरकार हर कदम पर मुझे बाधित कर रही है। कुमारस्वामी ने कर्नाटक के एक महत्वपूर्ण उद्योग कुद्रेमुख आयरन एंड स्टील कंपनी के मुद्दे को उजागर किया, जिसका प्लांट मेंगलूरु तट पर है। उन्होंने कहा कि कुद्रेमुख में खनन कार्यों में रुकावट के कारण हजारों स्थानीय नौकरियां चली गईं। उन्होंने पिछली सिद्धरामैया सरकार पर सैंडूर, बल्लारी में खनन कार्यों से संबंधित धन और अनुमतियों का गलत इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पदभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने कुद्रेमुख में खनन कार्य फिर से शुरू करने के लिए 1,700 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता के प्रस्ताव को मंजूरी दी, लेकिन दावा किया कि राजनीतिक विरोध के कारण इसमें बाधा उत्पन्न हुई। उन्होंने कहा राजनीतिक द्वेष के कारण राज्य सरकार ने इसे रोक दिया, जिससे मेंगलूरु कारखाने में 2,000 श्रमिकों की नौकरियां चली गईं। कुमारस्वामी ने यह भी दावा किया कि राज्य सरकार एचएमटी और अन्य औद्योगिक विकास के पुनरुद्धार से संबंधित प्रयासों का राजनीतिकरण करना जारी रखे हुए है। उन्होंने कहा इसके विपरीत, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के नेता अपनी राजनीतिक संबद्धता की परवाह किए बिना प्रगति लाने के लिए मिलकर काम करते हैं।

येदियुरप्पा ने पॉक्सो मामले में यात्रा प्रतिबंध से राहत मांगी

न्यायिक फटकार का सामना करना पड़ा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

वरिष्ठ भाजपा नेता और पूर्व मुख्यमंत्री बी एस येदियुरप्पा ने पॉक्सो (यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण) मामले में उन पर लगाए गए यात्रा प्रतिबंधों में ढील देने की मांग करते हुए कर्नाटक उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। न्यायमूर्ति प्रदीप सिंह येरुर की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने याचिका पर सुनवाई करते हुए मौखिक रूप से कहा वरिष्ठ नेता के प्रति अत्यंत सम्मान के साथ, ऐसे निंदनीय कृत्यों में शामिल होने पर परिणामों के प्रति सचेत रहना चाहिए। न्यायालय ने मामले की सुनवाई गर्मी की छुट्टियों के बाद करने पर सहमति जताई और अभियोजकों को आपत्तियां दर्ज करने का निर्देश दिया। येदियुरप्पा के वकील सी वी नागेश ने तर्क दिया कि उनके मुवक्किल, जो एक राष्ट्रीय स्तर के राजनीतिक व्यक्ति हैं, को काम के लिए अप्रतिबंधित यात्रा की आवश्यकता है और वे बार-बार अदालतों का दरवाजा नहीं खटखटा सकते। हालांकि, पीठ ने अपना रुख दोहराते हुए कहा कि कम से कम एक और महीने तक, वे कहीं नहीं जा रहे हैं।

विशेष लोक अभियोजक रविवर्मा कुमार और अशोक नायक ने याचिका का विरोध करते हुए कहा कि वे औपचारिक आपत्तियां दर्ज करेंगे। मामले में येदियुरप्पा की अग्रिम जमानत के लिए, यात्रा प्रतिबंध एक शर्त के रूप में लगाया गया था। हाई कोर्ट ने पहले फास्ट ट्रैक कोर्ट के समन पर रोक लगा दी थी, जिसमें येदियुरप्पा की उपस्थिति की आवश्यकता थी, और गहन जांच की आवश्यकता को देखते हुए। हालांकि, 7 फरवरी को, इसने अग्रिम जमानत देते हुए उनके खिलाफ आरोपों को खारिज करने से इनकार कर दिया। सीआईडी की जून 2024 की चार्जशीट में आरोप लगाया गया है कि 2 फरवरी, 2024 को, येदियुरप्पा ने अपने घर पर एक नाबालिग लड़की का यौन उत्पीड़न किया, जब उसकी माँ ने पिछले हमले के बारे में उनसे मदद मांगी थी। उन पर पॉक्सो और आईपीसी की धारा 354ए (यौन उत्पीड़न), 204 (साक्ष्यों से छेड़छाड़) और 214 (अपराध छिपाने के लिए रिश्वत) के तहत आरोप हैं। येदियुरप्पा ने आरोपों से इनकार करते हुए उन्हें राजनीति से प्रेरित बताया। अगली सुनवाई अभियोजन पक्ष की प्रतिक्रिया का इंतजार कर रहा है।

मेरे शब्दों को तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया

महिलाओं को किसी भी तरह की तकलीफ के लिए खेद: गृह मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बेंगलूरु में हाल ही में हुई छेड़छाड़ की घटना पर अपनी टिप्पणी के लिए विवादों में घिरे कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने मंगलवार को कहा कि उनके बयान को ठीक से नहीं समझा गया और उसे तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया। उन्होंने यह भी कहा कि अगर इससे किसी को, खासकर महिलाओं को तकलीफ पहुंची है तो वे खेद व्यक्त करेंगे। परमेश्वर ने बार-बार कहा कि वे महिलाओं को सुरक्षा और संरक्षण प्रदान करने के महत्व में विश्वास करते हैं और गृह मंत्री के रूप में वे उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं और इस संबंध में उन्होंने कई कदम उठाए हैं। 3 अप्रैल को सुद्दागुंटेपाल्या में पैदल चलने के दौरान एक महिला के साथ छेड़छाड़ की घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए परमेश्वर ने सोमवार को कहा था पुलिस लगातार चौबीसों घंटे काम कर रही है, बारिश और ठंड का सामना कर रही है। यही कारण है कि बेंगलूरु में शांति है। बेंगलूरु

जैसे बड़े शहर में, इस तरह की घटनाएं यहां-वहां होती रहती हैं। इस बयान ने विवाद पैदा कर दिया था, जिसकी विपक्षी भाजपा ने कड़ी आलोचना की थी और राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) ने भी सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की थी। एनसीडब्ल्यू की अध्यक्ष विजया रहाटकर के निर्देश पर, आयोग ने हाल ही में बेंगलूरु में हुई छेड़छाड़ की घटना पर कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर द्वारा की गई असंवेदनशील टिप्पणी पर कड़ी आपत्ति जताई है। इस तरह के बयान महिलाओं के खिलाफ अपराधों को कमतर आंकते हैं। एनसीडब्ल्यू ने कर्नाटक के राज्यपाल और मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर गृह मंत्री से सार्वजनिक रूप से माफी मांगने और कानून व्यवस्था को मजबूत करने के लिए तत्काल कार्रवाई करने की मांग की है। मंगलवार को अपने बयान पर सफाई देते हुए परमेश्वर ने कहा सोमवार को मेरे बयान को आप (मीडिया) ने ठीक से नहीं समझा है, और दूसरे प्लेटफॉर्म ने भी इसे अलग तरह से समझा है। मैं हमेशा महिलाओं की सुरक्षा के पक्ष में हूं। गृह मंत्री के तौर पर मैंने निर्भया योजना जैसे कई कार्यक्रम लागू किए हैं। दूसरे राज्यों की तुलना में हमने निर्भया फंड पर ज्यादा खर्च किया है और केंद्र सरकार के साथ मिलकर इसे लागू किया है। मैं किसी दिन महिलाओं की सुरक्षा के लिए किए गए कामों को साझा करना चाहूंगा। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा किसी बयान को तोड़-मरोड़ कर पेश करना और मेरे बारे में बोलना सही नहीं है। मेरा मानना है और मैंने महिलाओं - हमारी बहनों और माताओं की सुरक्षा के लिए कई कदम उठाए हैं। अ

गर कोई मुद्दा (महिलाओं की सुरक्षा से जुड़ा) है, तो मैंने विभाग के अधिकारियों को जिम्मेदार ठहराया है। इसलिए मेरे बयान को तोड़-मरोड़ कर पेश नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा मैं यह बात भाजपा के उन लोगों के लिए नहीं कह रहा हूं, जो राजनीति कर रहे हैं। अगर मेरे बयान से किसी को दुख पहुंचा है - हमारी बहनों, माताओं को, तो मैं खेद व्यक्त करता हूं। लेकिन इसे अलग-अलग तरीके से पेश करके अलग-अलग मंचों पर ले जाने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि पुलिस आयुक्तों द्वारा दैनिक ब्रीफिंग के दौरान या पूरे राज्य से ब्रीफिंग के दौरान, वह महिलाओं की सुरक्षा से संबंधित ऐसे मामलों पर नजर रख रहे हैं।

लापरवाही या उदासीनता का सवाल ही नहीं

गृह मंत्री ने कहा समीक्षा करते हुए, मैं नियमित रूप से पुलिस को सख्त कार्रवाई करने का निर्देश देता हूं, चाहे वह उत्पीड़न के मामले हों, पॉक्सो के मामले हों। इसलिए मेरी ओर से किसी भी तरह की लापरवाही या उदासीनता का सवाल ही नहीं उठता। उन्होंने कहा मैं महिलाओं और उनकी सुरक्षा के पक्ष में सभी सख्त कदम उठाऊंगा। यह सिर्फ बयानबाजी के लिए नहीं है। पिछले कुछ वर्षों में राज्य में महिलाओं के खिलाफ अत्याचार बढ़ने के आरोपों पर पूछे गए सवाल पर परमेश्वर ने पूछा क्या मुझे उन मामलों की संख्या बतानी चाहिए, जब भाजपा सत्ता में थी? उन्होंने कहा मैंने पहले ही आंकड़े दे दिए हैं। यदि वे दावा करते हैं कि उनके कार्यकाल के दौरान कुछ भी नहीं हुआ, तो लोग इस पर हंसेंगे।

पश्चिम बंगाल का शिक्षक भर्ती घोटाला

सुप्रीम कोर्ट ने खारिज किया सीबीआई जांच का एक हिस्सा

नई दिल्ली, 08 अप्रैल (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल कैबिनेट की ओर से अतिरिक्त पदों के सृजन के फैसले की सीबीआई जांच के लिए कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश के एक हिस्से को खारिज कर दिया। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पश्चिम बंगाल में 25,753 शिक्षकों और कर्मचारियों की नियुक्ति के अन्य पहलुओं के संबंध में सीबीआई जांच जारी रहेगी।

कलकत्ता उच्च न्यायालय के फैसले के उस हिस्से को खारिज किया गया है, जिसमें राज्य सरकार की ओर से संचालित और सहायता प्राप्त स्कूलों में अतिरिक्त पदों के सृजन के पश्चिम बंगाल कैबिनेट के फैसले की सीबीआई जांच का आदेश दिया गया था। हालांकि, शीर्ष कोर्ट ने साफ किया कि 25,753 शिक्षकों और कर्मचारियों की नियुक्ति से जुड़े अन्य पहलुओं की सीबीआई जांच जारी रहेगी। अतिरिक्त पद से मतलब ऐसे अस्थायी पद से है, जो किसी ऐसे कर्मचारी को समायोजित करने के लिए सृजित किया गया हो, जो किसी ऐसे नियमित पद का हकदार हो, जिसका वर्तमान में कोई वजूद नहीं है।

अधिवक्ता विकास रंजन भट्टाचार्य ने कहा, आज सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कैबिनेट के खिलाफ सीबीआई जांच के लिए हाईकोर्ट का निर्देश अनावश्यक था। इसलिए सुप्रीम कोर्ट ने आदेश के उस हिस्से को रद्द कर दिया है। अब सीबीआई कैबिनेट के फैसले के लिए कैबिनेट सदस्यों के खिलाफ जांच नहीं कर सकती है। यह अन्य चीजों के लिए नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि सीबीआई जांच के निर्देश को छोड़कर अन्य सभी अदालती आदेश लागू रहेंगे। इससे पहले मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने 3 अप्रैल को 25,753 शिक्षकों और कर्मचारियों की नियुक्ति को अमान्य करार देते हुए पूरी चयन प्रक्रिया को भ्रष्ट और दागदार करार दिया था।

इससे पहले गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल स्कूल सेवा आयोग (एसएससी) की ओर से 2016 में राज्य द्वारा संचालित और सहायता प्राप्त स्कूलों के लिए 25,000 से अधिक शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की भर्ती को रद्द करने के कलकत्ता उच्च न्यायालय के फैसले को बरकरार रखा था।

भारत के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने पाया कि चयन प्रक्रिया बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी की गई। पीठ ने कहा कि हमारी राय में यह एक ऐसा मामला है, जिसमें पूरी चयन प्रक्रिया को बर्बाद कर दिया गया। प्रक्रिया में समाधान की कोई गुंजाइश ही बची है।

पूरी प्रक्रिया ही दागदार प्रतीत हो रही है। बड़े पैमाने पर हेरफेर और कवर-अप के प्रयास ने चयन प्रक्रिया को नुकसान पहुंचाया है। ऐसे में चयन की विश्वसनीयता और वैधता समाप्त हो गई है।

शीर्ष अदालत का फैसला पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा दाखिल एक याचिका पर आया था, जिसमें कलकत्ता उच्च न्यायालय के अप्रैल 2022 के आदेश को चुनौती दी गई थी। इसमें राज्य द्वारा संचालित और सहायता प्राप्त स्कूलों के लिए 25,000 से अधिक शिक्षकों और अन्य कर्मचारियों की भर्ती रद्द कर दी गई थी। शीर्ष अदालत ने 10 फरवरी को मामले में अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

भाजपा नेता के घर पर बम फेंका गया

जालंधर, 08 अप्रैल (एजेंसियां)। पंजाब के जालंधर में भारतीय जनता पार्टी के नेता मनोरंजन कालिया के घर के बाहर रात करीब 1 बजे जोरदार धमाका हुआ। ऐसी आशंका जताई जा रही है कि उनके घर ग्रेनेड फेंका गया है, हालांकि पुलिस अभी इसकी जांच कर रही है। उसके बाद ही साफ हो सकेगा कि यह ग्रेनेड हमला था या फिर कुछ और था। पुलिस सीसीटीवी फुटेज भी खंगाल रही है।

जालंधर पुलिस कमिश्नर धनप्रीत कौर ने कहा, हमें 1 बजे के आसपास सूचना मिली कि यहां पर कोई विस्फोट हुआ है। हमने और फॉरेंसिक टीम ने यहां पर आकर सब कुछ चेक किया है। हमने एफआईआर दर्ज कर ली है और आगे की तफ्तीश की जा रही है। सीसीटीवी की फुटेज भी खंगाली जा रही है। आसपास के पूरे एरिया में पुलिस फोर्स बढ़ा दी गई है। बस स्टॉप और रेलवे स्टेशन पर भी चौकसी बढ़ा दी गई है। फॉरेंसिक टीम ने जांच के सैंपल ले लिए हैं और जो भी जानकारी हमें मिलती है, वह हम आपके साथ शेयर करेंगे।

भारतीय जनता पार्टी के नेता मनोरंजन कालिया ने कहा, रात को 1 बजे के आसपास धमाका हुआ है। मैं तो सो रहा था रात को पहले तो मैंने समझा कि ट्रांसफॉर्मर है ये उसका ब्लास्ट है। लेकिन वाइब्रेशन काफी ज्यादा थीं। फिर मुझे लगा कि बिजली कड़कने की आवाज है। फिर मुझे मेरे ड्राइवर ने जगाया और कहा कि ब्लास्ट हो गया है। फिर मैंने अपने गनमैन को भेजा। इसके कुछ देर बाद में पुलिस आ गई थी। लॉ एंड ऑर्डर किसी भी सरकार की पहली जिम्मेदारी है। जो लोग पंजाब की शांति भंग करना चाहते हैं उनकी अब इतनी हिम्मत बढ़ गई है कि वो अब घरों तक पहुंच गए हैं। सीसीटीवी की पुलिस जांच कर रही है। फॉरेंसिक एक्सपर्ट आए हुए हैं।

विस्फोटक भाजपा नेता के घर के अंदर उनकी कार के पास जाकर गिरा। जोरदार धमाके से कार के साथ ही घर की खिड़कियां भी टूट गईं और पास का एक साइड गेट भी टूट गया। भारतीय जनता पार्टी के नेता के घर से कुछ 100 मीटर की दूरी पर पुलिस स्टेशन मौजूद है। मनोरंजन कालिया ने बताया कि देर रात वह अपने परिवार के साथ घर पर सो रहे थे। बाहर की लाइट्स बंद थी। अचानक जोरदार धमाके की आवाज आई। बाहर आए तो देखा कि गाड़ी के शीशे टूटे हुए थे। घर की खिड़कियों के कांच भी टूट गए। जमीन पर भी गड्ढा हो गया है। इस हमले को वक्फ बिल के रिएक्शन के तौर पर भी देखा जा रहा है। मनोरंजन ने कहा, ये एक सोची समझी साजिश है। जिस तरह दूसरे भाजपा नेताओं पर हमले हो रहे हैं, ये उनमें से ही एक हो सकता है।

औरंगजेब की कब्र वाला खुल्ताबाद शहर अब रत्नापुर होगा

मुंबई, 08 अप्रैल (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में औरंगजेब को लेकर मचे बवाल के बीच देवेंद्र फडणवीस सरकार के मंत्री ने खुल्ताबाद शहर का नाम बदलने का ऐलान कर दिया है। महाराष्ट्र के मंत्री संजय शिरसाट ने कहा है कि मुगल बादशाह औरंगजेब की कब्र वाले खुल्ताबाद शहर का नाम बदलकर रत्नापुर रखा जाएगा।

सामाजिक न्याय मंत्री, राज्य के कुछ अन्य नेता और दक्षिणपंथी संगठन छत्रपति संभाजीनगर शहर से करीब 25 किलोमीटर दूर खुल्ताबाद से औरंगजेब की कब्र हटाने की मांग कर रहे हैं। औरंगजेब, उसके बेटे आजम शाह, निजाम आसफ जाह और कई अन्य लोगों की कब्रें इस इलाके में स्थित हैं। पिछले महीने शिरसाट ने कहा था कि छत्रपति संभाजी महाराज को प्रताड़ित करने और उनकी हत्या करने वाले क्रूर सम्राट औरंगजेब की कब्र के लिए महाराष्ट्र में कोई जगह नहीं है। शिरसाट ने कहा था कि छत्रपति संभाजीनगर को पहले खड़की के नाम से जाना जाता था और बाद में इसका नाम बदलकर औरंगाबाद कर दिया गया।

शिवसेना नेता ने कहा, खुलताबाद को पहले रत्नापुर के नाम से जाना जाता था। औरंगजेब के शासनकाल में कई जगहों के नाम बदले गए थे। हम खुलताबाद का नाम बदलकर रत्नापुर करने जा रहे हैं।

छत्रपति संभाजीनगर जिले के संरक्षक मंत्री ने कहा, हम उन सभी जगहों के नाम बदलने की प्रक्रिया चला रहे हैं, जिनके नाम उचित नहीं हैं। जैसे औरंगाबाद। औरंगजेब के शासनकाल में रत्नापुर का नाम बदलकर खुल्ताबाद कर दिया गया था। शिरसाट ने कहा कि सरकार खुलताबाद में एक स्मारक बनाने को लेकर भी सकारात्मक है। यह छत्रपति शिवाजी महाराज और उनके बेटे संभाजी महाराज के इतिहास का प्रतीक बनेगा।

वक्फ कानून को लेकर दूसरे दिन भी कश्मीर विधानसभा में हंगामा

विधायिका कर रही गैर संवैधानिक कृत्य

जम्मू, 08 अप्रैल (ब्यूरो)। लगातार दूसरे दिन भी कश्मीर विधानसभा में मंगलवार को वक्फ बिल को लेकर नेशनल कॉन्फ्रेंस और कश्मीर आधारित विपक्षी दलों के बीच झड़प के साथ हंगामा हुआ। विधायिका खु-लेआम गैर संवैधानिक कृत्य कर रही है। नेकां के विधायक वक्फ बिल पर उनके द्वारा लाए गए स्थगन प्रस्ताव पर चर्चा की मांग कर रहे थे, वहीं कश्मीर आधारित विपक्षी दल बिल के खिलाफ प्रस्ताव की मांग कर रहे थे।

आज सदन की कार्यवाही शुरू होते ही नेकां के विधायक खड़े हो गए और मांग की कि उनके द्वारा लाए गए स्थगन प्रस्ताव को अनुमति दी जाए। पीडीपी विधायक वहीद-उर रहमान पारा सदन के वेल में आ गए और मांग की कि उनके द्वारा लाए गए प्रस्ताव को पारित किया जाए। जब पारा प्रस्ताव पारित करने के लिए दबाव बना रहे थे, तो नेकां के अब्दुल मजीद लारमी ने उन पर आरएसएस एजेंट होने का आर-ोप लगाया, जिससे नेकां और कश्मीर स्थित विपक्षी विधायकों के बीच मौखिक द्वंद्व शुरू हो गया।

जब पारा ने पोडियम की ओर बढ़ने की कोशिश की, तो स्पीकर ने मार्शलों को उन्हें बाहर निकालने का आदेश दिया।

जब उन्हें मार्शलों द्वारा बाहर निकाला जा रहा था, तो पीसी अध्यक्ष सज्जाद लोन ने उन्हें बचाने की कोशिश की, लेकिन उन्हें बाहर निकाल लिया गया। सदन में हंगामे के बीच नेकां विधायकों और सज्जाद लोन के बीच मौखिक द्वंद्व शुरू हो गया। लोन ने कहा कि आप नाटक कर रहे हैं। यह विडंबना है कि नेकां विधायक लोगों को बेवकूफ बनाने के लिए नेकां के स्पीकर के खिलाफ विरोध कर रहे हैं। लगातार विरोध के बीच स्पीकर ने कहा कि जम्मू कश्मीर विधानसभा संसद द्वारा किए गए कार्यों को पूर्ववत नहीं कर सकती। उन्होंने कहा कि आप संसद द्वारा किए गए कार्यों को पूर्ववत नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि सदन पर चर्चा का कोई सवाल ही नहीं है।

इस बीच विपक्षी पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी और पीपुल्स कॉन्फ्रेंस ने वक्फ (संशोधन) विधेयक-2025 पर चर्चा को खारिज करने के लिए स्पीकर अब्दुल रहीम राथर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश किया है, जिसमें कहा गया है कि उनके फैसले से व्यापक आक्रोश पैदा हुआ है। पीसी अध्यक्ष सज्जाद गनी लोन और पीडीपी विधायक वहीद-उर-रहमान पारा, मीर मुहम्मद फैयाज और रफीक अहमद नाइक द्वारा प्रस्तुत नोटिस में विपक्ष ने स्पीकर को हटाने की मांग की है।

याचिका में लिखा है कि यह निर्णय स्पीकर की कार्यवाइयों पर सदन के भीतर व्यापक आक्रोश से उपजा है, जिसमें स्थगन प्रस्ताव पर चर्चा को खारिज करना और विपक्षी दलों द्वारा पेश किए गए प्रस्ताव पर विचार करने से इनकार करना शामिल है। इसमें आगे लिखा है कि इस तरह का आचरण इस प्रतिष्ठित संस्थान को संचालित करने वाले लोकतांत्रिक सिद्धांतों और प्रक्रियाओं को कमजोर करता है, जिससे इस मामले को संबोधित करने के लिए यह प्रस्ताव लाया गया है।

सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु के राज्यपाल को दी नसीहत

राज्यपाल के पास वीटो का अधिकार नहीं

नई दिल्ली, 08 अप्रैल (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु के राज्यपाल को कड़ी नसीहत दी है। राज्यपाल द्वारा विधेयकों को मंजूरी नहीं देने को संवैधानिक प्रावधानों का उल्लंघन बताते हुए जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की पीठ ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 200 के तहत राज्यपाल के पास कोई विवेकाधिकार नहीं है और उन्हें मंत्रिपरिषद की सलाह और सहायता से ही काम करना पड़ता है। सुप्रीम कोर्ट पीठ ने कहा कि राज्यपाल किसी विधेयक को रोक नहीं सकते और न ही किसी विधेयक पर वीटो या पॉकेट वीटो कर सकते है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राज्यपाल या तो विधेयक को मंजूरी दे सकते हैं या फिर उस विधेयक को राष्ट्रपति के पास विचार करने के लिए भेज सकते हैं। राज्यपाल दूसरी बार राष्ट्रपति के पास विचार के लिए भेजने की बात कहकर विधेयक को नहीं रोक सकते। राज्यपाल को दूसरी बार में विधेयक को मंजूरी देनी ही होती है, लेकिन बस दूसरा विधेयक पहली बार के मुकाबले अलग होना चाहिए। तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर खुशी जाहिर की और इसे ऐतिहासिक बताया।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का दावा

तीन और समूहों ने हुर्रियत से अलग किया

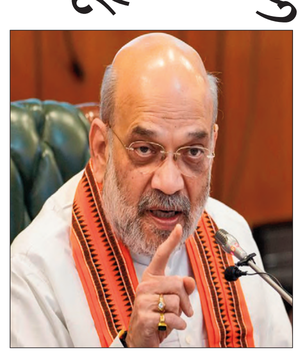

जम्मू, 08 अप्रैल (ब्यूरो)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दावा किया है कि जम्मू कश्मीर में तीन और अलगाववादी-गठबंधन संगठनों ने हुर्रियत कॉन्फ्रेंस से खुद को अलग कर लिया है, इसे कश्मीर के भीतर भारतीय संविधान में बढ़ते भरोसे का एक मजबूत संकेत बताया। शाह ने कहा, जम्मू कश्मीर इस्लामिक पॉलिटिकल पार्टी, जम्मू कश्मीर मुस्लिम डेमोक्रेटिक लीग और कश्मीर फ्रीडम फ्रंट जैसे तीन और संगठनों ने हुर्रियत से खुद को अलग कर लिया है। यह कश्मीर के भीतर भारत के संविधान में लोगों के भरोसे का एक प्रमुख प्रदर्शन है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एकजुट और शक्तिशाली भारत के विजन को और भी बल मिला है क्योंकि 11 ऐसे संगठन अब अलगाववाद से दूर हो गए हैं और भारतीय संघ को समर्थन दिया है। नवीनतम घटनाक्रम ऐसे समय में आया है जब केंद्र सरकार अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद जम्मू-कश्मीर में राजनीतिक सामान्य स्थिति और लोकतांत्रिक ढांचे में बढ़ी हुई भागीदारी का वादा कर रही है। तीन वरिष्ठ अलगाववादी नेता मोहम्मद यूसुफ नकाश, हकीम अब्दुल रशीद और बशीर अहमद अंद्राबी ने सार्वजनिक रूप से अलगाववाद को त्याग दिया और हुर्रियत कॉन्फ्रेंस के विभिन्न धड़ों से खुद को अलग कर लिया। ये तीनों नेता मीरवाइज उमर फारूक के नेतृत्व वाले हुर्रियत धड़े से संबंधित थे। मोहम्मद यूसुफ नकाश जम्मू कश्मीर इस्लामिक पॉलिटिकल पार्टी के प्रमुख थे, हकीम अब्दुल रशीद जम्मू कश्मीर मुस्लिम डेमोक्रेटिक लीग के अध्यक्ष थे, जबकि बशीर अहमद अंद्राबी कश्मीर फ्रीडम फ्रंट का नेतृत्व करते थे। इन नेताओं ने अलग-अलग लेकिन लगभग एकसमान बयानों में भारत के संविधान के प्रति अपनी निष्ठा जताई और अलगाववादी एजेंडे से खुद को पूरी तरह अलग कर लिया।

जानकारी के लिए आल पार्टीज हुर्रियत कॉन्फ्रेंस (एपीएचसी) का गठन 1993 में कश्मीर में उग्र आतंकवाद के दौर में हुआ था। यह संगठन संयुक्त राष्ट्र के प्रस्तावों के आधार पर कश्मीर मुद्दे के समाधान की वकालत करता था। अपने शुरुआती दिनों में एपीएचसी 20 से अधिक राजनीतिक, धार्मिक, व्यापारिक और नागरिक समाज संगठनों का एक समूह था। हालांकि, पिछले कुछ वर्षों में इसकी प्रासंगिकता और प्रभाव में कमी आई है, और अब इसके कई सहयोगी संगठन और नेता इससे किनारा कर रहे हैं।

आग की चपेट में आया पवन कल्याण का 8 साल का बेटा

सिंगापुर के अस्पताल में चल रहा इलाज

अमरावती, 08 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता और आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण के छोटे बेटे मार्क शंकर सिंगापुर में स्कूल में आग लगने से घायल हो गए। शंकर के हाथ और पैर आंशिक रूप से झुलस गया है। आठ साल के शंकर को सिंगापुर के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस खबर के सामने आते ही पवन कल्याण सिंगापुर के लिए रवाना हो रहे हैं। पवन कल्याण इस समय आंध्र प्रदेश के अल्लूरी सीताराम राजू जिले के दौरे पर हैं। उन्होंने अपने निर्धारित कार्यक्रमों को पूरा करने के बाद सिंगापुर जाने का फैसला किया है। पवन कल्याण की पार्टी जनसेना पार्टी की ओर से एक्स पर एक पोस्ट शेयर कर इस बारे में जानकारी दी गई और ये बताया गया कि वो अपने राजनीतिक तय कार्यक्रमों के बाद सिंगापुर के लिए रवाना होंगे।

सात मौतों का दोषी डॉक्टर प्रयागराज में गिरफ्तार, दमोह लाया गया

दमोह, 08 अप्रैल (एजेंसियां)। दमोह शहर के निजी मिशन अस्पताल में सात मरीजों की मौत के आरोपी डॉक्टर नरेंद्र जॉन केम को दमोह पुलिस सोमवार शाम प्रयागराज से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस रात करीब 11:30 बजे आरोपी को लेकर दमोह पहुंची। आरोपी को पहले देहात थाना ले जाया गया। उसके बाद रात करीब 1:00 बजे आरोपी डॉक्टर को पूछताछ के लिए पुलिस कंट्रोल रूम ले गई। यहां खुद दमोह एसपी श्रुत कीर्ति सोमवंशी ने देर रात तक आरोपी से पूछताछ की।

हालांकि अभी तक पुलिस ने आरोपी से मिली जानकारी से जुड़ा कोई भी खुलासा नहीं किया है। मंगलवार दोपहर तक पुलिस इस मामले में खुलासा कर सकती है। वहीं दूसरी तरफ राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग की टीम दूसरे दिन मंगलवार को भी दमोह में रुकी है।

सर्किट हाउस पर सुबह करीब 11:00 बजे से कुछ और मृतकों के परिजनों के बयान दर्ज किये जाएंगे। हालांकि मानव अधिकार आयोग की टीम के अधिकारी मीडिया के सामने कुछ भी बोलने से परहेज कर रहे। आरोपी डॉक्टर की गिरफ्तारी में दमोह साइबर सेल की महत्वपूर्ण भूमिका है। आरोपी को गिरफ्तार करने प्रयागराज पहुंची दमोह पुलिस के साथ साइबर टीम के सदस्य भी मौजूद थे।सर्किट हाउस पर मृतकों के परिजनों के बयान लेने के बाद राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग की टीम शाम को राय चौराहा स्थित मिशन अस्पताल पहुंची। यहां देर रात तक टीम के सदस्य दस्तावेजों की जांच करते रहे। इस दौरान सदस्यों ने मीडिया से दूरी बनाए रखी और कुछ भी जानकारी देने से इनकार किया। आरोपी डॉक्टर से जुड़े दस्तावेज मांगे गए, उसकी नियुक्ति से संबंधित दस्तावेज मांगे गए, साथ ही कितने मरीजो का आयुष्मान कार्ड के तहत यहां इलाज हुआ है वह दस्तावेज भी देखे गए। रात तक अस्पताल में पुलिस छावनी में तब्दील रही।

इसके बाद सदस्य वापस चले गए और मंगलवार सुबह फिर बाकी लोगों को बयान दर्ज करने के लिए बुलाया जाएगा। आरोपी डॉक्टर की गिरफ्तारी से पुलिस को सफलता मिल गई है और अब आरोपी से अब पूछताछ की जाएगी कि उसने फर्जी तरीके से नौकरी कैसे हासिल की और इसके पहले वह किन-किन अस्पतालों में इसी तरह फर्जी तरीके से नौकरी करता रहा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com

जोरदार धमाके से फटा एथेनॉल प्लांट का बॉयलर

बरेली, 08 अप्रैल (एजेंसियां)। आंवला-अलीगंज रोड किनारे स्थित एथेनॉल प्लांट में सोमवार की सुबह भीषण धमाके के साथ बॉयलर फट गया। प्लांट में आग भी लग गई, लेकिन किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। फायर ब्रिगेड ने मशक्कत करके आग बुझाई। बॉयलर फटने से इतनी तेज धमाका हुआ कि आसपास का इलाका सहम गया।

बरेली के बिशारतगंज थाना क्षेत्र में आंवला-अलीगंज रोड पर जिंदल ग्रुप के नवनिर्मित एथनॉल प्लांट का बॉयलर सोमवार सुबह जोरदार धमाके के साथ फट गया। इससे आसपास का इलाका दहल गया। प्लांट में आग लग गई। बॉयलर की भारी भरकम कैप हवा में उड़कर करीब चार सौ मीटर दूर खेत में जाकर गिरी। खेतों में काम कर रहे किसान भाग खड़े हुए। एक किसान घायल हो गया। धमाका इतनी तेज था कि पास के गांव इस्माइलपुर में घरों की दीवार तक हिल गईं। लोग समझ नहीं पाए कि आखिर हुआ क्या। बाद में पता चला कि एथनॉल प्लांट में आग लगी है। घटना के दौरान प्रबंधन के लोग वहां से खिसक गए थे। फायर ब्रिगेड की सात गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। इस घटना में प्लांट में काम कर रहे दो मजदूर झुलसे हैं। इनका उपचार बरेली के एक निजी अस्पताल में चल रहा है।

बॉयलर की कैप करीब चार सौ मीटर दूर गेहूं के खेत में जा गिरी। वहीं इसके टुकड़े इधर-उधर बिखर गए। हादसे के वक्त खेत पर काम कर रहे इस्माइलपुर निवासी किसान कुंभकरण भागते वक्त गिरकर घायल हो गए। बॉयलर के पास काम कर रहे अलीगंज के पांडी गांव निवासी मजदूर आदेश व चंद्रेश झुलस गए। प्लांट में धमाके की सूचना पर आंवला व बरेली से दमकल की सात गाड़ियां, एनडीआरएफ व एसडीआरएफ की टीमें पहुंच गईं। इफको व रेलवे स्टेशन रोड स्थित तेल डिपो की फायर यूनिट ने मौके पर पहुंचकर घंटों मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। घटना के बाद अधिकारियों ने मौके से करीब 100 मीटर दूर बने एथेनॉल भंडारण टैंकों को काफी देर तक पानी डालकर ठंडा कराया। डर था कि आग की गर्माहट से उन टैंकों में भाप बनकर धमाका न हो जाए।

पुलिस, प्रशासन व संबंधित विभागों के अधिकारियों की काफी देर बाद प्लांट के प्रबंधक अमन तिवारी से बात हुई। उन्होंने बताया कि प्लांट का अभी ट्रायल चल रहा है। हमारी टीम ब्लोइंग टेस्ट कर रही थी, तभी यह हादसा हो गया। कारणों की जांच की जा रही है। हालांकि, कुछ मजदूरों ने दबी जुबान बताया कि प्लांट में टेस्टिंग के दौरान कोई एक्सपर्ट मौजूद नहीं था। अगर एक्सपर्ट की मौजूदगी में टेस्टिंग की जाती तो शायद हादसा टल सकता था। एनओसी के बारे में पूछने पर अग्निशमन विभाग के अधिकारी का कहना है कि प्रबंधन से रिकॉर्ड मांगा गया है। जांच के बाद ही एनओसी व वजह के बारे में बता सकते हैं।

वहां मौजूद ठेकेदार ने बताया कि इस प्लांट में मक्के व चावल से एथनॉल तैयार किया जाता है। एथेनॉल अब पेट्रोल के साथ भी मिश्रित करके बेचा जाता है। इस प्लांट की क्षमता चार लाख लीटर की है। प्लांट कर्मियों ने बताया कि अनाज का मिश्रण स्टीम के माध्यम से रस के रूप में फरमेंटर टैंक में जाता है। तकनीक का उपयोग कर टैंक में एथनॉल बनता है। इसी टैंक में धमाका हो गया। किसान कुंभकरण ने बताया कि वह खेत में काम कर रहे थे, तभी अचानक तेज धमाका हुआ। धरती कांपी। उनकी नजर ऊपर गई तो विशालकाय चीज नीचे गिर रही थी। उससे बचने के लिए वह खेत से भाग खड़े हुए। भागते समय वह गिरकर घायल हो गए। बताया कि प्लांट के चारों ओर सैकड़ों बीघा जमीन पर गेंहू की फसल पकी खड़ी है। गनीमत रही कि बॉयलर की कैप खेतों में गिरने के बाद फसलों में आग नहीं लगी, वरना हादसा बड़ा हो सकता था।

संभल की शाही मस्जिद अब जुमा मस्जिद कही जाएगी

संभल, 08 अप्रैल (एजेंसियां)। संभल के विवादित जामा मस्जिद का नाम बदलकर जुमा मस्जिद कर दिया गया है। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) द्वारा वहां बोर्ड भी लगाया जाएगा। एएसआई ने बताया है कि ऐतिहासिक स्थल अब शाही जामा मस्जिद नहीं बल्कि जुमा मस्जिद के नाम से जाना जाएगा। इसके लिए जल्दी ही बोर्ड भी लगेगा। इस विवादित ढांचे का मामले इलाहाबाद हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। कुछ दिन पहले ही हाईकोर्ट ने इसकी रंगाई-पुताई का आदेश दिया था। जिसके बाद मस्जिद कमेटी ने मस्जिद की बाहरी दीवारों पर रंगाई कराई थी।

एएसआई ने इस मस्जिद के संरक्षित स्मारक की पहचान स्पष्ट करने के लिए फैसला किया है। इसके लिए नीले रंग का नया बोर्ड बनकर तैयार भी हो चुका है। जानकारी के अनुसार जल्दी ही एएसआई की टीम विवादित स्थल के बाहर ये बोर्ड लगवा देगी। वहीं एएसआई द्वारा लगाए जा रहे इस बोर्ड के पीछे वजह ये है कि अब इस सम्पत्ति की पहचान हो गई है। नीले रंग के बोर्ड से न केवल औपचारिक पहचान होती है बल्कि आम जनता को भी स्पष्ट संदेश है कि यह इमारत एएसआई के अधीन संरक्षित स्मारक है। अब ऐसे में इस विवादित स्थल की पूरी निगरानी भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा किया जाएगा।

विवादित स्थल के नाम बदलने वाला बोर्ड पुलिस चौकी में रखा गया है। ये वहीं पुलिस चौकी है जो मस्जिद के पास ही बनाई जा रही है। इस बोर्ड में जामा मस्जिद की जगह जुमा मस्जिद बताया गया है। इसके साथ ही इस बोर्ड पर भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण संरक्षित स्मारक, जुमा मस्जिद, संभल। यानी एएसआई भी लिखा हुआ है। संभल विवादित स्थल का मामला तब सामने आया जब बीते साल 19 नवंबर 2024 को हिंदू पक्ष द्वारा संभल के चंदौसी कोर्ट में इस बात का दावा किया गया था कि संभल स्थित शाही जामा मस्जिद दरअसल श्री हरिहर मंदिर है। जिसके बाद मामला बढ़ना शुरू हुआ। मस्जिद का सर्वे होने के दौरान माहौल तनावपूर्ण होता चला गया। धीरे-धीरे मामला बढ़ता चला गया और भारी भीड़ ने पथराव और फायरिंग शुरू की। इसी हिंसा में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि दर्जनों गाड़ियां फूंक दी गई।

किसान नेता समेत बेटे और भाई की गोली मारकर हत्या

फतेहपुर, 08 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के फतेहपुर में मंगलवार की सुबह तिहरी हत्याकांड को अंजाम दिया गया। यहां एक किसान नेता, उनके बेटे और भाई की गोली मारकर हत्या कर दी गई। इस घटना से स्थानीय लोग नाराज हो गए और जमकर हंगामा किया। गुस्साए लोगों ने घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस को शव उठाने से रोक दिया। पुलिस ने नाराज लोगों को समझा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

फतेहपुर के हथगाम थाना क्षेत्र के तहिरापुर चौराहे के पास हत्या की सनसनीखेज वारदात हुई है। हत्याकांड को अंजाम देने के लिए बदमाश हथियारों ने लैस होकर ट्रैक्टर से पहुंचे थे। अपराधियों ने बाइक सवार किसान नेता पप्पू सिंह (50), उनके बेटे अभय सिंह (22) और छोटे भाई रिंकू

सिंह (40) को गोलियों से भून डाला। मृतक किसान नेता की मां रामदुलारी सिंह वर्तमान में ग्राम प्रधान हैं। दिनदहाड़े हुई तीन लोगों की हत्या की खबर गांव में आग की तरह फैल गई। देखते ही देखते मौके पर ग्रामीणों की बड़ी भीड़ इकट्ठा हो गई। सभी कार्रवाई की मांग करते हुए हंगामा करने लगे।

ट्रिपल मर्डर की सूचना पाकर हथगाम के साथ ही हुसेनगंज और सुल्तानपुर घोष थाने की पुलिस फोर्स मौके पर पहुंची और लोगों को समझाने बुझाने में जुट गई। हालांकि, लोगों ने उन्हें शव उठाने से रोक दिया और आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की। उन्होंने कहा कि पहले आरोपियों को गिरफ्तार किया जाए, तब शव उठाने दिया जाएगा। गांव के ही पूर्व प्रधान मुन्नू सिंह और उनके साथियों द्वारा हत्याकांड को अंजाम देने की बात सामने आ रही है। हालांकि, इस संबंध में पुलिस को कोई शिकायत नहीं मिली है। मौके पर पहुंचे पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले में पुलिस त्वरित कार्रवाई करेगी। किसी भी आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा।

किराए के खातों में पहुंच रही थी साइबर ठगी की रकम

यूपी से लेकर बंगाल तक फैले नेटवर्क का पर्दाफाश

बरेली, 08 अप्रैल (एजेंसियां)। बरेली में पुलिस ने साइबर ठगों के गिरोह का पर्दाफाश किया है। यह गिरोह साइबर ठगी की रकम ट्रांसफर कराने के लिए किराये पर बैंक खाते उपलब्ध कराता था। पुलिस ने सात जालसाजों को पकड़ा है। पूछताछ में चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं।

बरेली के इज्जतनगर थाना पुलिस ने साइबर ठगी की रकम ट्रांसफर करने के लिए खाते उपलब्ध कराने वाले गिरोह का खुलासा किया है। सात जालस-ाजों को गिरफ्तार करके उनके पास से काफी सामान बरामद किया है। पूछताछ के बाद उन्हें जेल भेज दिया। इज्जतनगर थाना प्रभारी विजेंद्र सिंह ने बताया कि हाफिजगंज थाना क्षेत्र के गांव परेवा निवासी वीरेंद्र लखनऊ के बुद्ध विहार में रहकर गिरोह चला रहा था। पुलिस ने वीरेंद्र को गिरफ्तार करने के साथ ही उसके साथी थाना नवाबगंज के आदर्श कालोनी भट्ठा मोहल्ला निवासी दीपक कुमार व रोहित कुमार, गांव मुल्लापुर निवासी रिजवान, इज्जतनगर के धौरेरा माफी निवासी अनुज कुमार, पीलीभीत के थाना जहानाबाद के गांव बसंतपुर निवासी जीशान, ललौरीखेड़ा निवासी विजयपाल को भी पकड़ लिया।

इंस्पेक्टर ने बताया कि जालस-ाजों से नौ मोबाइल फोन, दो सिमकार्ड, सात डेबिट कार्ड, सात आधार कार्ड, सात फर्जी आधार कार्ड, एक चेकबुक और सात पर्चियां बरामद की गई हैं। जा-लसाज अपने सरगना वीरेंद्र से कमीशन की रकम लेने के लिए इकट्ठा हुए थे, तभी पुलिस ने उन्हें दबोच लिया। इज्जतनगर थाने में गिरोह के खिलाफ आईटी एक्ट, कूटरचना और धोखाधड़ी के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया है। गिरफ्तार साइबर ठग ग्रामीण क्षेत्रों के हैं। इंस्पेक्टर नीरज सिंह की पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वह ग्रामीणों को लालच देकर उनके नाम से अलग-अलग बैंकों में खाते खुलवाते थे। फिर ग्रामीणों से खाते का डेबिट कार्ड, पासबुक और खाते से लिंक सिम कार्ड ले लेते थे। यह सभी चीजें गिरोह के सदस्य अपने सरगना वीरेंद्र को देते थे।

वीरेंद्र लखनऊ में बैठकर इन्हें कोरियर से कोलकाता में बैठे साइबर ठगों को देता था। वहीं से साइबर ठग इन खातों जरिये ठगी करते व इनमें रकम ट्रांसफर करवाते थे। रकम आने पर ठग रकम निकाल लेते थे और वीरेंद्र को 20 फीसदी कमीशन देते थे। वीरेंद्र इस कमीशन में से दस फीसदी हिस्सा खाते खुलवाने वाले अपने गुर्गों को देता था। गुर्गे मामूली रकम खाताधारक तक पहुंचाते थे।

जब ठग किसी को झांसे में लेकर खाते में रुपए ट्रांसफर कराते हैं तो पीड़ित ऑनलाइन साइबर क्राइम पोर्टल या पुलिस से शिकायत करते हैं। शिकायत के बाद सबसे पहले खाते को ट्रेस किया जाता है। पकड़े जाने के डर से साइबर ठग कमीशन पर या किराये पर खाते लेते हैं। इन खातों का संचालन अपने हाथ में लेकर उनमें ठगी की रकम डलवाते और निकालते हैं। जब पुलिस खातों की जांच करती है तो फंसता वह है जिसका वास्तव में खाता होता है। पिछले दिनों साइबर ठगी के एक मामले में छत्तीसगढ़ पुलिस ने इज्जतनगर क्षेत्र में दबिश दी थी। पुलिस ने महलऊ निवासी साकिब, रहपुरा चौधरी निवासी रिजवान अहमद और सीबीगंज के भिंडौलिया निवासी रिफाकत को गिरफ्तार किया था। तीनों पर डिजिटल अरेस्ट कर ठगी करने का आरोप था। माना जा रहा है कि तभी से इज्जतनगर पुलिस इस गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश में थी, जिसमें सफलता मिल गई। एसपी सिटी मानुष पारीक ने बताया कि सभी सात आरोपी जेल भेज दिए गए हैं। पुलिस गिरोह के अन्य सदस्यों के बारे में जानकारी जुटा रही है। साक्ष्य मिले तो ठग मंडली पर और बड़ी कार्रवाई भी की जा सकती है।

अप्रैल के पहले सप्ताह में हुई एक लाख मीट्रिक टन गेहूं की खरीद

2425 रुपए प्रति क्विंटल की दर से हो रही गेहूं खरीद

लखनऊ, 08 अप्रैल (एजेंसियां)। यूपी में पहली बार अप्रैल के पहले सप्ताह में ही एक लाख मीट्रिक टन से अधिक गेहूं खरीद हुई। इस वर्ष मोबाइल केंद्र के माध्यम से गांवों में जाकर किसानों से गेहूं खरीद सुनिश्चित की गई। अब तक 20409 किसानों से गेहूं खरीद हो चुकी है। वहीं कुल 3.56 लाख से अधिक किसानों ने गेहूं बिक्री के लिए पंजीकरण भी करा लिया है। गेहूं खरीद 15 जून तक चलेगी।

गेहूं की अच्छी ख़रीद हो, इसके लिए कटाई के पहले से ही गांव गांव जाकर किसानों से संपर्क साधा गया और उन्हें सरकारी क्रय केंद्र पर बिक्री के लिए प्रेरित किया गया। पंजीकरण एवं सत्यापन की व्यवस्था में व्यापक

सुधार भी किया गया। खाद्य व रसद विभाग पहली बार मोबाइल क्रय केंद्रों के माध्यम से किसान के खेत तक पहुँचा। एक तरफ़ कटाई चल रही है तो वहीं गेहूं मौके पर तौला जा रहा है। योगी सरकार ने व्यवस्था की कि पंजीकृत किसान सत्यापन के बिना 100 क्विंटल तक गेहूं बेच सकता है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दे रखा है कि किसानों को 48 घंटे के भीतर भुगतान कर दिए जाएं।

गेहूं की बिक्री के लिए पहली मार्च से पंजीकरण प्रारंभ हो चुका है। अब तक प्रदेश के 3.56 लाख से अधिक किसानों ने पंजीकरण करा लिया है। गेहूं की बिक्री के लिए किसानों को खाद्य और रसद विभाग के पोर्टल या विभाग के मोबाइल ऐप पर पंजीकरण-नवीनीकरण कराना अनिवार्य है। विभाग ने किसानों से अनुरोध किया है कि गेहूं को ओसाकर, मिट्टी, कंकड़, धूल आदि को साफ कर अच्छी तरह से सुखाकर ही क्रय केंद्र पर बिक्री के लिए लेकर आएं।

खाद्य व रसद विभाग के मुताबिक क्रय केंद्रों पर गेहूं खरीद प्रतिदिन सुबह 8 से रात्रि 8 बजे तक हो रही है। योगी सरकार ने निर्देश दिया है कि किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो। किसी भी विषम परिस्थितियों के लिए खाद्य व रसद विभाग ने टोल फ्री नंबर 18001800150 जारी किया है। समस्या के समाधान के लिए किसान जिला खाद्य विपणन अधिकारी या तहसील के क्षेत्रीय विपणन अधिकारी या ब्लॉक के विपणन अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं।

केंद्र सरकार ने गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) रबी विपणन वर्ष 2025-26 के लिए 2425 रुपए प्रति क्विंटल निर्धारित किया है। पिछले वर्ष यह मूल्य 2275 रुपए प्रति क्विंटल था। इस बार सरकार ने 150 रुपए प्रति क्विंटल में वृद्धि की है। खाद्य विभाग समेत आठ क्रय एजेंसियों के द्वारा कुल 5780 क्रय केंद्र स्थापित किए गए हैं। खाद्य व रसद विभाग ने गेहूं के मूल्य भुगतान सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली (पीएफएमएस) के माध्यम से सीधे किसानों के आधार लिंक खाते में 48 घंटे के अंदर करने की व्यवस्था बनाई है।

योगी सरकार ने अन्नदाता किसानों के हित के लिए कई बड़े कदम उठाए हैं। योगी सरकार में 2017-18 से 2024-25 के बीच 233.99 लाख मीट्रिक टन गेहूं की खरीद हुई। इस दौरान 49,69,576 किसानों को 43424.44 करोड़ रुपए (साढ़े तीन गुना) भुगतान भी किया गया। वहीं 2012 से 2017 के बीच बिचौलियों का बोलबाला रहा। इस दौरान सरकार महज 94.38 लाख मीट्रिक टन गेहूं खरीद सकी और किसानों को 12,808 करोड़ रुपए का ही भुगतान किया गया

सुजुकी मोटर्स में 500 पदों पर 10वीं पास युवकों की भर्ती होगी

लखनऊ, 08 अप्रैल (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री मिशन रोजगार योजना के तहत उत्तर प्रदेश सरकार लगातार युवाओं को रोजगार के अवसरों से जोड़ने में जुटी है। इसी क्रम में सुजुकी मोटर्स, हंसलपुर (गुजरात) द्वारा 11 अप्रैल 2025 को राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, अलीगंज, लखनऊ में एक दिवसीय कैम्पस ड्राइव का आयोजन किया जा रहा है।

संस्थान के प्रधानाचार्य राज कुमार यादव ने बताया कि इस ड्राइव के माध्यम से चयनित अभ्यर्थियों को 'लर्न एंड अर्न प्रोग्राम' के तहत मासिक 15,067 रुपये मानदेय दिया जाएगा। इसके साथ ही चयनित युवाओं को प्रशिक्षण के उपरांत दो वर्षों का आईटीआई एनसी-वीटी प्रमाणपत्र भी प्रदान किया

जाएगा। प्लेसमेंट अफसर एमए खां ने बताया कि इस कैम्पस ड्राइव में वही अभ्यर्थी भाग ले सकते हैं जिन्होंने हाईस्कूल (अंग्रेजी, गणित व विज्ञान विषयों सहित) न्यूनतम 40% अंकों के साथ पास किया हो। आवेदक की आयु 11 अप्रैल 2025 को 18 से 21 वर्ष के बीच होनी चाहिए। यह अवसर केवल पुरुष अभ्यर्थियों के लिए आरक्षित है।

इच्छुक अभ्यर्थी अपने बायोडाटा, आधार कार्ड, दो पासपोर्ट साइज फोटो तथा समस्त शैक्षिक प्रमाणपत्रों की मूल एवं छायाप्रति के साथ 11 अप्रैल, 2025 को प्रातः 10 बजे राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, अलीगंज, लखनऊ के प्लेसमेंट हॉल में उपस्थित हो सकते हैं।

यह पहल न केवल युवाओं को रोजगार से जोड़ने की दिशा में एक प्रभावी कदम है, बल्कि उन्हें कौशल विकास और औद्योगिक अनुभव का भी अवसर देती है। उत्तर प्रदेश सरकार का लक्ष्य है कि राज्य के अधिक से अधिक युवाओं को स्वावलंबी और प्रशिक्षित बनाया जाए।

29 हजार का आईफोन मिला मात्र 68 रूपए में

पंजाब यूनिवर्सिटी के बीटेक के एक स्टूडेंट निखिल बंसल ने स्नैपडील की वेबसाइट से 29 हजार का आईफोन 5एस गोल्ड सिर्फ 68 रूपए में खरीदा है। इस डील के बारे में निखिल ने बताया कि स्नैपडील की साइट पर आईफोन 5एस गोल्ड 99.7 प्रतिशत की छूट मिल रही थी। मैंने जैसे ही यह ऑफर देखा तुरंत ऑर्डर कर दिया। लेकिन उन्हें इस स्मार्टफोन की डिलिवरी नहीं की गई। कंपनी ने इसके पीछे तर्क दिया कि टेक्निकल प्रॉब्लम की वजह से यह ऑफर दिखाई दे रहा था जिसे कंपनी ने बाद में हटा लिया था। इस बात से गुस्साए निखिल ने उपभोक्ता कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। उन्होंने कोर्ट में बताया कि कंपनी की वेबसाइट पर आईफोन 5एस 99.7 प्रतिशत की छूट के साथ मिल रहा था। साथ ही यह भी दावा किया गया था कि 16 जीबी का यह फोन स्मार्टफोन के सभी दमदार फीचर्स के साथ मिलेगा। वहीं, स्नैपडील ने कोर्ट में टेक्निकल प्रॉब्लम का तर्क रखा जिससे यह ऑफर वेबसाइट पर दिखाई दिया था लेकिन बाद में इसे हटा भी लिया गया था। अच्छी बात यह है कि कोर्ट ने स्नैपडील के तर्क को खारिज करते हुए यह आदेश दिया कि निखिल को यह फोन अब उसी ऑफर के साथ यानी 68 रूपए में उपलब्ध कराया जाए। साथ ही स्नैपडील पर 2000 रूपए का जुर्माना भी ठोंका।

पीला रंग के फल व सब्जियां में सेहत के राज

पपीता, बेल, केला, कद्दू यह सब खुशी के रंग होते हैं। इनमें लाइकोपीन, बिटामिन-ए, सी, पोटेशियम, फलेवोनायड पाया जाता है ये पोषक पदार्थ ब्लडप्रेशर को नियंत्रिता करते हैं। इनके सेवन से कब्ज और गले की जलन से छुटकारा मिलता है। यह आपकी हेल्थ के अलावा बालों में चमक लाते है।

हिचकी रोकने के आसान उपाय

कहते है हिचकी तभी आती है जब कोई आपको दिल से याद करता है, लेकिन ऐसा नहीं है। जी हां हिचकी अचानक से मौसम बदलने, गर्म के बाद कुछ ठंडा खा लेने, सिगरेट पीने से और यहां तक कि ज्यादा चिंता करने तक से हिचकी आती है। जब भी हमें हिचकी आती हम कुछ देर के लिए परेशान हो जाते हैं। तो आज हम आपको बताने वाले हैं कुछ ऐसे ही आसान उपाय जिससे कुछ सेकेंड्स में ही हिचकी बंद की जा सकती है।

एक गिलास ठंडा पानी

ऐसा माना जाता है कि हिचकी आने पर तुरंत ठंडा पानी पिया जाए तो यह रुक जाती है। कुछ लोग का कहना है कि पानी पीते समय आपको अपनी नाक भी बंद करनी चाहिए।

एक चम्मच शहद

हिचकी को रोकने में शहद भी है फायदेमंद। हिचकी आने पर एक चम्मच शहद खाना फायदेमंद रहता है, अचानक से शरीर को मिलने वाली शहद की मिठास नर्व्स को संतुलित करती है।

कुछ पल के लिए सांस रोकें

जानकारों का मानना है कि, हिचकी आए तो अपनी सांसों को कुछ पल के लिए रोक लेना चाहिए। यह बहुत ही पुराना नुस्खा है और इससे हिचकी रोकने में मदद भी खूब मिलती है।

पीनट बटर खाएं

बताया जाता है कि पीनट बटर खाने से भी हिचकी दूर होती है। जब यह आपके दांत और जीभ से होते हुए खाने की नली में उतरता है तो इससे सांस लेने की क्रिया भी प्रभावित होती है और यह हिचकी रोकती है।

उंगलियों को मुंह में डालें

ये तरीका थोड़ा अजीब जरूर है लेकिन अगर बहुत ही ध्यान से अपनी उंगली को मुंह में ले जाने से भी हिचकी रोकने में मदद मिलती है। ध्यान रहे जल्दबाजी में ऐसा करने से आपको खासी आ सकती है।

गर्दन पर आइस बैग

हिचकी आने पर गर्दन पर आइस बैग या ठंडे पानी में भीगा कपड़ा रखने से भी मदद मिलती है।

भारतीय मसालों में जो बात होती है वो किसी अन्य मसालों में नहीं होती, भारतीय मसाले न सिर्फ खाने को स्वादिष्ट बनाते है बल्कि बिमारियों से भी दूर रखते है और आपके स्वाद से लेकर सौंदर्य तक का पूर्ण ख्याल रखते है, क्या आप जानते है की डेली इस्तेमाल में आने वाले मसालें हमारे लिए कितने फायदेमंद होते है।

स्वाद संग सौंदर्य भी बढ़ाएं भारतीय मसाले

हींग

हेल्थ बेनिफिट्स

हींग के बिना दाल जैसे धागे के बिना सुई जी हां हींग के बगैर खाने में स्वाद नहीं आता, हींग का तड़का देने से खाना पौष्टिक व स्वादिष्ट बनता है। हींग हेल्थ बेनिफिट्स में भी अन्य तरीकों से काम आती है, कफ व पेट दर्द में आराम मिलता है, दांत दर्द होने पर गाल के बहरी हिस्से पर हींग का लेप लगाने से दर्द कम हो जाता है। नवजात शिशु को पेट दर्द होने पर नाभि के आसपास इसका लेप लगाने से बच्चे के पेट का दर्द दूर हो जाता है।

ब्यूटी बेनिफिट्स

हींग को गुलाबजल और मुल्तानी मिटटी में मिलाकर लगाने से झुर्रियां और चेहरे की बारीक लकीरे खत्म हो जाती है, इस फेस पैक को 15 मिनट तक लगाएं और फिर पानी से धो दें। हींग को कई अन्य तरीकों से भी इस्तेमाल किया जाता है जैसे टमाटर के गूदे में थोड़ी सी चीनी और हींग मिलाकर चेहरे पर लगाने से रंग निखरता है।

दालचीनी

हेल्थ बेनिफिट्स

दालचीनी का सबसे ज्यादा फायदा बी पी के पेशेंट को होता है, बी पी कम होने पर दालचीनी की छोटी टुकड़ी मुह में रखने से आराम मिलता है, जानकारी के लिए बता दें की दालचीनी में इंफ्लेमेटरी गुण होते है, चोट लगने पर इसका लेप लगाने से आराम मिलता है, इसका सेवन करने से ब्लड कोलेस्ट्रोल भी कम होता है, रोज सुबह खाली पेट एक टी स्पून दालचीनी पाउडर में शहद मिलाकर गुनगुने पानी के साथ लेने से फायदा होता है।

ब्यूटी बेनिफिट्स

दालचीनी खूबसूरती को निखारने में काफी फायदेमंद मानी जाती है, इसके एंटी बैक्टीरियल तत्त्व ब्लड सर्कुलेशन को इम्फ्रूव करने में मदद करते है। ये पिम्पल्स के लिए फायदेमंद है, दालचीनी का पेस्ट बनाकर पिम्पल्स वाली जगह पर लगाएं, आप चाहे तो पूरे चेहरे पर लगा सकती है, इससे मुरझाई त्वचा खिल उठेगी।

धनिया

हेल्थ बेनिफिट

धनिया न सिर्फ खाने के काम ही नही आती है, यह गले के दर्द, एलर्जी, तेज बुखार व पाचन संबंधी समस्याएं दूर करती है। गर्मियों में पिसी मिश्री के साथ धनिया खाने से शरीर ठंडा रहता है।

ब्यूटी बेनिफिट्स

धनिया के बीज को रातभर पानी में भिगोकर रखें, सुबह उस पानी को ऑय ड्राप की तरह इस्तेमाल करें, ये न सिर्फ आंखों को क्लीन करेगा बल्कि ठंडक का एहसास भी देगा, इसका कूलिंग इफेक्ट आंखों को ब्राइट, शाइनी और साफ रखता है।

राई

हेल्थ बेनिफिट्स

राई शरीर को स्वस्थ रखने और बिमारियों से लड़ने में काफी सहायक होती है, खासकर सर्दियों में रोज राई का सेवन करने से सर्दी व जमे हुए बलगम से निजात पा सकते है।

ब्यूटी बेनिफिट्स

राई नेचुरल सुंदरता के तौर पर भी काम करती है, राई नेचुरल स्क्रब का काम करती है, इसे लेवेंडर या रोज आयल में मिक्स करके लगाएं, एलोवेरा जेल में सरसों मिलाकर लगाने से त्वचा हाइड्रेट रहती है व राई का तेल बालों को भी मजबूत बनता है।

कम समय में एक्टिव रहने के उपाय

ऑफिस में थकान दूर कर रहें फिट

सुबह की भागदौड़ और लंबे वर्किंग आवर्स की वजह से ऑफिस जाने वाले लोगों में अक्सर थकान, कमजोरी, नर्वस ब्रेकडाउन, बॉडी पेन की शिकायतें मिलती हैं।

सुबह ऑफिस जाने की जल्दी में न तो ठीक से नाश्ता होता है और न ही एक्सरसाइज। इस वजह से सुबह उठकर भी हम फ्रेश महसूस नहीं करते हैं। स मय की कमी की वजह से ये सब होता है। इसलिए हम आपको बता रहे हैं 5 ऐसे ट्रिक्स। इसकी मदद से आप ऑफिस में सुबह से लेकर शाम तक रह सकते हैं फ्रेश और एक्टिव।

स्ट्रेचिंग

लंबे वक्त तक लैपटॉप और कंप्यूटर पर काम करने की वजह से शरीर और आंखों में दर्द होता है। इससे निजात पाने के लिए स्ट्रेचिंग एक बेहतर उपाय है। इसके लिए आप अपनी सीट से कुछ देर के लिए उठिए। दोनों हाथों को ऊपर उठाकर स्ट्रेच करिए। हाथों की अंगुलियों को घुमाएं। इस सब से मांस-पेशियों में खिंचाव आएगा और खून का बहाव भी सामान्य होगा।

तनाव को रखें दूर

ऑफिस में काम को लेकर तनाव होना आम बात है। अच्छा है कि 2-3 घंटों तक लागातार काम करने के बाद कुछ देर के लिए रेस्ट लें। दिमाग को डायवर्ट कर रिलैक्स मोड पर डाल दें।

मील

दिन में एक बार जमकर खाने से बेहतर है कि हर दो घंटों में एक कंप्लीट मील लें। इसके लिए जरूरी है कि आपकी हर मील पोषक तत्वों से भरी होनी चाहिए। इस मील में फ्रूट्स, वेजिटेबल्स, चना, पोहा खाना चाहिए। यह हेल्दी होने के साथ ही आसानी से पच भी जाता है। पोषक तत्वों से भरी ये मील आपको एनर्जेटिक भी रखेगी।

आंखों को करें रिलैक्स

ज्यादा देर तक कंप्यूटर पर टकटकी लगाकर न देखें। हर एक घंटे में थोड़ी देर के लिए आखों को बंद कर लें। इससे आंखों पर लगातार पड़ रहे दबाव से मुक्ति मिलेगी। आंखें रिलैक्स होंगी। 30 सेकन्ड के लिए पलकों को बार-बार बंद करें और खोलें। यह आंखों की अच्छी एक्सरसाइज है।

वाकिंग

दिनभर कुर्सी पर बैठे रहना सेहत के लिए बहुत खराब हो सकता है। इससे पेट पर फैट बढ़ने के साथ ही बैकबोन संबंधी बीमारी की शिकायत भी हो सकती है। बेहतर है कि कुर्सी से उठकर बीच-बीच में 5-10 मिनट की वॉक लेते रहें।

वैलनैस इंडस्ट्री में कॅरियर को बनाएं बेहतर

वैलनैस इंडस्ट्री के तहत विभिन्न तंदुरुस्ती तथा सौंदर्य सेवाएं आती हैं, जिनका आनंद कोई व्यक्ति किसी सैलून अथवा केंद्र में उठा सकता है। पहले यह एक असंगठित उद्योग था, लेकिन अब देश के सकल घरेलू उत्पाद यानि देश की आय में इसका योगदान महत्वपूर्ण है। एक अध्ययन के अनुसार देश में वैलनैस इंडस्ट्री के इस वर्ष के अंत तक 1 लाख करोड़ रुपए का कारोबार करने का अनुमान है। इसमें आपके लिए बेहतर कॅरियर के विकल्प मौजूद हैं।

प्रशिक्षण संस्थान...

हाल के वर्षों में वैलनैस इंडस्ट्री में कॅरियर बनाने का प्रशिक्षण देने वाले देश में कई संस्थान खुले हैं। ये संस्थान वैलनैस के क्षेत्र में ट्रेनिंग व एजुकेशन प्रदान कर रहे हैं। मंत्रा इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ एंड फिटनेस मैनेजमेंट, ओरिएंट स्पा इंस्टीट्यूट, एनएसएचएम उड़ान स्किल्स फाऊंडेशन जैसे कुछ संस्थान अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रोग्राम्स तथा कोर्सेज करवा रहे हैं। ग्लोबल इंडियन ब्यूटी एक्स्पो 2014 आदि इसी का उदाहरण है। देश में वैलनैस इंडस्ट्री में उज्ज्वल भविष्य बनाने की अपार संभावनाएं हैं।

स्वरोजगार के भी अच्छे मौके...

यह भी अच्छी बात है कि जो लोग इस सेक्टर में स्वरोजगार शुरू करना चाहते हैं उन्हें भी वैलनैस से जुड़ी यूनिट्स खोलने के लिए आरंभ में ही अधिक धनराशि की जरूरत नहीं होती तथा न ही अधिक लोगों की जरूरत पड़ती है। इसलिए हम कह सकते हैं कि इस क्षेत्र में आपके लिए बेहरत कॅरियर विकल्प मौजूद है।

अपार संभावनाएं...

भारत आयुर्वेदिक ट्रीटमेंट्स तथा योगा के लिए एक ग्लोबल सेंटर बनता जा रहा है। हर्बल कॉस्मैटिक्स सेक्टर भी भारतीय वैल्नेस इंडस्ट्री में अपनी जगह पक्की करता जा रहा है। अनुमान है कि इसमें 7 प्रतिशत की दर से विकास होगा, क्योंकि अधिक से अधिक लोग रासायनिक उत्पादों को छोड़कर जैविक उत्पादों की तरफ आकर्षित हो रहे हैं। हेल्थ ड्रिंक्स के रूप में न्यूट्रास्यूटिकल्स, स्लिमिंग टी, डाइटरी सप्लीमेंट्स आदि का सेवन भी कई गुणा बढ़ रहा है। इस सेग्मेंट के भी वर्ष 2016 तक बढ़कर 3212.6 मिलियन अमेरिकी डॉलर होने की अपेक्षा है। वहीं ग्लोबल वैलनैस टूरिज्म सेग्मेंट के भी आम पर्यटन की अपेक्षा 50 प्रतिशत तेजी के साथ बढ़ने की संभावना है।

रेसिपी

वेज मंचूरियन

सामग्री

100 ग्राम गाजर, 100 ग्राम फूलगोभी, 100 ग्राम पता गोभी, 50 ग्राम शिमला मिर्च, 2 हरी मिर्च, हरा धनिया, 200 ग्राम कॉर्न फ्लार, 1 टे.स्पून चिली सॉस, 1 टी स्पून सोया सॉस, 1 टे.स्पून टमैटो सॉस, स्वादानुसार नमक, लाल मिर्च, गर्म मसाला, पिसा हुआ धनिया, तलने के लिए तेल

विधि

सारी सब्जियों को बारीक-2 काट लें या फिर कद्दूकस कर लें। अब उन सब सब्जियों में कॉर्न फ्लार डालकर अच्छी तरह मिलाया दें। इस मिश्रण में अपने स्वादा के अनुसार नमक, गर्म मसाला और एक हरी मिर्च बारीक काट कर मिला लें। अब इस मिश्रण से कोफ्ते तैयार कर लें। फिर कड़ाही में तेल डाल कर गरम तेल में कोफ्तों को अच्छी तरह ब्राउन तल लें। ग्रेवी बनाने के लिए कड़ाही में तेल डाल कर गर्म कर लें। जब तेल अच्छी तरह गर्म हो जाए तो उसमें प्याज डाल कर ब्राउन होने तक भूनतो रहे। जब वह अच्छी तरह ब्राउन हो जाएं तो इसमे नमक, गर्म मसाला, लाल मिर्च, सूखा धनिया सब मसाले डालकर अच्छी तरह से मिलाएं और उसमें हल्का सा पानी डालें। जब मसाला तेल छोड़ने लगे तो उसमें कोफ्ते डाल कर सोया सॉस, चिली सॉस और टॉमेटो सॉस डालकर मिक्स करें। अब वेज मंचूरियन को बारीक कटे हरे धनिये से सजाकर गर्मागर्म परोसें।

पंजाबी पिंडी चना

साम्रगी

एक कप काबुली चना, एक चम्मच अदरक का पेस्ट, आधा चम्मच का पेस्ट, दो प्याज पिसे हुए, दो हरी मिर्च पिसी हुई, दो से तीन टमाटर (प्यूरी तैयार करें), दो बड़ी इलायची, बड़ा टुकड़ा दालचीन, थोड़ा कूटा हुआ, आधा छोटा चम्मच बेकिंग सोडा (खाने वाला सोडा), दो चम्मच चाय पत्ती, एक चम्मच धनिया पाउडर, एक चम्मच छोला मसाला, एक चम्मच गरम मसाला, एक चम्मच लाल मिर्च पाउडर, स्वादानुसार नमक, तेल

विधि

एक कूकर में पानी के साथ काबुली चना डालें। उसमें चाय पत्ती वाली पोटली, बेकिंग सोडा (चाहें तो) और एक छोटा चम्मच नमक मिलाकर, कूकर का ढक्कन लगाएं और गैस पर तेज आंच में चने उबलने के लिए रख दें। कूकर की एक सीटी आने के बाद आंच मध्यम कर दें। 3-4 सीटी आने के बाद गैस बंद कर दें। कूकर का ढक्कन खोलें और सबसे पहले चने से चाय पत्ती की पोटली निकाल दें अब एक बड़े चम्मच से चनो को थोड़ा मैश करते हुए चलाएं। इसके बाद गैस पर एक कड़ाही में तेल गर्म करें। अब इसमें अदरक, लहसुन, हरी मिर्च और प्याज का पेस्ट डालकर मध्यम आंच पर फ्राई करें। जब पेस्ट का रंग सुनहरा हो जाए और वह बड़ी चम्मच से चलाते समय कड़ाही में चिपकने लगे तब इसमें टमाटर की प्यूरी डालकर 5 मिनट तक पकाएं। अब ग्रेवी में धनिया पाउडर, गरम मसाला, लाल मिर्च पाउडर, छोला मसाला और नमक मिलाकर एक मिनट तक पकने दें। अब उबले चने पानी के साथ ग्रेवी में डालकर बड़ी चम्मच से चलाते हुए मिलाएं। मध्यम आंच पर सब्जी को 15 से 17 मिनट तक पकाएं। जब ग्रेवी और चने अच्छी तरह मिक्स होकर, थोड़े गाढ़े हो जाएं तो गैस बंद कर दें। मसालेदार लजीज पिंडी चना तैयार है।

संपादकीय

बेहतर सेहत की ओर

स्वास्थ्य के प्रति औसत आदमी ज्यादा सचेत हुआ है, लगातार शोध एवं विकास से दवाएं बेहतर हुई हैं और अस्पताल तथा डॉक्टर तक पहुंच अपेक्षाकृत आसान हुई है। नतीजतन 2019 तक मौजूदा सदी में इनसान की उम्र औसतन 6 साल बढ़ी है। वैश्विक स्तर पर 73 साल की औसत उम्र तक आम आदमी जिंदा रह सकता है, जबकि भारत में यह सरकारी आंकड़ा औसतन 67 साल है। अलबत्ता चिकित्सकों के आकलन है कि यदि समयबद्ध तरीके से दवाइयां ली जाएं, परहेज किए जाएं, निरंतर टहलना-योग आदि किए जाएं और पोषण-व्यवस्था बेहतर हो, तो आम आदमी 80-85 साल की जिंदगी आसानी से जी सकता है। चलता-फिरता रह सकता है। यकीनन स्वास्थ्य के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित किए गए हैं, क्रांतिकारी प्रयोग किए गए हैं। कोरोना जैसी वैश्विक महामारी को 'अपवाद' के तौर पर छोड़ा जा सकता है। वैज्ञानिकों ने कोरोना के इंजेक्शन भी बना लिए हैं, बेशक उन पर कुछ विवाद भी हैं, लेकिन उन्होंने आम आदमी को नए प्राण दिए हैं। 'विश्व स्वास्थ्य दिवस' पर विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कई निर्देश जारी किए हैं और स्वास्थ्य संबंधी अंतरराष्ट्रीय सुधार-स्थितियों के भी खुलासे किए हैं। बेशक भारत में मातृ और शिशु मृत्यु दर लगातार घटती जा रही है। वर्ष 2000 से हमारे देश में 5 साल से कम उम्र के बच्चों की मृत्यु-दर में करीब 70 फीसदी की कमी आई है। नवजात शिशु की मृत्यु-दर में भी करीब 61 फीसदी की कमी आई है। बेशक ये शानदार आंकड़े हैं, जो हमारी स्वास्थ्य-सफलताओं की कहानी कह रहे हैं। वर्ष 2000 में मातृ मृत्यु की संख्या 384 थी, जबकि 2020 में यह घट कर 103 रह गई। उसके बाद मातृ मृत्यु दर में और भी कमी आई होगी। बेशक भारत में मातृ मृत्यु-दर और नवजात बच्चों की मौत का औसत भी कम हुआ है, लेकिन आज भी करीब 25,000 मांओं की मौत हर साल हो रही है। हर साल प्रसव संबंधी जटिलताओं के कारण भी करीब 3 लाख महिलाओं की मौत हो रही है, जबकि 20 लाख से अधिक बच्चे जीवन के प्रथम माह में ही दम तोड़ देते हैं। ये भयानक आंकड़े हैं। मौत के कारण कुछ भी हो सकते हैं, लेकिन विश्व स्वास्थ्य संगठन का मानना है कि यदि उन्हें बेहतर इलाज मिले और समय पर महिला या शिशु डॉक्टर तक पहुंचाया जा सके, तो ये मौतें भी काफी कम हो सकती हैं। 'विश्व स्वास्थ्य दिवस' का थीम रखा गया है-'स्वस्थ शुरुआत, आशावादी भविष्य।' साफ मकसद है कि मां और नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य और उनकी जिंदगी को बेहतर बनाना। 2030 तक मातृ मृत्यु-दर में सुधार के लक्ष्य से फिलहाल हर 5 में से 4 देश बहुत दूर हैं, जबकि 3 में से 1 देश नवजातों की मौतों को कम करने का लक्ष्य हासिल नहीं कर पाएगा। 'राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान' का एक अनुमान सामने आया है कि बीते दो दशकों के दौरान प्रजनन संबंधी पेचीदगियों के कारण करीब 13 लाख महिलाओं की मौत हुई। वाकई ऐसे आंकड़े चिंतित करने वाले हैं। बहरहाल विश्व स्वास्थ्य दिवस ने जो थीम तय किया है, उसके मद्देनजर एक साल तक अभियान चलाया जाएगा। यह अभियान सरकारों और चिकित्सा-समाज से उम्मीद करेगा कि वे मातृ और नवजात को बचाने के लिए अपने प्रयासों में तेजी लाएं। महिलाओं के दीर्घकालिक स्वास्थ्य और कल्याण को प्राथमिकता दें। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि मांओं की सेहत को दुरुस्त कर लिया गया, तो दुनिया भर में स्वास्थ्य को लेकर कायाकल्प किया जा सकता है। भारत में स्वास्थ्य को लेकर कई सवाल हैं। पहला सवाल तो बजट को लेकर है। अमरीका जैसे देश स्वास्थ्य पर जितना बजट खर्च करते हैं, उनकी तुलना में भारत नगण्य है। स्वास्थ्य-बीमा पूरी तरह गोरखधंधा और जालसाजी है। कंपनियां बीमार होने पर पैसा जारी करने को आसानी से तैयार नहीं होतीं। सरकार की 'आयुष्मान योजना' का भी अपना चक्रव्यूह है। उसका कार्ड प्राप्त करना भी आसान नहीं है और उसका लाभ भी ऑपरेशन होने पर ही मिलता है, आम बीमारी में नहीं।

> वैश्विक स्तर पर 73 साल की औसत उम्र तक आम आदमी जिंदा रह सकता है, जबकि भारत में यह सरकारी आंकड़ा औसतन 67 साल है। अलबत्ता चिकित्सकों के आकलन है कि यदि समयबद्ध तरीके से दवाइयां ली जाएं, परहेज किए जाएं, निरंतर टहलना-योग आदि किए जाएं और पोषण-व्यवस्था बेहतर हो, तो आम आदमी 80-85 साल की जिंदगी आसानी से जी सकता है। चलता-फिरता रह सकता है। यकीनन स्वास्थ्य के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित किए गए हैं, क्रांतिकारी प्रयोग किए गए हैं। कोरोना जैसी वैश्विक महामारी को 'अपवाद' के तौर पर छोड़ा जा सकता है। वैज्ञानिकों ने कोरोना के इंजेक्शन भी बना लिए हैं, बेशक उन पर कुछ विवाद भी हैं, लेकिन उन्होंने आम आदमी को नए प्राण दिए हैं। 'विश्व स्वास्थ्य दिवस' पर विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कई निर्देश जारी किए हैं और स्वास्थ्य संबंधी अंतरराष्ट्रीय सुधार-स्थितियों के भी खुलासे किए हैं। बेशक भारत में मातृ और शिशु मृत्यु दर लगातार घटती जा रही है।

चाणक्य व विधुर सा नीतिज्ञ समझ मेड इन पत्रकारों के लेबल उछालते हुये मस्त है

गूगल गुरु के कचरा ज्ञान से पैदा होते सम्पूर्णानन्द पत्रकार?

आत्माराम यादव

> आजकल यू-ट्यूबर- व्हाट्सअप, इस्ट्राग्राम कुटुंबएप, फ़ेसबूक आदि पर विशेष प्रकार की वाहियात अक़्लमंद ज्ञानी बेशर्मियों की कब्जेवाली मीडिया खरपतवार गाजरघाँस की तरह फ़ेल चुकी है, इससे बचने के सारे उपाय असफल है। जिसने कभी कागज कलम छुआ नहीं वही गूगल गुरु की प्रेरणा से गीतकार, साहित्यकार ओर पत्रकार बन गया है ओर खुद को किसी बड़े उस्ताद से कम नहीं आँककर बिंदास खबरे लिखते समय सामने वाले को गधा समझता है, इन नामुराद लंगड़ी-लूली,अंधी-बहरी कार्टूननुमा अवसरवादी मीडिया ने पूरे भारत को अपनी चपेट में ले लिया है, अगर आपका शहर, गाँव उसकी चपेट में नहीं आया है तो आप किस्मतवाले है? पर आपकी बात पर कोई विश्वास नहीं करेगा की आप किस्मतवाले है

जहां सबेरा है, वही बसेरा है ओर बसनेवाले कई किस्म के है। आजकल यू-ट्यूबर-व्हाट्सअप, इस्ट्राग्राम कुटुंबएप, फ़ेसबूक आदि पर विशेष प्रकार की वाहियात अक्लमंद ज्ञानी बेशर्मियों की कब्जेवाली मीडिया खरपतवार गाजरघाँस की तरह फ़ेल चुकी है, इससे बचने के सारे उपाय असफल है। जिसने कभी कागज कलम छुआ नहीं वही गूगल गुरु की प्रेरणा से गीतकार, साहित्यकार ओर पत्रकार बन गया है ओर खुद को किसी बड़े उस्ताद से कम नहीं आँककर बिंदास खबरे लिखते समय सामने वाले को गधा समझता है, इन नामुराद लंगड़ी-लूली,अंधी-बहरी कार्टूननुमा अवसरवादी मीडिया ने पूरे भारत को अपनी चपेट में ले लिया है, अगर आपका शहर, गाँव उसकी चपेट में नहीं आया है तो आप किस्मतवाले है? पर आपकी बात पर कोई विश्वास नहीं करेगा की आप किस्मतवाले है, क्योंकि यह बीमारी कोरोना से ज्यादा घातक है, अगर आपने सोसल डिस्टेन्स कायम रखने के लिए मोबाइल ओर एलेक्ट्रानिक उपकरणों से दूरी बनायी है तो बात अटपटी होने से किसी के गले नहीं उतरेगी क्योंकि हर गरीब भिखारी से लेकर अमीर आदमी मोबाइल का दीवाना है ओर आज हर घर में 2 साल की उम्र के बच्चे से लेकर मृत्युशैया पर लेटा 100 साल का बूढ़ा व्यकित भी मोबाइल की स्क्रीन में चौबीसों घंटे मुंह गढ़ाए बैठा है। इसी से यह बात प्रमाणित हो चुकी है की करोड़ों मोबाइल में दस प्रतिशत लोग अक्लमंदी के शिकार है ओर उनके दिमाग में भरा कचरा किसी सनसनीखेज समाचार, रपट या ज्ञानवर्धक लेख से कम नहीं इसलिए वह मीडिया बेशर्मी से समाज के सामने अपना कचराज्ञान बाँटकर अपनेआप को बुद्धिमान साबित करने की होड में लगा है। वे सभी जानते है की न तो उनके माता के कुलवंश मे ओर न ही उनके पिता के कुलवंश में किसी ने कभी कोई नाम किया है फिर भी वे अपने को चाणक्य व विधुर सा नीतिज्ञ समझ मेड इन पत्रकारों के लेबल उछालते हुये मस्त है। एक समय फाउंटेन पेन पत्रकारों की शान था आज सारे पेन गुमनामी के अंधेरे में खो गए है। मीडिया में बहती गंगा में हाथ धोने की प्रतिस्पर्धा लगी है तभी इस दौड़ में हरेक अवसर पाना चाहता है। अधिकांश वे लोग जो शार्ट कट से धन कमाने के लिए कुछ भी करने को तैयार हो जाते है वे अपनी सारी कड़वाहट पचाकर मीडिया ज्वाइन आर रहा है

, इसलिए यह स्वार्थपरक युग उनका युग हो गया है जो हर अवसर को भुनाना चाहता है । विशेषकर मेरा शहर व तथाकथित पत्रकारों की एक बड़ी जमात तैयार हो चुकी है और इस जमात में इनकी संख्या में दिनोंदिन इजाफा हो रहा है, जो जनता का शोषण ओर प्रशासनिक अधिकारियों पर निगरानी रख सफेदपोशों के साथ गढ़बंधन कर बड़ी परेशानी का कारण बनते जा रही है। एक ओर मुख्यधारा के रूप में माने जाने वाले ईलेक्ट्रानिक चैनल है तो दूसरी ओर प्रिंट मीडिया संस्थानों में कार्य करने वाले कठपुतली कामगार पत्रकारों की सिंगल बेनरों को कंधे पर उठाए आसानी से मैनेज हो जाने वाले पत्रकार जो एकला चलो की नीति पर अकेले सुनी सड़कों पर चलते ओर भीड़ के सामने बिजली सा कड़कते ,बिस्फोट सा फूटते ओर भैंसा सा गर्राते दिखेंगे ओर सांड को देखकर मिमियाते मिलेंगे। कट केमरा एक्शन का उपयोग करने वाले टीवी चैनलों के नए एंकर दिखने में शर्माने-लजाने वाले होंगे ओर सबको निबाहने वाले होते है जबकि थोड़ा सा पुराने हुये एंकर जानीवाकर के साथ भयंकर दिखाई देते है जो विलायती नस्ल की झबरीली कुतिया को पाकर प्रसन्न उसी में रमे रहते है ओर जब वह टाँगे पसारती है तो उस समय वे फिल्मी पंचम गीतों को बेसुरा गाते-सहलाते अपनी अंगुलिया फेरते खुश होते है ओर कुतिया भी अपने को धन्य समझती निहाल हो उठती है, कुतिया पपी को मिलने वाले इस आदर सत्कार से भले एंकर की घरवाली नाराज हो पर सुबह शाम झबरीली पपी को घुमाते समय के चर्चे आफ़िसों में होते है ओर पपी की तारीफ़ों के पुल बांधते एंकर साहब घर बैठे लिफाफा ओर गिफ्ट पाते है ओर अन्य एंकर-संवाददाताओं के गिफ़्टों का ठेका लेकर उनके लिफाफे ओर गिफ्ट भी हजम कर जाते है। आप सोच रहे होंगे की अब जीवनरस में क्या शेष या विशेष रह गया है जिसे व्यक्त किया जाये। अभी तक की बाते सही मायने में पत्रकार या मीडियाकर्मियों की थी जो आपको दिल को तर-तर करती सुपथ मार्ग की प्रतीत होती होंगी ओर उसमें बेशर्म जैसी कोई बात नही होगी, यदि हुई है तो उस बेशरम मीडिया की बात आनी चाहिए बात उनकी है जो अपने पैरों पर कभी भी खड़े नही हो सकते, ओर न ही चल सकते है तो फिर बिना चले तरक्की कैसे करेंगे, ऊपर उठने-बड़ने के लिए नसेनी या सीढ़िया तो चढ़नी ही होगी? कितनी भी तिकड़म लगाओं? कितनी भी कोशिश करो? कितनी भी चतुराई दिखाओं? बिना टांग उठाए ये सारी चतुराई व्यर्थ ही है ? टांग नही उठा सकते हो तो हाथ ही उठा ले, हाथ में मुसलचंद मोबाइल को पकड़ ले, मोबाइल उठाते ही मूर्ख से भी मूर्ख मतिमंद भी चार्ज हो उठता है ओर वे ज्ञानचंद बुद्धिप्रकाश बन जाते है। इस प्रकार तमाम मूर्खचंद मीडियाकर्मी विध्यासागर हो जाते है ओर ये सभी गूगलगुरु की कृपा का प्रसाद पाकर खुदकों पत्रकार सम्पूर्णानन्द मान व्हाट्सअप, फ़ेसबूक,यू-ट्यूबर पर अपनी खबरों-सूचनाओं का महाजाल बुनकर एक बात के छह छह अर्थ बताकर उलझी बातों को सुलझाने ओर सुलझी बालों को उलझाकर अपनी मूर्खता के पट खोलते है ओर समझते है की पाठकों के दिमाग उनकी कलम के इस मूर्खज्ञान ने गिरवी रख लिए है। इन तथाकथित पत्रकारों के इस गूगलगुरु स्वरूपा भानुमती के पिटारा ज्ञान के खोफ से घबराय लोग तत्काल उनके खिलाफ आई सूचनाओं- खबरों के प्रकाशन ओर प्रसारण न किए जाने हेतु संधि कर सुख पाते है। ये सारे लोग अपने को हद दर्जे का ईमानदार बतलाकार संस्पेंश पैदा करते है इनमें सबसे बड़ा भ्रष्ट खाऊ होता है वह कमीशन तय कर मैनेज करने का काम करता है। वह इनके कम बोलने पर इन्हे बेईमानी के तराजू में तोलते समय बोली ज्यादा लगाकर इन्हे कृतकृत कर देता है ओर अपना नंबर आने पर ये ही दो कोडी के लंगू भंगु अपने को कम तोलते है, कम नापते है,कुल मिलाकर ये अपने को ईमानदार बिकाऊ न होना बताकर बाजार में खुलेआम नीलाम कर एक इंसान होने का दर्जा छोड़ मात्र एक बिकाऊ सामग्री में शामिल हो जाते है।

दृष्टि कोण

सरकारी स्कूलों में आधारभूत सुधारों की दिशा

हिमाचल प्रदेश सरकार ने सरकारी स्कूलों को आधुनिक बनाने और शिक्षा के स्तर को ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए कई महत्वपूर्ण सुधार किए हैं। इन सुधारों का उद्देश्य विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना और उन्हें वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करना है। सरकार की प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि सभी विद्यार्थियों को समुचित सुविधाएं मिलें और वे शिक्षा के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित कर सकें। आधारभूत संरचना को सुदृढ़ किया जा रहा है, जिसमें स्कूल भवनों का नवीनीकरण, स्वच्छ पेयजल, शौचालय, पुस्तकालय, खेल के मैदान, स्मार्ट क्लासरूम और प्रयोगशालाओं का विस्तार शामिल है। सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि प्रत्येक विद्यार्थी को उचित बैठने की व्यवस्था मिले और वे एक स्वच्छ तथा सुरक्षित वातावरण में पढ़ाई कर सकें। शिक्षा प्रणाली को डिजिटल रूप में बदलने के लिए आईसीटी लैब और स्मार्ट क्लासरूम की स्थापना की जा रही है, जिससे छात्र डिजिटल माध्यमों से शिक्षा ग्रहण कर सकें। डिजिटल शिक्षा के माध्यम से छात्रों को विषयों को गहराई से समझने में मदद मिल रही है, साथ ही ऑनलाइन संसाधनों तक उनकी पहुंच को भी सुनिश्चित किया जा रहा है। सरकार योग्य और प्रशिक्षित शिक्षकों की नियुक्ति सुनिश्चित कर रही है, शिक्षकों के स्थानांतरण को सुव्यवस्थित किया जा रहा है और एक केंद्रीकृत शिक्षा मॉनिटरिंग प्रणाली विकसित की गई है। इस नई व्यवस्था के तहत प्रत्येक विद्यालय की गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है, जिससे शिक्षा व्यवस्था को अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनाया जा सके। प्रदेश सरकार स्कूलों में प्रशासनिक सुधार भी कर रही है, जिससे छुट्टियों की सुनियोजित व्यवस्था, एकीकृत निदेशालय की स्थापना और शिक्षकों के प्रशिक्षण में व्यापक बदलाव हो रहे हैं। प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सरल और त्वरित बनाया जा रहा है ताकि शिक्षक और विद्यार्थी शिक्षा पर अधिक ध्यान केंद्रित कर सकें। अंग्रेजी माध्यम को बढ़ावा देने के लिए कई सरकारी स्कूलों को अंग्रेजी माध्यम में बदला गया है, जिससे छात्रों को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने में सहायता मिले। वर्तमान समय में अंग्रेजी भाषा की महत्ता को ध्यान में रखते हुए, सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि विद्यार्थी शुरू से ही अंग्रेजी में दक्षता प्राप्त करें, जिससे उन्हें उच्च शिक्षा और रोजगार के बेहतर अवसर प्राप्त हो सकें। इसके अतिरिक्त सरकार यह भी सुनिश्चित कर रही है कि छात्रों को उनकी मातृभाषा में भी पर्याप्त ज्ञान मिले ताकि वे अपनी सांस्कृतिक पहचान से जुड़े रहें। सरकारी स्कूलों में निशुल्क परिवहन, मध्यान्ह भोजन योजना, यूनिफॉर्म और किताबें प्रदान की जा रही हैं, जिससे आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को लाभ मिल रहा है। इन योजनाओं से यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि कोई भी छात्र आर्थिक तंगी के कारण शिक्षा से वंचित न रहे। हाल ही में सरकार ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित करियर काउंसिलिंग की भी शुरुआत की है, जिससे छात्रों को उनकी रुचि और क्षमता के अनुसार करियर विकल्पों की जानकारी मिल रही है। इस नई पहल के माध्यम से विद्यार्थियों को भविष्य की संभावनाओं के बारे में जागरूक किया जा रहा है और उन्हें सही मार्गदर्शन प्रदान किया जा रहा है। हिमाचल प्रदेश सरकार शिक्षा क्षेत्र को सशक्त बनाने के लिए प्रत्येक वर्ष राज्य के अध्यापकों और विद्यार्थियों को विदेश भ्रमण पर भेज रही है, ताकि वे अन्य देशों की उन्नत शिक्षा पद्धतियों, तकनीकी प्रयोगों और नवाचारों को प्रत्यक्ष रूप से समझ सकें। इस पहल का मुख्य उद्देश्य शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार करना, वैश्विक दृष्टिकोण विकसित करना, तकनीकी समावेशन को बढ़ावा देना, अनुसंधान व नवाचार को प्रोत्साहित करना तथा सांस्कृतिक आदान-प्रदान को सुदृढ़ करना है। विदेशों की आधुनिक शिक्षण विधियों से परिचय होने से शिक्षक अधिक प्रभावशाली ढंग से पढ़ा सकते हैं, वहीं छात्र वैश्विक स्तर पर सोचने और सीखने की क्षमता विकसित करते हैं। यह प्रयास हिमाचल प्रदेश की शिक्षा प्रणाली को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बनाने और शिक्षकों व छात्रों को आत्मविश्वासी, सृजनशील तथा वैश्विक नागरिक के रूप में तैयार करने की दिशा में एक प्रभावी कदम है। सरकार के इन प्रयासों के कारण अब सरकारी स्कूलों की गुणवत्ता में सुधार हुआ है और अभिभावकों का ध्यान कॉन्वेंट स्कूलों की बजाय सरकारी स्कूलों की ओर बढ़ा है। सरकारी स्कूलों में आधुनिक सुविधाएं, योग्य शिक्षक, डिजिटल शिक्षा और निशुल्क सेवाओं के चलते शिक्षा का स्तर ऊंचाइयों को छू रहा है।

कुछ अलग

आओ कब्र खोदें

कई दिनों से झुन्नू लाल जी के घर से रात को निरंतर गैंती चलने की आवाज़ें आ रही थीं। ऐसा लगता था मानो वहां कोई बड़ी खुदाई का काम चल रहा हो। हर रात मेरी नींद टूट जाती और काफी देर तक करवटें बदलते हुए मैं सोचता रहता कि वहां चल क्या रहा है। मुझे झुन्नू लाल जी के घर से न तो किसी तरह की मरम्मत का काम चलने की ख़बर थी और न ही किसी नई निर्माण योजना का समाचार। महंगाई, बेरोजग़ारी और पिछले दस सालों से कम कमाई की मार झेलता हुआ मध्यम वर्ग राष्ट्रवाद और अपने स्वर्णिम इतिहास की अफीम चाट कर अभी भी गाढ़ी नींद में सो रहा था। पर निरंतर आने वाली आवाज़ों से उनींदे होने पर अक्सर मेरे लबों पर किशोर दा और लता मंगेशकर के हिंदी फिल्म आपकी क़सम में गाए गीत 'करवटें बदलते रहें सारी रात हम, आपकी क़सम' के बोल अनायास चलने लगते। मैं न जाने कितनी देर तक सोचता रहता कि उम्र के चौथे पड़ाव में रात को नींद टूट जाने के बाद मैं अपने महबूब की क़सम भी नहीं खा सकता। इस उम्र में बीवी से सिर्फ निबाह ही हो सकता है। मोहब्बत की गुंजाइश किसी राजनेता की ईमानदारी की तरह सात तालों में बंद हो जाती है। एक रात जब मुझसे नहीं रहा गया तो मैं यह सोचता हुआ झुन्नू जी के घर जा पहुंचा कि शायद अपने देश तथा ख़ानदान के गौरवमयी स्वर्णिम इतिहास की खोज और अनुसंधान के दौरान उनको किसी गुप्त खज़ाने का नक्शा मिल गया होगा या देश में हर साल दो करोड़ से अधिक नौकरियां पैदा होने के कारण अपने घर में कोई नया निर्माण कार्य या मरम्मत करवाने के लिए दिन में मज़दूर नहीं मिल रहे होंगे तो रात में काम करवा रहे होंगे। यूं भी जिस देश का प्रधानमंत्री हर रोज़ अठारह या बीस घंटे काम करता हो वहां लोगों को ओवरटाईम काम करने की लत पड़ ही जाती है। ओवरटाईमिंग की इसी लत के कारण देश का मज़दूर वर्ग ग़रीबी से ऊपर उठ कर मध्यम वर्ग में घुसपैठ कर चुका है और मध्यम वर्ग कुछ ही सालों में अडानी और अम्बानी को टक्कर देने लगेगा। हालांकि पिछले कुछ सालों से काम और बेहतर ज़िंदगी की तलाश में डंकी रूट के ज़रिए अमेरिका और यूरोप के देशों में अवैध घुसपैठ करने वाले भारतीय युवाओं की संख्या में निरंतर बढ़ोतरी हो रही है। इसी कड़ी में प्रधानमंत्री के लंगोटिये यार और अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने हाल ही में अवैध भारतीय घुसपैठियों को हथकड़ी पहना कर सेना के विमान में भारत वापस भेजा था। जब मैंने दरवाज़ा खटखटाया तो पीप होल से झांकते हुए झुन्नू जी ने किवाड़ खोले। हर बार मेरे आगमन पर चहकने वाले झुन्नू जी इस बार थोड़ा परेशान दिखे। पूछने पर बोले, 'यार! मुझे इसी बात का डर था कि रात को घर से आ रही आवाज़ों के चलते कहीं पड़ोसी न आ धमकें। लेकिन तुम्हारे आने का अंदेशा सबसे ज़्यादा था। ख़ैर! आ ही गए हो तो बैठ कर बात करते हैं।' इतना कहते हुए उन्होंने प्लास्टिक की एक कुर्सी उस कमरे के पास खींच ली जहां खुदाई का काम चल रहा था। मैंने उनसे पूछा कि आपने काम के लिए जो मज़दूर रखे हैं, वे मेरे आते ही कहां ग़ायब हो गए। वह अपने होठों पर रहस्यमयी मुस्कान लाते हुए बोले, 'कुछ काम खुद ही करने होते हैं। मैंने कोई मज़दूर हायर नहीं किया। दरअसल मैं नहीं चाहता था कि किसी को इस खुदाई के बारे में पता चले। यह तुम थे तो मैंने दरवाज़ा खोल दिया। अगर कोई और होता तो दरवाज़ा नहीं खुलता।' उनके इस अपनत्व से भाव-विभोर होते हुए उनका धन्यवाद करते हुए मैंने पूछा कि क्या खुदाई की कोई ख़ास परियोजना है, हड़प्पा या मोहनजोदड़ो की तरह।' वह उसी तरह अपने होठों पर रहस्यमयी मुस्कान बिखेरते हुए बोले, 'यह उससे भी बड़ा काम है।

देश दुनिया से

वैश्विक उथल-पुथल में भारत के लिए संभावनाएं

भारत श्रीलंका के बीच अच्छे, और बुरे दोनों तरह के सम्बन्ध रहे हैं। राजीव गांधी के कालखंड में उभयपक्षीय संबंधों का भूस्खलन लोग भूल नहीं पाते। नई दिल्ली ने पिछले साल के राष्ट्रपति और संसदीय चुनावों से काफी पहले सही तरीके से अंदाजा लगा लिया था, कि राजनीतिक हवाएं किस दिशा में बह रही हैं। पीएम मोदी ने जल्द ही राष्ट्रपति बनने वाले अनुरा कुमार दिसानायके को भारत आने का निमंत्रण दिया, जहां उनका शानदार स्वागत हुआ। राष्ट्रपति चुने जाने के कुछ सप्ताह बाद दिसानायके ने भारत की राजकीय यात्रा की, बाद में वो चीन भी गए। श्रीलंका, निस्संदेह हिंद महासागर में भारत और चीन के बीच शक्ति प्रतिद्वंद्विता से लाभान्वित हो रहा है, जहां भारत अपनी पड़ोसी प्रथम नीति के माध्यम से लाभ चाहता है, जबकि चीन अपनी 'बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव' के माध्यम से लाभ उठाना चाहता है। नए श्रीलंकाई राष्ट्रपति ने भारत की अपनी पहली राजकीय यात्रा करने के बाद, चीन की यात्रा करने का विकल्प चुनकर शक्ति संतुलन का प्रयास किया था। जनवरी, 2025 में दिसानायके ने चीन की राजकीय यात्रा की, जिस दौरान दोनों पक्षों ने चीन-श्रीलंका रणनीतिक सहकारी साझेदारी को गहरा करने और साझा करने का संकल्प किया था। श्रीलंका का अख़बार 'द आइलैंड' ने अपने सम्पादकीय में लिखा- 'उपहार के घोड़ों के मुंह पर हाथ धरे बैठे बिना, हमें हमेशा सचेत रहना चाहिए, कि मुफ़्त भोजन जैसी कोई चीज़ नहीं होती है। हमें अपने हितों की रक्षा करनी चाहिए।' एक बात है, श्रीलंका की घरेलू राजनीति से भारत का तमिलनाडु सीधा प्रभावित नहीं होता, तो सहयोग का स्वरूप कुछ और होता। श्रीलंका की यात्रा के तुरंत बाद, रविवार को पीएम मोदी का रामेश्वरम पहुंचना, पंबन वर्टिकल रेल पुल का उद्घाटन, आखिर क्या सन्देश देता है? श्रीलंका के बरास्ते पीएम मोदी तमिलनाडु में व्यूह रच रहे हैं, इतनी बात तो किसी राजनीतिक विश्लेषक की समझ में आ जानी चाहिए। श्रीलंका में महो-अनुराधापुरा रेलवे सिग्नलिंग सिस्टम और नव उन्नत महो-ओमानथाई रेलवे लाइन का उद्घाटन, ऊर्जा, डिजिटलीकरण, सुरक्षा और स्वास्थ्य सेवा के साथ-साथ भारत की ऋण पुनर्गठन सहायता से संबंधित समझौते, सामपुर सौर ऊर्जा संयंत्र, दांबुला में 5,000 मीट्रिक टन तापमान और आर्द्रता नियंत्रित कोल्ड स्टोरेज सुविधा, और 5,000 धार्मिक स्थलों पर सौर पैनलों की स्थापना, त्रिंकोमाली को ऊर्जा केंद्र के रूप में विकसित करने, श्रीलंका में बिजली, पेट्रोलियम में कनेक्टिविटी स्थापित करने, चिकित्सा आदि के क्षेत्र में सहयोग, ये सब उस व्यूह रचना का हिस्सा है, जो श्रीलंका से तमिलनाडु तक डैमेज कंट्रोल की तरह है। प्रधानमंत्री मोदी अपने साथ कई उपहार भी लेते गए, जिनमें युद्धग्रस्त उत्तरी और पूर्वी प्रांतों में सामाजिक, आर्थिक विकास के लिए लगभग 2.4 बिलियन श्रीलंकाई रुपये के पैकेज के रूप में है। शायद, यही सहयोग भाव तमिलनाडु की राजनीतिक तपोभूमि में बीजेपी का मार्ग प्रशस्त करेगा। श्रीलंका 2022 में भारत द्वारा प्रदान की गई भारी सहायता को नहीं भूल सकता, जब इस देश ने अपने समकालीन इतिहास में सबसे खराब आर्थिक संकट का सामना किया था। उस समय भारत ने बहु-आयामी सहायता प्रदान की, जिसमें कई क्रेडिट लाइनों और मुद्रा समर्थन के माध्यम से 4 बिलियन डॉलर का वित्तपोषण पैकेज शामिल था, ताकि इस देश को आवश्यक आयातों को बनाए रखने और अपने ऋणों पर चूक से बचने में मदद मिल सके। लेकिन, जो बात चीन-पाकिस्तान-अमेरिका और एशिया-प्रशांत के देश जानना चाहते हैं, वो है रक्षा सहयोग। दोनों शासन प्रमुखों ने अपनी मुट्ठी नहीं खोली। प्रधानमंत्री मोदी ने 16 दिसंबर, 2024 को राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके के साथ साझा प्रेस सम्मलेन को संबोधित एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने के निर्णय का खुलासा किया था, किन्तु उसका ब्योरा नहीं दिया था। हालांकि, सेवानिवृत्त एयर वाइस मार्शल संपत थुयाकोंथा, जिन्होंने रक्षा सचिव के रूप में रक्षा सहयोग पर समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए, ने कहा कि वे 2023 में रक्षा वार्ता के दौरान एक समझौता ज्ञापन के हवाले से रक्षा संबंधों को मजबूत करने पर सहमत हुए हैं। फिर भी, 2023 में रक्षा वार्ता में क्या कुछ था? उसे डिकोड करना चुनौती जैसा है। इस बार, पीएम मोदी ने जो कुछ भी रक्षा समझौते में किया, उसे लेकर चीन की भृकुटियां नहीं तनी हैं। हो सकता है, ट्रंप से तनाव की वजह से राष्ट्रपति शी भारत से नरम रुख़ बनाये रखना, वक्त का तकाज़ा समझते हों। चीन इस बार निर्विकार भाव से श्रीलंका-भारत संबंधों को देख रहा है। फुतान विश्वविद्यालय में दक्षिण एशियाई अध्ययन केंद्र के उप निदेशक लिन मिनवांग ने रविवार को ग्लोबल टाइम्स से कहा, 'मोदी की श्रीलंका यात्रा का मुख्य उद्देश्य चीन से संबंधित मुद्दे नहीं थे, क्योंकि भारत-श्रीलंका द्विपक्षीय संबंध भी विभिन्न जटिल मुद्दों का सामना कर रहे हैं।' इस बार दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग पर सहमति-पत्र (एमओयू), 29 जुलाई, 1987 को विवादास्पद भारत-श्रीलंका शांति समझौते के लगभग 38 साल बाद आया है, जिस पर श्रीलंका के तत्कालीन राष्ट्रपति जयवर्धने और भारतीय प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने हस्ताक्षर किए थे। उस समय भी समझौते की शर्तों को मंत्रिमंडल से छिपाया गया था। तब श्रीलंका की मार्क्सवाद-लेनिनवाद विचारधारा वाली वामपंथी पार्टी, जनता विमुक्ति पेरामुना (जेवीपी) ने भारतीय विस्तारवाद का मुद्दा बनाया था। मगर आज, सबकुछ मीठा-मीठा है। हालांकि, फ्रंटलाइन सोशलिस्ट पार्टी और कुछ समूहों ने कोलंबो में विरोध प्रदर्शन करने की धमकी दी है। श्रीलंका, नए नेतृत्व के तहत एक नई राजनीतिक दिशा में आगे बढ़ रहा है, फिर भी, भारतीय मछुआरों द्वारा श्रीलंका के जलक्षेत्र में अवैध शिकार, और समुद्री पर्यावरण को नष्ट करना हर बार मुद्दा बनता है। इस साल अवैध शिकार के आरोप में श्रीलंका ने 140, और 2024 में 550 से ज़्यादा भारतीय मछुआरों को गिरफ़्तार किया है। क्या इसका कोई निर्णायक समाधान हो पाएगा।

आप का नजरिया

गली में आवारा गाय

एक ही बैल ने कई कहानियां कह दीं, लेकिन तुम हो कि खबर नहीं। गोवंश के नाम पर जिनका खून खौलता, वे हकीकत में देखें कि रात के सन्नाटों में आवारा पशुओं के कारण किसान का दिल कितना डूबता है। हमारा खेत अगर सभी पशुओं को चारा नहीं दे सकता, तो कृषि नीति को कोसें या सस्ते राशन पे उजड़ते खेत को देखें। कभी पशुधन होता था, आज सडक़ पर खड़ा वह अपराधी है। होंगे अपराधी जो पांवटा साहिब की शांति में गोवंश के अवशेष यमुना किनारे छोडक़र माहौल खराब कर गए, लेकिन किसान के खेत को आवारा पशु चट करते हैं, तो उसका पेट कटता है। विडंबना यह कि हिमाचल में नलवाड़ मेले पालतू पशुओं या गोवंश की याद में चल रहे हैं, लेकिन शुभारंभ के खूंटों पर माहौल उदास है। अब नहीं आती बैलों की जोड़ी वहां, लेकिन सुंदरनगर, बिलासपुर या किसी अन्य शहर के हर चौक पर आवारा पशु अब एक खौफनाक समुदाय है। गोवंश का आवारा होना हमारी योजनाओं का अंधापन है या वाकई इसका अब ग्रामीण समाज से कोई रिश्ता नहीं। वहां खेत में सबसिडी में टिल्लर आता है और किराए की मजदूरी में पूरी तरह जोत जाता है। ढूंढना अब हल कल के मुजारे के पास, क्योंकि लैंड सीलिंग एक्ट ने समाज से खेती और खेती की जरूरत छीन ली। आखिर राशन डिपो का सामान हिमाचल में तो नहीं उगता। यह दीगर है कि हिमाचल में दूध की मांग और दूध के उपभोक्ता बढ़ गए, लेकिन यह अब आयातित सामान है, रोज सुबह बाहर से आता है। पूर्व मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय मंत्री रहे शांता कुमार गोवंश के संरक्षण की आवाज उठाते हैं। बेशक गऊ को माता का दर्जा देने वाले हम हिंदू और हमारी भावनाएं इन्हें लेकर किसी विवाद से आहत होती हैं। हम धार्मिक वैमनस्य की गलियों में तो गोवंश के समर्थन और सुरक्षा में एकजुट हो जाते हैं, लेकिन इनके आवारा झुंडों के करीब जाने से भी कतराते रहते हैं। जब पांवटा साहिब की भावनाएं उबाल बिंदु पर थीं, तब भी शहर के किसी कोने में कोई गाय आवारा थी। जब हिंदू संवेदना इस भूखंड पर प्रचंड थी, तब भी गोवंश का कोई सदस्य कूड़े में मुंह मार रहा था या प्लास्टिक चबा रहा था। हमारा आक्रोश अगर सही है, तो हम बता दें पूरे विश्व को कि गऊ माता को हम अपनी छत या सामुदायिक जिम्मेदारी से कितना प्रश्रय देते हैं। क्या गोवंश चौराहों पर आवारा परिक्रमा का दस्तूर बनकर जीए या आवारा होते ही इसके हिस्से का नवाला छीन लिया जाए। जब तक हमारी खेती और हमारी आर्थिकी गोवंश को पूरी तरह नहीं अपनाएगी, ये असहाय प्राणी अपनी खुराक की तलाश में किसान को रुलाएगा। काश वन संरक्षण अधिनियम की परिपालना से पहले हिमाचल ने पशुओं के चारे के लिए निर्धारित जमीनों पर चीड़ न उगाए होते। हमने वे सारी धारें बर्बाद कर दीं जहां हर मौसम, परिस्थिति और हर हालत में पशुओं को चारा मिला करता था। आज परिस्थितियां शांता कुमार की गली तक बिगड़ी हैं, तो वहां घूमते आवारा पशुओं के पीछे हम सभी मूकदर्शक हैं। गोवंश की प्रासंगिकता अगर जीवन में घट गई, तो हमारे सांस्कृतिक सरोकार कहीं न कहीं खोखले व दोगले हैं। इसी बीच कांगड़ा के कच्छियारी के हर्मिंद्र सिंह के बछड़े का मूल्य अगर पशुपालन विभाग तय कर रहा है, तो इस पशुपालक की प्रयोगशाला से तमाम गोवंश समर्थकों को सेवा भाव भी सीख लेना चाहिए।

पाक ने बैसाखी त्योहार के लिए 6,500 से अधिक भारतीय सिख तीर्थयात्रियों को वीजा जारी किया

इस्लामाबाद,08 अप्रैल (एजेंसियां)।

पाकिस्तान ने इस साल बैसाखी त्योहार के लिए 6,500 से अधिक भारतीय सिख तीर्थयात्रियों के लिए वीजा जारी किए हैं।

भारतीय सिख तीर्थयात्री 10 से 19 अप्रैल तक पाकिस्तान में गुरुद्वारा पंजा साहिब, ननकाना साहिब और करतारपुर साहिब सहित प्रमुख धार्मिक स्थलों का दौरा करेंगे।

खबर के अनुसार, तीर्थयात्रा पाकिस्तान के प्रभारी साद अहमद वराइच ने कहा कि नई दिल्ली स्थित पाकिस्तान उच्चायोग ने 2025 के बैसाखी त्योहार के अवसर पर भारतीय तीर्थयात्रियों को 6,500 से अधिक वीजा जारी किए हैं। इससे धार्मिक सद्भाव और आपस में भाईचारा बढ़ेगा।

उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की वीजा नीति का उद्देश्य विभिन्न संस्कृतियों और धर्मों के बीच सेतु का निर्माण करना है। पाकिस्तान मुल्क में पवित्र स्थलों पर धार्मिक आगंतुकों की तीर्थयात्रा को सुविधाजनक बनाना जारी रखेगा।

इससे पहले, नई दिल्ली स्थित पाकिस्तान उच्चायोग ने तीर्थयात्रियों के एक समूह को चकवाल जिले में स्थित पवित्र श्री कटास राज मंदिर की यात्रा के लिए 154 वीजा जारी किए हैं। 24 फरवरी से शुरू यह तीर्थयात्रा 02 मार्च को सम्पन्न हो चुकी है।

उल्लेखनीय है कि धार्मिक तीर्थस्थलों की यात्रा पर 1974 के पाकिस्तान-भारत प्रोटोकॉल के तहत हर साल हजारों भारतीय तीर्थयात्री विभिन्न धार्मिक उत्सवों में भाग लेने के लिए पाकिस्तान जाते हैं।

न्यूज ब्रीफ

चुनाव प्रचार के दौरान महिला नेत्री से अश्लील हरकत करने वाली को मिली सजा

लंदन। पिछले साल ब्रिटेन की महिला राजनेता मोनिका लेनन के साथ चुनाव प्रचार कर रही थीं इसी दौरान एक दूसरी महिला ने उन्हे चूमा और अश्लील हरकत कर दी। इससे नाराज लेनन ने इस मामले की शिकायत की और आरोपी महिला को स्थानीय अदालत ने सजा सुना दी। बीते साल मई में तत्कालीन प्रधानमंत्री ऋषि सुनक की तरफ से आम चुनाव का ऐलान होने के बाद प्रचार अभियान शुरू हुआ था। तब लेनन अपने सहकर्मियों के साथ हेमिल्टन में प्रचार कर रही थीं। तब वुड ने कथित तौर पर उन्हें देखकर यौन इशारे किए उन्हें पकड़ लिया। इसके बाद वह लगातार लेनन की गर्दन पर किस करने लगीं। लेनन ने इस घटना को व्यथित करने वाला बताया था। साल 2024 में चुनाव प्रचार के दौरान महिला ने लेनन को जबरदस्ती पकड़ने और चूमने की कोशिश की थी।मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, साल 2024 में हुए आम चुनाव के प्रचार के दौरान 57 साल की एल्सपेथ वुड लेबर एमएसपी मोनिका लेनन के बेहद करीब आ गई थी। इसके बाद वुड ने लेनन को कमर से पकड़ा और गर्दन पर चूम लिया। साउथ लनार्कशायर के हेमिल्टन की रहे वाली वुड को हेमिल्टन शेरिफ कोर्ट में पेश किया गया था। सजा के साथ-साथ वुड पर लेनन से संपर्क साधने या बातचीत की कोशिश पर भी 3 साल के लिए रोक लगा दी गई है। क्राउन ऑफिस और प्रोक्युरेटर फिस्कल सर्विस का कहना है कि इस अवधि के दौरान वुड यौन अपराधियों की सूची में भी शामिल रहेंगी।उन्होंने राजनीति में महिलाओं की सुरक्षा पर चिंता जाहिर की थी। उन्होंने कहा था, वो एक सामान्य प्रचार अभियान था और उस घटना के बाद सबकुछ बदल गया।

मशहूर कॉसप्ले आर्टिस्ट हिमेनी जिसकी सुंदरता का हर कोई दीवाना, मेकअप के ज़रिए अपने लुक्स को पूरी तरह बदल लेते हैं आर्टिस्ट हिमेनी

टोक्यो। सोशल मीडिया पर एक बेहद आकर्षक और खूबसूरत लड़की की तस्वीरें वायरल हो रही हैं, जिसे देखकर हर कोई उसकी सुंदरता का दीवाना हो जाता है। लेकिन असलियत जानने के बाद लोग तत्काल उससे 'ब्रेकअप' तक कर लेते हैं। दरअसल, यह कोई लड़की नहीं बल्कि जापान के मशहूर कॉसप्ले आर्टिस्ट हिमेनी हैं, जो मेकअप और स्टाइलिंग की मदद से खुद को एक खूबसूरत महिला के रूप में पेश करते हैं। उनकी तस्वीरें इतनी असली लगती हैं कि सोशल मीडिया पर लोग धोखा खा जाते हैं। कई लोग तो उन्हें डेट करने तक की सोचने लगते हैं, लेकिन जैसे ही हिमेनी अपनी भारी मर्दाना आवाज़ में बात करते हैं, उनका जादू टूट जाता है। हिमेनी जापान के एक मशहूर कॉसप्ले कलाकार हैं, जो लड़कियों के कपड़े पहनकर और मेकअप के ज़रिए अपने लुक्स को पूरी तरह बदल लेते हैं। उनकी तस्वीरें इतनी वास्तविक लगती हैं कि लोग उन्हें एक खूबसूरत महिला समझ बैठते हैं। लेकिन मज़ा तब आता है जब वह किसी वीडियो में अचानक अपनी असली आवाज़ में बोलते हैं, जिससे देखने वाले चौंक जाते हैं। एक इंटरव्यू में हिमेनी ने बताया कि उन्हें हमेशा से लड़कियों के कपड़े पहनने का शौक था, लेकिन उनके माता-पिता उन्हें पारंपरिक रूप से मर्द बनाना चाहते थे।

चंद्रमा से टकरा सकता है विशाल एस्टेरॉयडः नासा

नई दिल्ली। हाल ही में अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने एक चेतावनी जारी की है, एक विशाल एस्टेरॉयड चंद्रमा से टकरा सकता है। साल 2024 के दिसंबर महीने में खोजे गए नियर-अर्थ ऑब्जेक्ट 2024 वायआर4 को लेकर अब नई जानकारी सामने आई है। नासा के जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप (जेडब्ल्यूएसटी) द्वारा प्राप्त इन्फ्रारेड डेटा के अनुसार, इस एस्टेरॉयड का आकार लगभग 174 से 220 फीट यानी 53 से 67 मीटर के बीच है। इसका मतलब है कि यह आकार में करीब 10 मंजिला इमारत जितना बड़ा है। पहले इसके आकार का अनुमान 40 से 90 मीटर के बीच लगाया गया था, लेकिन अब अधिक सटीक आंकड़े उपलब्ध हो गए हैं। शुरुआत में वैज्ञानिकों ने इस एस्टेरॉयड को पृथ्वी के लिए कोई बड़ा खतरा नहीं माना था, लेकिन हाल ही में हुए विश्लेषण में यह पता चला है कि इसके चंद्रमा से टकराने की संभावना बढ़ गई है।

टैरिफ वॉर : अमेरिका को घेरने ट्रंप के खिलाफ खड़े हो गए 27 देश

लंदन,08 अप्रैल (एजेंसियां)।

अमेरिका का दादागीरी पर लगाम कसने के लिए 27 देश एकजुट हो गए हैं। टैरिफ वॉर छेड़ चुके अमेरिका के खिलाफ भी मुल्क फैसले लेना शुरू कर चुके हैं। खबर है कि अब यूरोपीय संघ ने कई अमेरिकी सामानों पर जवाबी टैरिफ लगाने की तैयारी की है। हालांकि, प्रस्ताव पर अभी सदस्य देशों की तरफ से मुहर लगाया जाना बाकी है। इधर, चीन की तरफ से जवाबी टैरिफ लगाए जाने के बाद अमेरिका के राष्ट्रपति ने ड्रैगन को 50 फीसदी शुल्क लगाने की धमकी दी है।

दरअसल, ट्रंप ने यूरोपीय संघ के मादक पेय पदार्थों पर 200 फीसदी का जवाबी टैरिफ लगाने की धमकी दी थी। इसके बाद फ्रांस और इटली जैसे सदस्य देश खासे चिंतित हो गए थे। यूरोपीय संघ ने सोमवार को कहा कि उसने ट्रेड युद्ध से बचने के लिए शून्य टैरिफ की पेशकश की है। ट्रंप ने 27 देशों के समूह ईयू पर स्टील और एल्युमिनियम और कार पर 25 फीसदी इम्पोर्ट टैरिफ और 20 फीसदी का ब्रॉडर टैरिफ लगाया है। ट्रंप ने दो अप्रैल को चीन और भारत समेत करीब 60 देशों पर अतिरिक्त सीमा शुल्क लगाने की घोषणा की थी। चीन के उत्पादों पर अमेरिका ने 34 प्रतिशत का अतिरिक्त शुल्क लगाया है। इस पर पलटवार करते हुए चीन ने भी अमेरिकी आयात पर 34 प्रतिशत शुल्क लगाने की घोषणा कर दी है। व्यापार युद्ध छिड़ने की आशंका से शेयर बाजारों में चौतरफा गिरावट देखी जा रही है। इससे अमेरिका में भी आर्थिक वृद्धि सुस्त पड़ने की आशंका जताई जा रही है।

ट्रंप ने चीन की तरफ से लगाए गए जवाबी सीमा शुल्क को वापस न लेने की स्थिति में उस पर अतिरिक्त शुल्क लगाने की सोमवार को धमकी दी। ट्रंप ने सोशल मीडिया मंच 'ट्रूथ सोशल' पर पोस्ट में कहा, अगर चीन आठ अप्रैल, 2025 तक अपने पहले से ही दीर्घकालिक व्यापार दुरुपयोगों से ऊपर 34 प्रतिशत की वृद्धि को वापस नहीं लेता है तो हम चीन पर 50 प्रतिशत का अतिरिक्त शुल्क लगाएंगे, जो नौ अप्रैल से प्रभावी हो जाएगा। ट्रंप के इस बयान से दुनिया की दो शीर्ष अर्थव्यवस्थाओं के बीच व्यापार युद्ध गहराने और वैश्विक स्तर पर आर्थिक अनिश्चितता पैदा होने की आशंका बढ़ गई है।

ट्रंप के टैरिफ से चीन को नहीं पड़ेगा फर्क, अमेरिका को कड़ा जवाब देने की तैयारी में

बीजिंग। अमेरिकी टैरिफ को लेकर चीन कतई चिंतित नहीं है। उसने अमेरिका को कड़ा जवाब देने की अपनी तैयारी कर ली है। हालांकि, ड्रैगन ने अब तक अपनी योजना स्पष्ट रूप से नहीं बताई है। ट्रंप पहले ही चीन पर 34 फीसदी टैरिफ लगा चुके हैं। फिलहाल, इस पर ट्रंप की प्रतिक्रिया नहीं आई है। ट्रंप ने चीन की तरफ से लगाए गए जवाबी सीमा शुल्क को वापस न लेने की स्थिति में उस पर अतिरिक्त शुल्क लगाने की सोमवार को धमकी दी। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर पोस्ट में कहा, अगर चीन आठ अप्रैल, 2025 तक अपने पहले से ही दीर्घकालिक व्यापार दुरुपयोगों से ऊपर 34 प्रतिशत की वृद्धि को वापस नहीं लेता है तो हम चीन पर 50 प्रतिशत का अतिरिक्त शुल्क लगाएंगे, जो नौ अप्रैल से प्रभावी हो जाएगा। इसके साथ ही ट्रंप ने अमेरिका के साथ बैठकों के अनुरोध पर चीन के साथ आयोजित सभी वार्ताएं भी समाप्त करने की धमकी दी। ट्रंप के टैरिफ के जवाब में चीन ने भी अमेरिका पर 34 फीसदी टैरिफ का ऐलान किया था। रिपोरट के अनुसार, वाणिज्य मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि अमेरिकी की तरफ से टैरिफ बढ़ाए जाने का चीन मजबूती से विरोध करेगा। साथ ही अमेरिका को जवाब देने की कसम खाई है। मंत्रालय के हवाले से बताया है, अमेरिका टैरिफ बढ़ाने की धमकी देकर फिर गलतियां कर रहा है। यह उसके दबाव की प्रवृत्ति को दिखाता है।आगे कहा गया, चीन इसका विरोध करता है। अगर अमेरिका अपने इस फैसले पर अड़ा रहा, तो चीन इसका जवाब देगा। इधर, अगर बाजार की स्थिरता के लिए जरूरत होगी, तो वह मदद देने तैयार हैं।

बे-नतीजा रही इजराइल पीएम नेतन्याहू और यूएस राष्ट्रपति ट्रंप की बैठक

तेल अवीव,08 अप्रैल (एजेंसियां)।

टैरिफ हटवाने की आस में अमेरिका पहुंचे इजरायली पीएम नेतन्याहू को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से एक नहीं, दो झटके मिले। पहला झटका ट्रंप ने इज़रायली सामान पर लगे 17 प्रतिशत टैरिफ हटाने से इनकार कर दिया।

दूसरा झटका ट्रंप ने ईरान के साथ सीधे परमाणु समझौते की बातचीत की घोषणा कर दी, जिससे इज़राइल पहले से ही चिंतित रहा है। नेतन्याहू मंगलवार अपने देश के लिए रवाना होंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि नेतन्याहू का अमेरिका दौरा तय कार्यक्रम के अनुसार समाप्त हो रहा है। हालांकि, नेतन्याहू की इस यात्रा को राजनयिक स्तर पर निराशाजनक माना जा रहा है। उनके ट्रंप के साथ हुई बैठक से इज़रायल को वह समर्थन नहीं मिला, जिसकी उसे उम्मीद थी। बैठक में राष्ट्रपति ट्रंप ने इजरायली आयात पर लगे टैरिफ हटाने को लेकर कोई स्पष्ट प्रतिबद्धता नहीं जताई। इजरायली पक्ष ने इस मुद्दे को प्राथमिकता से उठाया था, लेकिन ट्रंप प्रशासन ने इस पर सहमति नहीं दी। दौरे के दौरान नेतन्याहू ने किसी भी संवाददाता सम्मेलन को संबोधित नहीं किया और न ही उन्होंने अमेरिकी नीतियों पर कोई सार्वजनिक प्रतिक्रिया दी। इसे लेकर अंतरराष्ट्रीय और इज़रायली मीडिया में सवाल उठने लगे हैं। नेतन्याहू का यह दौरा ऐसे समय हुआ है जब इज़रायल घरेलू और बाहरी दोनों मोर्चों पर दबाव का सामना कर रहा है। ऐसे में अमेरिका से समर्थन की उम्मीद थी, लेकिन मौजूदा घटनाक्रम ने दोनों देशों के संबंधों में संभावित खटास की आशंका बढ़ा दी है।

केंटकी के फ्रैंकफर्ट में बाढ़ में डूबे वाहन

केंटकी के फ्रैंकफर्ट में बाढ़ में डूबे वाहनों के पास से एक नाव में जाते हुए लोग।

अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट ने वेनेजुएलावासियों के निर्वासन पर निचली अदालत के रोक के फैसले को पलटा

वाशिंगटन,08 अप्रैल (एजेंसियां)।

अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट ने वेनेजुएला के निर्वासन पर निचली अदालत के रोक के फैसले को पलट दिया। सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया कि ट्रंप प्रशासन युद्धकालीन शक्तियों के आधार पर वेनेजुएला के प्रवासियों को निर्वासित करना जारी रख सकता है। शीर्ष अदालत ने निचली अदालत के फैसले पर अस्थाई तौर पर रोक लगा दी।

खबर के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कथित आपराधिक गिरोह के सदस्यों को वेनेजुएला निर्वासित करने के लिए 1798 के कानून (एलियन एनिमीज एक्ट-1798) का उपयोग करना जारी रख सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को अपना फैसला सुनाया। शीर्ष अदालत ने कहा कि इस कानून को चुनौती टेक्सास में दी जानी चाहिए थी, क्योंकि प्रवासियों को वहीं रखा गया था, न कि वाशिंगटन डीसी में।

शीर्ष अदालत के 5-4 के फैसले में, ट्रंप प्रशासन के अनुरोध को स्वीकार कर लिया कि वह वाशिंगटन डीसी स्थित न्यायाधीश के आदेश पर प्रतिबंध लगाए। ट्रंप ने सोमवार को सोशल मीडिया पर शीर्ष अदालत के फैसले का जश्न मनाया। उन्होंने ट्रुथ सोशल पर लिखा, सुप्रीम कोर्ट ने हमारे देश में कानून के शासन को बरकरार रखा है। एक राष्ट्रपति को, चाहे वह कोई भी हो, हमारी सीमाओं को सुरक्षित करने और हमारे परिवारों और हमारे देश की रक्षा करने में सक्षम होने की अनुमति देकर। अमेरिका में न्याय के लिए एक महान दिन। उल्लेखनीय है कि इस कानून का उपयोग द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान जापानी, इतालवी और जर्मन आप्रवासियों को नजरबंद करने के लिए किया गया था। ट्रंप प्रशासन के फैसले को अमेरिकन सिविल लिबर्टीज यूनियन ने निचली अदालत में चुनौती दी गई थी। विदेशी शत्रु अधिनियम राष्ट्रपति को ऐसे व्यक्तियों को निर्वासित करने, हिरासत में लेने या उन पर प्रतिबंध लगाने का अधिकार देता है जिनकी प्राथमिक निष्ठा किसी विदेशी शक्ति के प्रति है और जो युद्ध के समय राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा पैदा कर सकते हैं।

पाकिस्तान नहीं खा रहा रहम, शरणार्थियों को पकड़कर भेज रहा अफगानिस्तान

31 मार्च के बाद से अब तक हजारों को कर चुका है निर्वासित

इस्लामाबाद,08 अप्रैल (एजेंसियां)।

पाकिस्तान ने 31 मार्च की समय सीमा समाप्त होने के बाद निर्वासन प्रक्रिया तेज कर दी है। हजारों अफगान शरणार्थियों को जबरन वापस भेजा जा रहा है। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक 1 अप्रैल से अब तक 944 से ज्यादा अफगान परिवारों, जिनमें 6,700 व्यक्ति शामिल हैं को पाकिस्तान से निर्वासित किया जा चुका है।

निर्वासन की सबसे बड़ी कार्रवाई पंजाब प्रांत में हुई। 5,111 अफगान नागरिकों को ट्रांजिट शिविरों या हिरासत में भेजा गया है। इनमें 2,301 बच्चे और 1,120 महिलाएं थीं। करांची से 300 से ज्यादा अफगानियों को पाकिस्तान से उनके देश वापस भेजा गया। सिंध के वरिष्ठ मंत्री शारजील इनाम मेमन ने कहा कि करांची से निर्वासित लोगों में 79 बच्चे, 37 महिलाएं और 191 पुरुष हैं। रावलपिंडी में कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने रविवार को 140 महिलाओं और 164 बच्चों सहित 736 अफगान नागरिकों को हिरासत में लिया था। उन्हें गोलरा मोड़ के पास अफगान शरणार्थी शिविर में भेजा है। 736 लोगों में से 179 को अफगानिस्तान भेज दिया है।

रिपोर्ट के मुताबिक सुरक्षा एजेंसियों ने अकेले पंजाब में 150 से ज्यादा अफगान कॉलोनियों में रहने वाले 1,00,000 अफगानियों की पहचान की है। कई अफगानों ने बताया कि उन्होंने अपना सारा सामान औने-पौने दामों पर बेच दिया और जल्दबाजी में अपना कारोबार समेट लिया है, जिससे उन्हें भारी नुकसान उठाना पड़ा। वहीं कुछ निर्वासित लोगों ने कहा कि उन्हें काम करते समय पाकिस्तानी पुलिस ने गिरफ्तार किया और अफगानिस्तान भेज दिया जबकि उनका परिवार पीछे छूट गया है। मीडिया रिपोर्ट में गुल मोहम्मद ने बताया कि वह फल बाजार में एक छोटा सा होटल व्यवसाय चलाता था। पुलिस ने उसे पर छापा मारा, उसे खैबर पख्तूनख्वा के हाजी कैंप में चार रातों तक हिरासत में रखा और अब तोरखम के रास्ते निर्वासित कर दिया। पाकिस्तानी सरकार ने अफगान शरणार्थियों के सामूहिक प्रत्यावर्तन के बारे में संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायुक्त और अन्य एजेंसियों द्वारा उठाई गई चिंताओं को खारिज कर दिया है।

सोलर आरबीटर ने सूर्य की एक दुर्लभ घटना को किया रिकॉर्ड

वाशिंगटन। सूर्य की एक दुर्लभ घटना को यूरोपियन स्पेस एजेंसी (ईएसए) के सोलर आरबीटर ने रिकॉर्ड किया है। रिकार्डिंग में एक विशाल घूमती हुई प्लाज्मा स्ट्रीम को देखा गया। 12 अक्टूबर 2022 को यह स्ट्रीम सूर्य से निकलते हुए देखी गई थी, जो एक कोरोना मास इजेक्शन (सीएमई) के बाद उत्पन्न हुई। वैज्ञानिकों के अनुसार, यह घटना सूर्य की ऊर्जा प्रक्रिया को समझने में अहम भूमिका निभा सकती है। यह स्ट्रीम लगभग 20 लाख किलोमीटर तक फैली हुई थी और इसे तीन घंटे से अधिक समय तक रिकॉर्ड किया गया। सूर्य की बाहरी परत, जिसे कोरोना कहा जाता है, से यह प्लाज्मा स्ट्रीम बाहर निकलती देखी गई। यह वही परत है जो सूर्यग्रहण के दौरान आंखों को दिखाई देती है। इससे पहले भी सूर्य के कोरोना में ऐसी हेलिकल संरचनाएं देखी गई हैं, लेकिन इतनी विस्तृत और लंबी अवधि तक दर्ज नहीं की गई थीं। इस घटना को सोलर आरबीटर के मेटिस उपकरण ने रिकॉर्ड किया, जो सूर्य की मुख्य चमक को ब्लॉक कर उसकी बाहरी परत को स्पष्ट रूप से देखने की सुविधा प्रदान करता है। वैज्ञानिकों के अनुसार, सूर्य की कोरोना में 'इंटरचेंज रिकनेक्शन' नामक प्रक्रिया होती है, जहां मैग्नेटिक फील्ड की बंद लाइनों के टूटने और खुली लाइनों से जुड़ने के कारण ऊर्जा मुक्त होती है। जब यह ऊर्जा अत्यधिक बढ़ जाती है, तो सूर्य एक बड़ा सीएमई अंतरिक्ष में फेंकता है। इस प्रक्रिया के दौरान घूमती हुई मैग्नेटिक ऊर्जा एक 'फ्लक्स ट्यूब' बनाती है, जिसे पहली बार इतने विस्तार से कैद किया गया है। सोलर आरबीटर और नासा के पार्कर सोलर प्रोब जैसे मिशन सूर्य के रहस्यों को उजागर कर रहे हैं।

लखनऊ ने कोलकाता को चार रनों से हराया, रहाणे का अर्धशतक और रिंकू की कोशिश गई बेकार

कोलकाता, 08 अप्रैल (एजेंसियां)। कप्तान अजिंक्य रहाणे के अर्धशतक और रिंकू सिंह की शानदार बल्लेबाजी के बावजूद कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को लखनऊ सुपर जाएंट्स के खिलाफ मैच में चार रन से हार का सामना करना पड़ा। लखनऊ ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में तीन विकेट पर 238 रन बनाए थे। जवाब में केकेआर की टीम निर्धारित ओवर में सात विकेट पर 234 रन ही बना सकी। रहाणे ने 35 गेंदों पर आठ चौकों और दो छक्कों की मदद से 61 रन बनाए, जबकि रिंकू ने 15 गेंदों पर छह चौकों और दो छक्कों की मदद से नाबाद 38 रन बनाए।

लक्ष्य का पीछा करते हुए केकेआर ने क्विंटन डिकॉक का विकेट जल्दी गंवा दिया था जो 15 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद सुनील नरेन और रहाणे ने दूसरे विकेट के लिए 50+ रनों की साझेदारी की। हालांकि, दिग्वेश राठी ने नरेन को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। नरेन 13 गेंदों पर चार चौकों और दो छक्कों की मदद से 30 रन बनाकर पवेलियन लौटे। रहाणे इसके बाद भी नहीं रुके और उन्होंने 26 गेंदों पर अर्धशतक पूरा किया। रहाणे और वेंकटेश अय्यर जब बल्लेबाजी कर रहे थे तो लग रहा था कि केकेआर शायद इस विशाल लक्ष्य को हासिल कर सकती है, लेकिन शार्दुल ने रहाणे को आउट कर केकेआर को बड़ा झटका दिया।

रहाणे के आउट होने के बाद केकेआर की पारी लड़खड़ा गई और उसने रमनदीप (1), अंगकृष रघुवंशी (5), वेंकटेश अय्यर (45) और आंद्रे रसेल (7) के विकेट गंवाए। केकेआर के लिए इसके बाद लक्ष्य को प्राप्त करना मुश्किल लग रहा था, लेकिन रिंकू ने अंतिम ओवरों में धमाल मचाया। केकेआर को आखिरी ओवर में जीत के लिए 24 रन की जरूरत थी, लेकिन टीम 20 रन ही बना सकी। इस तरह लखनऊ ने यह मुकाबला अपने नाम किया। केकेआर के लिए हर्षित राणा 10 रन बनाकर नाबाद लौटे। लखनऊ की ओर से आकाश दीप और शार्दुल ठाकुर ने दो-दो विकेट लिए, जबकि आवेश खान, दिग्वेश राठी और रवि बिश्नोई को एक-एक विकेट मिला।

न्यूज़ ब्रीफ

विराट कोहली टी20 में 13,000 रन पूरे करने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज़ बने

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 (आईपीएल 2025) में सोमवार को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए एक अहम मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बल्लेबाज़ विराट कोहली ने एक और ऐतिहासिक मुकाम हासिल कर लिया। सोमवार को मुंबई इंडियंस के खिलाफ खेलते हुए कोहली टी20 क्रिकेट में 13,000 रन पूरे करने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज़ बन गए हैं। दुनिया के पांचवें बल्लेबाज़ बने विराट कोहली स उपलब्धि के साथ कोहली टी20 क्रिकेट में 13,000 रन बनाने वाले दुनिया के केवल पांचवें बल्लेबाज़ बन गए हैं। उनसे पहले यह कारनामा वेस्टइंडीज के क्रिस गेल (14562 रन), इंग्लैंड के एलेक्स हेल्स (13610 रन), पाकिस्तान के शोएब मलिक (13557 रन) और वेस्टइंडीज के ही कीरोन पोलार्ड (13537 रन) कर चुके हैं। औसत और स्ट्राइक रेट में भी कोहली का जलवा 36 वर्षीय विराट कोहली का टी20 क्रिकेट में औसत करीब 42 का है और उनका स्ट्राइक रेट 134 का है। उन्होंने अब तक 9 शतक और 98 अर्धशतक जड़े हैं, जो इस फॉर्मेट में किसी भी बल्लेबाज़ की निरंतरता का प्रमाण है। आईपीएल में भी हैं रन मशीन मुंबई इंडियंस के खिलाफ इस मुकाबले से पहले विराट कोहली आईपीएल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज़ थे। उन्होंने अब तक 256 मैचों में 8111 रन बनाए हैं, उनका औसत 38.81 और स्ट्राइक रेट 132.01 का है। टी20 में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज़: क्रिस गेल (वेस्टइंडीज) – 14562 रन, एलेक्स हेल्स (इंग्लैंड) – 13610 रन, शोएब मलिक (पाकिस्तान) – 13557 रन, कीरोन पोलार्ड (वेस्टइंडीज) – 13537 रन, विराट कोहली (भारत) – 13000* रन है।

आईपीएल में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले तेज गेंदबाज बने भुवनेश्वर

नई दिल्ली। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के लिए आईपीएल में खेल रहे भुवनेश्वर कुमार ने एक इतिहास रच दिया है। भुवनेश्वर आईपीएल के इतिहास में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं। इस मामले में भुवनेश्वर ने वेस्टइंडीज के महान ऑलराउंडर ड्वेन ब्रावो को पीछे छोड़ दिया है, जो लंबे समय तक चेन्नई सुपर किंग्स के लिए डेथ बॉलिंग एक्सपर्ट रहे थे। अब वे आईपीएल में नहीं खेलते हैं। भुवनेश्वर को सोमवार को मुंबई इंडियंस के खिलाफ खेले गए मैच में एक विकेट मिला। भुवनेश्वर ने तिलक वर्मा को आउट किया और इसके साथ वे आईपीएल के इतिहास के सबसे सफल गेंदबाज बन गए। भुवनेश्वर ने 179वें मैच में 184वां विकेट आईपीएल में लिया। इससे पहले ब्रावो ने 161 मैचों में 183 विकेट अपने नाम किए थे। भुवनेश्वर ने मुंबई के खिलाफ 4 ओवर में 48 रन दिए, लेकिन 18वें ओवर में तिलक को आउट करके उन्होंने आरसीबी की जीत पक्की कर दी थी। आईपीएल में बतौर तेज गेंदबाज सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड अब भुवनेश्वर के नाम है, जबकि सूची में दूसरे नंबर पर ड्वेन ब्रावो हैं और तीसरे नंबर पर लसिथ मलिंगा हैं, जिन्होंने 122 मैचों में 170 विकेट लिए थे। वहीं, जसप्रीत बुमराह का चौथे नंबर पर आते हैं। वे 134 मैचों में 165 विकेट अब तक ले चुके हैं। वहीं, पांचवें नंबर पर उमेश यादव हैं।

विल पुकोव्स्की ने 27 की उम्र में क्रिकेट को कहा अलविदा

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के युवा बल्लेबाज विल पुकोव्स्की ने महज 27 साल की उम्र में क्रिकेट से संन्यास लेने का फैसला किया है। बार-बार सिर में चोट (कंकशन) लगने के कारण उन्हें यह कठिन निर्णय लेना पड़ा। पुकोव्स्की ने मेलबर्न के एक रेडियो शो में अपने रिटायरमेंट की घोषणा की और इसे अपने जीवन की सबसे बड़ी निराशा बताया। एक टेस्ट का सपना और असमय अंत विल पुकोव्स्की ने साल 2021 में भारत के खिलाफ टेस्ट डेब्यू किया था और उन्हें ऑस्ट्रेलिया की टेस्ट टीम में लंबे समय तक ओपनिंग करने वाले बल्लेबाज के रूप में देखा जा रहा था। लेकिन कंकशन की लगातार समस्याओं ने उनके करियर को समय से पहले ही खत्म कर दिया। उनका आखिरी मैच मार्च 2024 में तस्मानिया के खिलाफ शैफील्ड शील्ड में था, जहां राइली मेरेडिथ की बाउंसर से उन्हें गंभीर चोट लगी थी। मेडिकल पैनल की सिफारिश और लंबा संघर्ष पिछले साल एक स्वतंत्र मेडिकल पैनल ने पुकोव्स्की के करियर और भविष्य को देखते हुए उन्हें संन्यास की सिफारिश की थी। बताया गया कि पुकोव्स्की अब तक मिड-टीन्स (करीब 15 बार) कंकशन का शिकार हो चुके हैं।

पंजाब ने चेन्नई को 18 रन से हराया, प्रियांश आर्या और शशांक सिंह के बाद फर्ग्यूसन चमके

मुल्लांपुर, 08 अप्रैल (एजेंसियां)। पंजाब किंग्स आईपीएल 2025 में जीत की पटरी पर लौट गई है। चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ पंजाब को 18 रनों से जीत मिली। पावरप्ले में ही टीम के 3 विकेट गिर चुके थे। टॉप-6 में से 5 बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू पाए। इसके बाद भी प्रियांश आर्या के शतक की मदद से पंजाब ने पहले खेलते हुए 6 विकेट पर 219 रन बनाए। चेन्नई 5 विकेट पर 201 रन बना पाई। महेंद्र सिंह धोनी ने 12 गेंदों पर 27 रनों की पारी खेली।

सलामी बल्लेबाज प्रियांश आर्या ने 39 गेंद पर आईपीएल इतिहास का चौथा सबसे तेज शतक जड़ा। उन्होंने 42 गेंद में नौ छक्कों और सात चौकों से 103 रन की पारी खेली। प्रियांश ने शशांक सिंह (नाबाद 52) के साथ उस समय छठे विकेट के लिए 34 गेंद में 71 रन की साझेदारी की जब टीम 83 रन पर पांच विकेट गंवाकर संकट में थी। शशांक ने इसके बाद मार्को यानसेन (नाबाद 34) के साथ सातवें विकेट के लिए 65 रन की अटूट साझेदारी करके टीम का स्कोर 200 रन के पार पहुंचाया।

शशांक ने 36 गेंद की अपनी पारी में तीन छक्के और दो चौके मारे जबकि यानसेन ने 19 गेंद का सामना करते हुए दो छक्के और दो चौके जड़े। सुपरकिंग्स के गेंदबाज काफी महंगे साबित हुए। खलील अहमद ने 45 जबकि रविचंद्रन अश्विन ने 48 रन देकर दो-दो विकेट चटकाए। मथीशा पथिराना ने चार ओवर में 52 रन लुटाए जबकि उन्हें कोई सफलता नहीं मिली। पंजाब ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया लेकिन तीसरे ओवर तक ही प्रभसिमरन सिंह (00) और कप्तान श्रेयस अय्यर (09) के विकेट गंवा दिए। प्रभसिमरन दूसरे ओवर में मुकेश चौधरी की गेंद को विकेटों पर खेल गए जबकि अगले ओवर में खलील ने अय्यर को भी बोल्ड कर दिया।प्रियांश ने मैच की पहली गेंद पर खलील पर छक्का जड़ा। प्रियांश ने इसी ओवर में एक और छक्का जड़ा।

उन्होंने मुकेश पर भी छक्का और फिर लगातार तीन चौके मारे। खलील ने मार्कस स्टोइनिस (04) को डेवोन कॉनवे के हाथों कैच कराके पंजाब को तीसरा झटका दिया। प्रियांश ने अश्विन पर छक्के के साथ सिर्फ 19 गेंद में अर्धशतक पूरा किया। अश्विन ने अपने अगले ओवर में निहाल वढेरा (09) और ग्लेन मैक्सवेल (01) को आउट करके पंजाब किंग्स का स्कोर पांच विकेट पर 83 रन किया।

प्रियांश ने 13वें ओवर में पथिराना पर लगातार तीन छक्कों और एक चौके के साथ सिर्फ 39 गेंद में आईपीएल इतिहास का चौथा सबसे तेज शतक पूरा किया लेकिन अगले ओवर में नूर की गेंद पर लॉन्ग ऑन पर विजय शंकर को कैच दे बैठे। शशांक को यानसेन के रूप में उम्दा जोड़ीदार मिला। शशांक ने नूर जबकि यानसेन ने पथिराना पर छक्का जड़ा। यानसेन ने पथिराना के पारी के अंतिम ओवर में भी छक्का जड़ा जबकि शशांक ने अंतिम गेंद में तीन रन के साथ 36 गेंद में अर्धशतक पूरा किया।

बांग्लादेश टेस्ट सीरीज़ के लिए ज़िम्बाब्वे टीम में सीन विलियम्स और क्रेग एर्विन की वापसी

नई दिल्ली, 08 अप्रैल (एजेंसियां)।

ज़िम्बाब्वे ने बांग्लादेश के खिलाफ आगामी दो टेस्ट मैचों की सीरीज़ के लिए सोमवार को अपनी टीम की घोषणा कर दी है, जिसमें अनुभवी खिलाड़ी सीन विलियम्स और कप्तान क्रेग एर्विन की वापसी हुई है। दोनों खिलाड़ी फरवरी में आयरलैंड के खिलाफ खेले गए पिछले टेस्ट मुकाबले से बाहर रहे थे। विलियम्स पीठ की चोट के कारण नहीं खेल पाए थे, जबकि एर्विन व्यक्तिगत कारणों से अंतिम समय पर हट गए थे।

तीन बदलावों के साथ घोषित हुई टीम ज़िम्बाब्वे ने टीम में तीन बदलाव किए हैं। विकेटकीपर-बल्लेबाज़ तफाद्ज़वा त्सिगा की दो साल बाद टीम में वापसी हुई है। उन्होंने अपना डेब्यू वेस्टइंडीज़ के खिलाफ किया था। उन्हें जॉयलॉर्ड गुम्बी की जगह शामिल किया गया है।

वेलिंगटन मसाकाड्ज़ा की भी टेस्ट टीम में वापसी हुई है। उन्होंने अब तक तीन टेस्ट खेले हैं और आखिरी बार वेस्टइंडीज़ दौरे पर नजर आए थे। उन्हें न्यूमैन न्यामहुरी की जगह टीम में लिया गया है।

काइटानो बाहर, मदेवेरे को बरकरार रखा गया

शीर्ष क्रम के बल्लेबाज़ तकुजवानाशे काइटानो को इस सीरीज़ के लिए टीम में जगह नहीं मिली है। उनकी जगह वेस्ली मदेवेरे को स्क्वॉड में बरकरार रखा गया है। गौरतलब है कि एर्विन की अनुपस्थिति में मदेवेरे को आयरलैंड टेस्ट में आखिरी वक्त पर टीम में शामिल किया गया था।

कहां और कब होंगे मैच

ज़िम्बाब्वे और बांग्लादेश के बीच दो टेस्ट मैचों की सीरीज़ क्रमशः सिलहट (20-24 अप्रैल) और चटगांव (28 अप्रैल-2 मई) में खेली जाएगी। यह ज़िम्बाब्वे का बांग्लादेश दौरे पर पहला टेस्ट सीरीज़ होगा, पिछली बार दोनों टीमों के बीच फरवरी 2020 में ढाका में एकमात्र टेस्ट खेला गया था।

सॉकर फुटबॉल प्रीमियर लीग

ब्रिटेन के लीसेस्टर में किंग पावर स्टेडियम में सॉकर फुटबॉल प्रीमियर लीग लीसेस्टर सिटी बनाम न्यूकैसल यूनाइटेड के दौरान न्यूकैसल यूनाइटेड के जैकब मर्फी ने लीसेस्टर सिटी के मैड्स हर्मानसेन को छकाते हुए अपनी टीम के लिए दूसरा गोल किया।

श्रीलंका में होने वाली त्रिकोणीय वनडे सीरीज के लिए भारतीय महिला टीम घोषित

हरमनप्रीत की वापसी, काश्वी गौतम को पहली बार मिला मौका

नई दिल्ली, 08 अप्रैल (एजेंसियां)।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने आगामी महिला त्रिकोणीय वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम का ऐलान कर दिया है। यह सीरीज श्रीलंका में खेली जाएगी, जिसमें भारत, मेज़बान श्रीलंका और दक्षिण अफ्रीका की टीमें हिस्सा लेंगी। इस स्कॉड में नियमित कप्तान हरमनप्रीत कौर की वापसी हुई है, जिन्हें आयरलैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज के दौरान आराम दिया गया था।

टीम में सबसे अहम नाम काश्वी गौतम का है, जिन्हें पहली बार भारतीय टीम में शामिल किया गया है। उन्होंने इस साल हुई विमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में शानदार प्रदर्शन करते हुए 11 विकेट झटके थे और शिखा पांडे के साथ संयुक्त रूप से भारतीय गेंदबाजों में सबसे अधिक विकेट लेने वाली खिलाड़ी रहीं। काश्वी तेज़ गेंदबाजी के साथ-साथ निचले क्रम में तेज़ बल्लेबाजी करने की क्षमता भी रखती हैं, जिससे उन्हें यह मौका मिला।

टीम से बाहर होने वालों में रेनुका सिंह ठाकुर, पूजा वस्त्रकार और तितास साधु जैसी तेज़ गेंदबाज़ शामिल हैं, जो फिलहाल चोटिल हैं। वहीं शीर्ष क्रम की बल्लेबाज़ शेफाली वर्मा को एक बार फिर चयनकर्ताओं ने नजरअंदाज किया है। टीम में दो और नए नामों को भी शामिल किया गया है। बाएं हाथ की स्पिनर एन श्री चारनी और शुचि उपाध्याय। शुचि को पिछले साल सीनियर विमेंस वनडे ट्रॉफी में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट घोषित किया गया था। त्रिकोणीय सीरीज की शुरुआत 27 अप्रैल को भारत बनाम श्रीलंका मुकाबले से होगी, जबकि फाइनल मुकाबला 11 मई को खेला जाएगा। हर टीम को लीग चरण में चार मुकाबले खेलने होंगे और टॉप दो टीमें फाइनल में जगह बनाएंगी।

भारतीय महिला टीम

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), प्रतीका रावल, हरलीन देओल, जेमिमा रोड्रिग्स, ऋचा घोष (विकेटकीपर), यस्तिका भाटिया (विकेटकीपर), दीप्ति शर्मा, अमनजोत कौर, काश्वी गौतम, स्नेह राणा, अरुंधति रेड्डी, तेजल हसबनीस, श्री चारनी, शुचि उपाध्याय।

रोलर स्केटिंग चैंपियनशिप का समापन, आंध्र प्रदेश 18 पदक जीतकर शीर्ष स्थान पर

नई दिल्ली, 08 अप्रैल (एजेंसियां)। लुधियाना के सराभा नगर स्थित लीज़र वैली स्केटिंग रिंग में पांच दिवसीय राष्ट्रीय पुरुष एवं महिला रोलर स्केटिंग चैंपियनशिप 2025 का भव्य समापन हो गया।

स्पेशल ओलंपिक्स भारत के पंजाब चैप्टर की इस प्रतियोगिता में आंध्र प्रदेश ने 18 पदक जीतकर शीर्ष स्थान हासिल किया।

यह टूर्नामेंट स्पेशल ओलंपिक्स वर्ल्ड समर गेम्स 2027 की तैयारियों का हिस्सा था और इसका उद्देश्य बौद्धिक अक्षमता से ग्रस्त खिलाड़ियों के लिए जागरुकता फैलाना और उन्हें उच्च स्तर के मंच प्रदान करना था।

चैंपियनशिप के समापन अवसर पर राज्यसभा सांसद संजीव अरोड़ा और लुधियाना के उपायुक्त हिमांशु जैन (आईएएस) मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया और इस आयोजन की सराहना की।

डॉ. मल्लिका नड्डा ने कहा, यह चैंपियनशिप केवल प्रतिस्पर्धा का मंच नहीं बल्कि समावेशन, गरिमा और हर खिलाड़ी की प्रतिभा को सम्मान देने का जरिया है। यहां हर कोई जुनून, आत्मविश्वास और समुदाय की भावना से जीतता है। उन्होंने पंजाब के एरिया डायरेक्टर परमजीत सचदेवा का धन्यवाद करते हुए कहा कि आइए, हम सब मिलकर एक ऐसे समाज की ओर बढ़ें, जहां हर खिलाड़ी को उसका हक़ और पहचान मिले। 2027 के स्पेशल ओलंपिक्स वर्ल्ड गेम्स की दिशा में यह पहला कदम है।

इस प्रतियोगिता में कुल 110 खिलाड़ी शामिल हुए, जिनमें 63 पुरुष और 47 महिला एथलीट शामिल थे। खिलाड़ी आठ अलग-अलग इवेंट्स - 30 मीटर स्ट्रेट, 30 मीटर स्लैलम, 100 मीटर, 300 मीटर, 500 मीटर, 1000 मीटर, रिले 2×200 मीटर और रिले 2×100 मीटर में उतरे। प्रतियोगिता में लगभग 60 कोच, स्वयंसेवक और अन्य स्टाफ ने भाग लिया।

पदक तालिका शीर्ष राज्यवार

- आंध्र प्रदेश - 18 पदक (6 स्वर्ण, 5 रजत, 7 कांस्य)
- गोवा - 15 पदक (4 स्वर्ण, 4 रजत, 7 कांस्य)
- हरियाणा - 15 पदक (7 स्वर्ण, 5 रजत, 3 कांस्य)
- गुजरात - 14 पदक (3 स्वर्ण, 5 रजत, 6 कांस्य)
- पंजाब - 13 पदक (6 स्वर्ण, 4 रजत, 3 कांस्य)
- चंडीगढ़ - 11 पदक (5 स्वर्ण, 3 रजत, 3 कांस्य)
- दिल्ली - 11 पदक (6 स्वर्ण, 3 रजत, 2 कांस्य)
- हिमाचल प्रदेश - 11 पदक (4 स्वर्ण, 2 रजत, 5 कांस्य)।
- महाराष्ट्र - 11 पदक (3 स्वर्ण, 3 रजत, 5 कांस्य)
- केरल - 8 पदक (1 स्वर्ण, 5 रजत, 2 कांस्य)।

जरूरत पड़ने पर म्युचुअल फंड पर आसानी से मिल जाता है सस्ता लोन

नई दिल्ली,08 अप्रैल (एजेंसियां)। अचानक पैसों की जरूरत पड़ने पर निवेशकों के लिए म्युचुअल फंड्स बेचकर पैसों का इंतजाम करना एक आसान लगता है। लेकिन इसका एक बड़ा नुकसान भी देखा गया है। ऐसे में एक सरल और आसान विकल्प म्युचुअल फंड्स पर लोन लेना भी है। इसमें निवेशक को अपने म्युचुअल फंड्स बेचने की जरूरत नहीं पड़ती, बल्कि वह उन्हें मॉर्गेज कर नकदी हासिल कर सकता है। यानी, म्युचुअल फंड पर लोन लेकर आप न केवल अपनी जरूरत को पूरा कर सकते हैं, बल्कि आपका निवेश भी बना रहता है और लॉन्ग टर्म वेल्थ क्रिएशन की राह में कोई रुकावट नहीं आती। म्युचुअल फंड पर लोन एक ऐसी सुविधा है, जिसमें निवेशक अपने म्युचुअल फंड यूनिट्स को गिरवी रखकर कर्ज ले सकते हैं। सेबी में एक रजिस्टर्ड निवेश सलाहकार कहते हैं, जब भी पैसों की कमी होती है, खासकर शॉर्ट टर्म जरूरतों में, तब म्युचुअल फंड होल्डिंग्स पर लोन लिया जा सकता है। यह आपके म्युचुअल फंड यूनिट्स को रिडीम करने से कहीं बेहतर विकल्प है। म्युचुअल फंड में निवेश आमतौर पर लॉन्ग टर्म जरूरतों को ध्यान में रखकर किया जाता है, इसलिए इन्हें छोटी अवधि की कैश जरूरतों के लिए रिडीम करना सही स्ट्रैटेजी नहीं है। ऐसी स्थितियों में म्युचुअल फंड पर लोन उठाना एक बेहतर प्रैक्टिकल सॉल्यूशन नजर आता है। इस तरह के फाइनेंस विकल्प पर ब्याज दर आमतौर पर क्रेडिट कार्ड या पर्सनल लोन जैसे अन्य विकल्पों की तुलना में कम होती है, क्योंकि यह एक सुरक्षित लोन होता है जो आपके म्युचुअल फंड यूनिट्स को गिरवी रखकर लिया जाता है।

आपका निवेश भी बना रहता है और लांग टर्म वेल्थ क्रिएशन में कोई रुकावट नहीं आती

न्यूज़ ब्रीफ

गोदरेज प्रॉपर्टीज की बिक्री बुकिंग बढ़कर 10,163 करोड़ हुई, सबसे बड़ी सूचीबद्ध रियल एस्टेट कंपनी के रूप में उभरने की संभावना

नई दिल्ली। रियल एस्टेट कंपनी गोदरेज प्रॉपर्टीज की वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में बिक्री बुकिंग वार्षिक आधार पर सात प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 10,163 करोड़ रुपये हो गई। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि समूचे वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी की बिक्री बुकिंग (प्री-सेल्स) 31 प्रतिशत बढ़कर 29,444 करोड़ रुपये रही। करीब 30,000 करोड़ रुपये की बिक्री बुकिंग के साथ गोदरेज प्रॉपर्टीज के 2024-25 में बिक्री बुकिंग के मामले में सबसे बड़ी सूचीबद्ध रियल एस्टेट कंपनी के रूप में उभरने की संभावना है। बाजार पूंजीकरण के लिहाज से डीएलएफ भारत की सबसे बड़ी रियल एस्टेट कंपनी है। गोदरेज प्रॉपर्टीज ने कहा कि जनवरी-मार्च तिमाही में उसकी बिक्री बुकिंग मूल्य के लिहाज से सालाना आधार पर सात प्रतिशत बढ़कर 10,163 करोड़ रुपये हो गई। कंपनी के अनुसार यह गोदरेज प्रॉपर्टीज द्वारा हासिल किया गया अब तक का सबसे अधिक तिमाही बुकिंग मूल्य है। गोदरेज प्रॉपर्टीज देश के अग्रणी रियल एस्टेट डेवलपर में से एक है। दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, मुंबई महानगर क्षेत्र, पुणे और बेंगलुरु आवासीय बाजार में उसकी मजबूत उपस्थिति है। इसने हाल ही में हैदराबाद में प्रवेश किया है।

वेदांता को वैश्विक साझेदार की तलाश कंपनी अगले तीन वर्षों में अपने परिचालन का महत्वपूर्ण विस्तार करेगी

नई दिल्ली। खनन कंपनी वेदांता विभिन्न क्षेत्रों में अपनी 20 अरब डॉलर की विस्तार परियोजनाओं के लिए वैश्विक साझेदार की तलाश कर रही है। कंपनी के अनुसार यह कदम वेदांता की रणनीतिक योजना के अनुरूप है जिसके तहत अगले तीन वर्षों में वह अपने परिचालन का महत्वपूर्ण विस्तार करेगी। इसके तहत कंपनी अपने कारोबार का चार इकाइयों वेदांता एल्युमीनियम, तेल एवं गैस, बिजली और लोहा एवं इस्पात में पुनर्गठन करेगी। जानकारी के अनुसार हम एक अनुभवी वैश्विक इंजीनियरिंग कंपनी की तलाश कर रहे हैं जिसे इंजीनियरिंग, खरीद व निर्माण प्रबंधन (ईपीसीएम) में अनुभव हो और जो हमारी परियोजनाओं को क्रियान्वित करने के लिए हमारे लिए एक विस्तारित कार्यालय के रूप में कार्य कर सके। कंपनी ने कहा कि वह अगले तीन वर्षों में धातु, खनन और हाइड्रो कार्बन क्षेत्र में विकास परियोजनाओं पर 20 अरब अमेरिकी डॉलर खर्च करेगी। ये परियोजनाएं इसके मौजूदा परिचालन का विस्तार है। इच्छुक कंपनियों को अपने प्रासंगिक अनुभव, 'प्रोफाइल' और वर्तमान में जारी परियोजनाओं के बारे में जानकारी देने के लिए आमंत्रित किया गया है। इसके लिए 30 अप्रैल तक आवेदन दिया सकते है। वेदांता के एक मुख्य वित्तीय अधिकारी ने पहले कहा था कि विभाजन अंतिम चरण में है। इसके इस वर्ष जून-जुलाई माह में पूरा होने की उम्मीद है।

एफडीआई प्रतिबंधित क्षेत्र में भारतीय कंपनियां विदेशी शेयरधारकों को दे सकती हैं बोनस शेयर

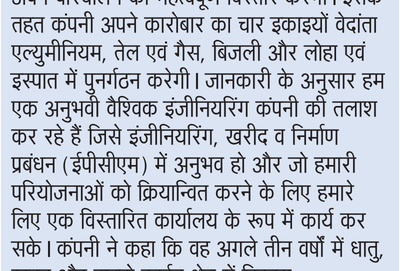

नई दिल्ली। सरकार ने स्पष्ट किया है कि एफडीआई (प्रत्यक्ष विदेशी निवेश) प्रतिबंधित क्षेत्र में काम कर रही कोई भी भारतीय कंपनी अपने पहले से मौजूद अनिवासी शेयरधारकों को बोनस शेयर जारी कर सकती है। यह निर्देश उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग द्वारा जारी किया गया है। बोनस शेयर जारी करते समय, सभी कानूनी नियमों और दिशानिर्देशों का पालन किया जाना चाहिए। डीपीआईआईटी के स्पष्टीकरण के अनुसार, इस नियम के तहत एफडीआई प्रतिबंधित क्षेत्रों में काम कर रहीं भारतीय कंपनियों को अपने विदेशी शेयरधारकों को बोनस शेयर देने की अनुमति है, अगर उनकी शेयरधारिता में कोई बदलाव न हो। एफडीआई का महत्व इसलिए है क्योंकि इससे भारत के बुनियादी ढांचा क्षेत्र में वृद्धि को बढ़ावा मिलेगा। विदेशी निवेशकों के लिए कुछ क्षेत्रों में सरकार की मंजूरी की आवश्यकता होती है, जैसे दूरसंचार, मीडिया, दवा और बीमा।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

कांग्रेस का...

पार्टी से निकाल दिया गया था। तुषार गोयल को पार्टी से क्यों निकाला गया, इस बारे में कांग्रेस ने कोई सफाई नहीं दी थी। तब भाजपा के नेता भी बात-बहादुरी के मैदान में कूद पड़े थे। कोई कुछ बोल रहा था, कोई कुछ। लेकिन जब ऊपर में मामला सेट हो गया तो भाजपा नेताओं ने चुप्पी साध ली। अब कोई कुछ भी नहीं बोल रहा।

ड्रग्स का यह अंतरराष्ट्रीय रैकेट दिल्ली के पॉश इलाके वसंत विहार से चल रहा था। भारत में रैकेट संचालित करने वाला तुषार गोयल कांग्रेस नेता राहुल गांधी के साथ-साथ सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा और हरियाणा इकाई के प्रमुख उदय भान सहित कई प्रमुख नेताओं के साथ जुड़ा था। बरामद की गई कोकीन दुबई से विभिन्न बंदरगाहों पर आई और सड़क मार्ग से दिल्ली लाई गई थी। हाइड्रोपोनिक मारिजुआना थाईलैंड के फुकेत से आया था। तुषार गोयल ने जांच एजेंसियों से बचने के लिए ट्रांजैक्शन क्रिप्टोकरेंसी में किया था। ड्रग्स तस्करी की आय का बड़ा हिस्सा बड़े लोगों तक पहुंचता था। इसी एवज में उसे राजनीतिक संरक्षण भी प्राप्त था। इसी बड़ी पहुंच में तुषार गोयल दुबई के एक व्यवसायी के साथ-साथ कुख्यात डी-कंपनी के साथ सीधे सम्पर्क में था।सिंडिकेट का नेटवर्क कोलंबियाई ड्रग कार्टेल के साथ भी जुड़ा था। इसी कोलंबियन कार्टेल के बिग-बॉस की बेटी वेरोनिक कार्टेली उर्फ जुनीता के साथ-साथ स्पैनिश अभिनेत्री एवं शीर्ष स्तर की राजनीतिक-दलाल नथालिया रामोस नाम भी सामने आया था। दुर्भाग्य से, भारत की ओर से इस गंभीर मामले की जांच में संदिग्ध चुप्पी सधी है। देश के मीडिया संस्थान भी इस मामले की अनदेखी करने और इसे दबाने की कोशिश कर रहे हैं, क्योंकि इस बड़े पैमाने पर नार्को-रैकेट के पीछे राजनेताओं और व्यापारियों सहित बेहद शक्तिशाली लोग शामिल हैं। गिरफ्तार तुषार गोयल को हिरासत में वीवीआईपी ट्रीटमेंट मिल रहा है और उससे ठीक से पूछताछ करने और उसके बॉस और इस कार्टेल के अन्य सदस्यों का नाम पता लगाने की कोई वास्तविक कोशिश नहीं की जा रही है।इस मामले में पंजाब के अमृतसर हवाई अड्डे से जितेंद्र पाल सिंह उर्फ जस्सी को भी गिरफ्तार किया गया था, जो ब्रिटेन भागने की फिराक में था। इस गिरफ्तारी से ड्रग्स कार्टेल के अंतरराष्ट्रीय लिंक पुख्ता हुए थे। जस्सी पिछले 17 साल से ब्रिटेन में स्थायी निवासी के रूप में रह रहा था। उसके खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी किया गया था। भारत पहुंचे ड्रग्स के विशाल कन्साइनमेंट का संचालन देखने के लिए ही वह भारत आया था। इसी ड्रग्स सिंडिकेट से जुड़े वीरेंद्र बसोया का भी नाम सामने आया था। बसोया दुबई में रहता है और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उसका मूवमेंट होता रहता है। बसोया के राजनेताओं और बड़े लोगों से सीधे लिंक हैं। महाराष्ट्र के पुणे की पुलिस ने दिल्ली में कई स्थानों से जो 3,000 करोड़ रुपए मूल्य की नशीली दवाएं जब्त की थीं, उसमें भी बसोया के लिंक सामने आए थे। बसोया ने अपने बेटे की शादी उत्तर प्रदेश के एक ताकतवर नेता (पूर्व विधायक) की बेटी से कराई थी। दिल्ली एयरपोर्ट के पास आलीशान फार्म हाउस में हुई इस शादी में तमाम बड़ी हस्तियां मौजूद थीं। बसोया को गिरफ्तार करने या दुबई से उसे भारत लाने के प्रयास के बारे में कभी सुना आपने? कभी नहीं। गृह मंत्रालय यह प्रयास कर ही नहीं रहा तो आप सुनेंगे कैसे...

33 लाख करोड़ ...

अगर आप सभी अमीरों का जोड़ भी दें तो भी उन्हें 33 लाख करोड़ रुपए नहीं मिले होंगे। 33 लाख करोड़ रुपए देश के सामान्य लोगों को दिए गए हैं। आज भारत के युवा, उनके पास जो इंटरप्रेन्योर स्किल है, अगर उन्हें थोड़ी सी मदद मिल जाए तो बहुत बड़े परिणाम मिलते हैं। ये मुद्रा योजना किसी भी सरकार के लिए आंख खोलने वाली है। इसमें सबसे ज्यादा महिलाएं आगे आई हैं।

आधिकारिक आंकड़े बताते हैं कि प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) के तहत 10 वर्षों में 32.61 लाख करोड़ रुपए मूल्य के 52 करोड़ से अधिक लोन दिए गए हैं। इस योजना से देशभर में उद्यमिता क्रांति को बढ़ावा मिला है। इससे व्यापार वृद्धि अब सिर्फ बड़े शहरों तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि यह छोटे शहरों और गांवों तक फैल रही है, जहां पहली बार उद्यमी अपने भाग्य की बागडोर संभाल रहे हैं। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना की शुरुआत 8 अप्रैल 2015 को की गई थी। तब से दस वर्षों के दौरान 32.61 लाख करोड़ रुपए के 52 करोड़ से ज्यादा लोन स्वीकृत किए गए हैं। यही वजह है कि लोग अब नौकरी चाहने वाले नहीं रह गए हैं, बल्कि वे नौकरी देने वाले बन रहे हैं। इस योजना से छोटे शहरों और गांवों तक कारोबार बढ़ाने में मदद मिली है। इस योजना से पहली बार कारोबार करने वाले लोगों को प्रोत्साहन भी मिला है।

एसकेओसीएच की आउटकम्स ऑफ मोदीनॉमिक्स 2014-24 की रिपोर्ट के मुताबिक 2014 से हर साल औसतन कम से कम 5.14 करोड़ व्यक्ति वर्ष रोजगार सृजित हुए हैं, जिसमें अकेले पीएमएमवाई ने 2014 से प्रति वर्ष औसतन 2.52 करोड़ स्थिर और टिकाऊ रोजगार जोड़े हैं। इस परिवर्तन का एक उदाहरण जम्मू-कश्मीर है, जिसे पीएम मुद्रा योजना के तहत अत्यधिक लाभ हुआ है और 20,72,922 मुद्रा लोन स्वीकृत किए गए हैं। वित्त मंत्रालय की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक इस योजना से महिलाओं को सशक्त बनाने में मदद मिली और 70 फीसदी से अधिक लोन महिला उद्यमियों के द्वारा लिए गए हैं, जिससे उनकी वित्तीय स्वतंत्रता बढ़ी है। इसके साथ ही लैंगिक समानता में योगदान मिला है। पीएम मुद्रा योजना के तहत पिछले नौ वर्षों में प्रति महिलाओं को दिए जाने वाले लोन राशि 13 फीसदी की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) से बढ़कर 62,679 रुपए हो गई। वहीं, प्रति महिला वृद्धिशील जमा राशि 14 फीसदी की सीएजीआर से बढ़कर 95,269 रुपए हो गई।

एसबीआई की एक रिपोर्ट के मुताबिक पिछले 10 वर्षों में पीएम मुद्रा योजना ने 52 करोड़ से अधिक लोन खाते खोलने में मदद की है, जो उद्यमशीलता गतिविधि में भारी उछाल को दर्शाता है। पीएम मुद्रा योजना के तहत किशोर लोन (50,000 से 5 लाख रुपए), जो बढ़ते व्यवसायों का समर्थन करते हैं, वित्त वर्ष 2016 में 5.9 फीसदी से बढ़कर वित्त वर्ष 2025 में 44.7 फीसदी हो गए हैं, जो छोटे उद्योगों की वास्तविक प्रगति को दर्शाता है। तरुण श्रेणी (5 लाख से 10 लाख रुपए) भी तेजी से आगे बढ़ रही है, जो साबित करती है कि पीमए मुद्रा योजना केवल व्यवसाय शुरू करने के बारे में नहीं है, बल्कि उन्हें बढ़ाने में मदद करती है। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) का उद्देश्य वित्तपोषित न होने वाले सूक्ष्म उद्यमों और छोटे व्यवसायों को वित्तपोषित करना है। इस योजना से देशभर के छोटे शहरों और गांवों तक कारोबार बढ़ाने में मदद मिली है। इससे पहली बार कारोबार करने वाले लोगों को प्रोत्साहन मिला है। उद्यमियों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से गैर-कॉर्पोरेट, गैर-कृषि लघु और सूक्ष्म उद्यमों को 10 लाख रुपए तक के जमानत-मुक्त ऋण प्रदान करने के लिए 8 अप्रैल, 2015 में यह योजना शुरु की गई थी। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत लाभार्थियों को तीन श्रेणियों में शिशु (50,000 रुपए तक), किशोर (50,000 से 5 लाख रुपए तक) और तरुण (5 लाख से 10 लाख रुपए तक) लोन मिलता है।पीएम मुद्रा योजना के लाभार्थियों से बात करने के दरम्यान कुछ ऐसे भी पल आए जब प्रधानमंत्री के मजाकिया अंदाज ने सभी का ध्यान अपनी तरफ खींचा। पीएम मोदी ने एक लाभार्थी से पूछा कि अभी आप हर महीने कितने का काम करते हैं। लाभार्थी के थोड़ा झिझकने पर प्रधानमंत्री मोदी ने मजाकिया अंदाज में कहा, डरो मत, इनकम टैक्स वाला नहीं आएगा। वित्त मंत्री मेरे बगल में बैठे हैं। मैं उनको बताता हूं। आपके यहां पर इनकम टैक्स वाला नहीं आएगा। इस बात पर पूरा हॉल ठहाकों से गूंज उठा।पीएम मोदी से एक लाभार्थी ने कहा, मैं आदित्य टेक लैब का संस्थापक हूं, जिसमें मैं 3-डी प्रिंटिंग, रिवर्स इंजीनियरिंग और रैपिड प्रोटोटाइपिंग करता हूं और थोड़ा बहुत रोबोटिक्स भी जानता हूं क्योंकि मैं मेकाट्रॉनिक का लास्ट ईयर का छात्र हूं। मैंने 2 लाख रुपए का मुद्रा लोन लिया और मैं सोमवार से शुक्रवार तक कॉलेज जाता हूं और फिर सप्ताहांत में मैं भावनगर में अपना काम करता हूं। तो अभी मैं 30,000 से 35,000 रुपए प्रति माह कमा रहा हूं। यूपी की एक महिला लाभार्थी ने पीएम मोदी से कहा, हम आपसे वादा करते हैं कि हम सब मिलकर भारत को विकसित भारत बनाएंगे। अब हमें सरकार से लाइसेंस लेने में कोई परेशानी नहीं होती। मैं बेकरी चलाती हूं। मेरा मासिक टर्नओवर 2.5 से 3 लाख रुपए है और हमारे पास 7 से 8 लोगों का स्टाफ है।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा...

सूक्ष्म-उद्यमियों ने आत्मविश्वास के साथ कदम आगे बढ़ाया है, यह एक ऐसी प्रणाली के द्वारा सक्षम किया गया है, जो उनकी क्षमता में विश्वास करती है। पीएमएमवाई ने गैर-कॉर्पोरेट, गैर-कृषि सूक्ष्म और लघु उद्यमों को संस्थागत ऋण प्रदान करके इन यात्राओं का समर्थन किया है जो भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं।

पांच दोषियों को ...

सिदीबापा उर्फ यासीन भटकल, पाकिस्तानी नागरिक जिया-उर-रहमान उर्फ वकास, असदुल्ला अख्तर उर्फ हड्डी, तहसीन अख्तर उर्फ मोनू और एजाज शेख सहित पांच सदस्यों को बम कांड का दोषी ठहराया था। शहर के भीड़भाड़ वाले शॉपिंग क्षेत्र दिलसुखनगर में 21 फरवरी 2013 को दो घातक विस्फोट हुए थे। तेलंगाना हाईकोर्ट ने इस मामले के आरोपियों को मौत की सजा देने के एनआईए कोर्ट के फैसले को सही ठहराया है। मंगलवार को हाईकोर्ट ने हैदराबाद ब्लास्ट मामले में अपना अंतिम फैसला सुनाया। हाईकोर्ट ने अख्तर, जिया-उर-रहमान, यासीन भटकल, तहसीन अख्तर और एजाज शेख को मौत की सजा सुनाई है। इन सभी पर बम धमाके करने का आरोप है। हाईकोर्ट ने कहा कि इन लोगों को इनके किए की सजा मिलनी चाहिए।

21 फरवरी 2013 को दिलसुखनगर बस स्टैंड के पास कुछ मिनटों के अंतराल में एक के बाद एक दो बम धमाके हुए थे। पहला बम धमाका बस स्टैंड के ठीक सामने हुआ था और दूसरा धमाका लगभग 150 मीटर की दूरी पर हुआ था। बम धमाका करने वाले हमलावरों ने बमों को टिफिन बॉक्स में छिपाकर रखा था। इन धमाकों में 18 लोगों की जान चली गई थी और 130 लोग घायल हो गए थे। एनआईए ने इस मामले की जांच की। जांच में पता चला कि इंडियन मुजाहिदीन नामक आतंकी संगठन का यासीन भटकल मुख्य आरोपी है। एनआईए ने यह भी बताया कि पांच और आतंकवादी भी इस हमले में शामिल थे। एनआईए ने उन सभी को कोर्ट में पेश किया। लंबी सुनवाई के बाद, एनआईए स्पेशल कोर्ट ने सभी पांच आरोपियों को मौत की सजा सुनाई थी। इसके बाद दोषियों ने हाईकोर्ट में अपील की थी। इस मामले का मुख्य दोषी रियाज भटकल अभी भी फरार है। पुलिस उसकी तलाश कर रही है। कोर्ट ने कहा कि उसे भी जल्द से जल्द पकड़कर सजा मिलनी चाहिए। यासीन भटकल जर्मन बेकरी सहित 10 आतंकी हमलों का मास्टरमाइंड था। वह हैदराबाद के दिलसुखनगर में सीरियल ब्लास्ट के अलावा मुंबई लोकल, बैंगलोर, जयपुर, वाराणसी, सूरत में हुए बम धमाके का भी आरोपी है। भटकल ने तीन साथियों के साथ मिल कर 13 जुलाई 2011 को मुंबई के ओपेरा हाउस, जावेरी बजार और दादर पश्चिम में तीन सिलसिलेवार बम धमाकों को अंजाम दिया था।दिलसुखनगर बम धमाकों के पीड़ितों ने हाईकोर्ट के फैसले का स्वागत किया है। पीड़ितों ने हाईकोर्ट के फैसले पर खुशी जाहिर की और एक-दूसरे को मिठाई खिलाई। दिलसुखनगर में मिर्ची सेंटर के मालिक के पांडू रेड्डी ने कहा कि हालांकि बहुत देर हो चुकी है, लेकिन कोर्ट के फैसले से पीड़ितों को न्याय मिलने का एहसास हुआ है। दिलसुख नगर में ही दो धमाके हुए थे। रेड्डी ने बताया कि मिर्ची सेंटर में 14 लोगों की मौत हुई थी। उनके रिश्तेदारों को भी इस धमाके में गंभीर चोटें आई थीं और उनमें से कुछ अभी भी उस सदमे से बाहर नहीं आ पाए हैं। रेड्डी परिवार के आधा दर्जन सदस्य घायल हो गए थे। इनमें से रेड्डी के साले बक्का रेड्डी को सुनने में अब भी दिक्कत आ रही है। हाईकोर्ट के फैसले के बाद रेड्डी ने कहा कि 2013 में तत्कालीन राज्य सरकार और बीआरएस सरकार उन्हें न्याय दिलाने में विफल रही। सरकार ने घायलों के इलाज के बाद का खर्च उठाने का वादा किया था, लेकिन कुछ भी नहीं हुआ, जिससे उन्हें खुद ही इलाज का खर्च उठाना पड़ रहा है।रेड्डी ने कहा, हम बिना किसी गलती के पीड़ित हैं। अदालत के फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि फैसला निश्चित रूप से उन्हें न्याय दिलाएगा, हालांकि बहुत देर हो चुकी है। फैसले के बाद राज्य सरकार और केंद्र को जल्द से जल्द अदालत के फैसले को लागू करने की औपचारिकताएं पूरी करने के लिए आवश्यक कदम उठाने चाहिए। उन्होंने सरकार से आतंकवादियों को तत्काल मौत की सजा देने का अनुरोध करते हुए कहा, हमें कितने साल इंतजार करना होगा। आतंकवादी अभी भी जेल में बंद हैं और सुविधाओं का आनंद ले रहे हैं और उन्हें विस्फोटों में निर्दोष लोगों की हत्या करने के अपने बर्बर कृत्य का कोई पछतावा नहीं है। आतंकवाद विरोधी मंच (एटीएफ) ने अदालत के फैसले का स्वागत करते हुए मांग की कि राज्य सरकार उन लोगों को सहायता प्रदान करे, जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है या विस्फोटों में प्रभावित हुए हैं। मंच के अध्यक्ष डॉ. रविनुथला शशिधर ने कहा कि आतंकवादियों को दी गई सजा जल्द से जल्द दी जानी चाहिए। साथ ही, कानून प्रवर्तन एजेंसियों को घातक विस्फोटों के पीछे के षड्यंत्रकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए।

जयपुर बम ब्लास्ट ...

तहत दोषी माना है। इनमें शाहबाज को छोड़कर अन्य को सीरियल ब्लास्ट के मामले में फांसी की सजा सुनाई गई थी, लेकिन हाईकोर्ट ने इन्हें बरी कर दिया था। फांसी की सजा के मामले में राज्य सरकार की अपील सुप्रीम कोर्ट में पेंडिंग है।

मुस्लिम बहुल ...

नटेसन के इस बयान से सबसे अधिक इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग को मिर्ची लगी। मुस्लिम लीग ने नटेसन के बयान पर आपत्ति जताई और कहा कि नटेसन का बयान सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने वाला बयान है।

आतंकी तहव्वुर...

इस दौरान एक आतंकी अजमल कसाब जिंदा पकड़ा गया था, जिसे 2012 में फांसी दी गई।

तहव्वुर राणा इस हमले का बड़ा किरदार था। वो पाकिस्तानी मूल का कनाडाई नागरिक है और शिकागो में फर्स्ट वर्ल्ड इमिग्रेशन सर्विसेज नाम की फर्म चलाता था। इस फर्म की एक ब्रांच मुंबई में भी थी, जिसके जरिए उसका दोस्त हेडली भारत आया और हमले की जगहों की रेकी की। राणा और हेडली बचपन के दोस्त थे। दोनों ने पाकिस्तान के हसन अब्दाल कैडेट स्कूल में पढ़ाई की थी। हेडली बाद में अमेरिका चला गया, जहां उसकी मां अमेरिकी और पिता पाकिस्तानी थे। राणा ने पाकिस्तानी सेना में डॉक्टर की नौकरी की, फिर कनाडा जाकर वहां की नागरिकता ले ली।

भारत की जांच एजेंसी एनआईए ने 405 पन्नों की चार्जशीट में राणा को मुख्य आरोपियों में शामिल किया था। चार्जशीट कहती है कि राणा ने लश्कर-ए-तैयबा और आईएसआई के साथ मिलकर हमले की साजिश रची। उसने हेडली को फर्जी कागजात और पैसा दिया, ताकि वो मुंबई में टारगेट ढूंढ़ सके। राणा को पता था कि हेडली किससे मिल रहा है और क्या प्लान कर रहा है। उसने हमले की पूरी योजना में साथ दिया। अमेरिकी कोर्ट में राणा ने माना था कि उसे हेडली के लश्कर से रिश्तों की जानकारी थी। एफबीआई ने उसे 2009 में शिकागो से पकड़ा था। हेडली को भी अमेरिका में 2009 में गिरफ्तार किया गया था। 2013 में उसे 35 साल की सजा सुनाई गई। वो अमेरिकी नागरिक है, और भारत उसका भी प्रत्यर्पण चाहता है। हेडली ने मुंबई में कई जगहों की रेकी की थी-ताज होटल, उड्ढ, नरीमन हाउस। राणा ने अपनी फर्म के जरिए हेडली को कवर दिया। चार्जशीट में साफ है कि राणा ने आतंकियों को ठहरने की जगह और टारगेट चुनने में मदद की। वो हमले का ब्लूप्रिंट बनाने में शामिल था।

ढीले पड़े कई...

वहीं प्रतिशत के मामले में ये एक दिन में छठा सबसे बड़ा क्रैश है। सेंसेक्स में एक दिन में 2227 पॉइंट्स की गिरावट दर्ज की गई। सबसे ज़्यादा क्षति यहां टाटा समूह को पहुंची, जिसे 2.40 लाख करोड़ रुपए का नुकसान उठाना पड़ा। रिलायंस को 1.30 लाख करोड़ रुपए और अडानी समूह को 61,000 करोड़ रुपए का घाटा हुआ। हालांकि, इन आंकड़ों के बीच एक आंकड़ा यह भी है कि अप्रैल 2025 के पूरे पहले सप्ताह की बात करें तो बड़े वैश्विक बाजारों में सबसे कम असर भारत पर ही पड़ा। जैसा कि आप नीचे दिए गए टेबल में देख सकते हैं, भारत में निफ्टी एक सप्ताह में 4.33% घटा और सेंसेक्स 3.79%, जबकि अमेरिका, जापान, हॉन्गकॉन्ग, चीन, यूरोप, जापान, दक्षिण कोरिया और जर्मनी में इससे बड़ी गिरावट दर्ज की गई।

ऊपर दी गई तालिका में 1 अप्रैल एवं 7 अप्रैल 2025 के बीच के शेयर बाजारों के अंकों की तुलना की गई है और प्रतिशत के हिसाब से बताया गया है कि किस देश का बाजार कितना गिरा। सबसे अधिक मार हॉन्गकॉन्ग पर पड़ी है, जहां का बाजार 14.55% गिर गया, मात्र एक सप्ताह में। उसके बाद जर्मनी को 12.64% जापान को 12.59% और यूरोप को 12.36% की गिरावट झेलनी पड़ी। कई विपक्षी नेता भारत में शेयर मार्केट गिरने के लिए मोदी सरकार को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं, उन्हें ये आंकड़े देखने चाहिए।

सिम कार्डों में...

आम तौर पर टेलीकॉम कंपनियां सर्टिफाइड वेंडर्स से सिम कार्ड्स मंगवाती हैं। ये वेंडर्स चिप्स को विश्वसनीय स्रोतों जैसे वियतनाम या ताइवान से मंगवाकर भारत में ही उनका असेंबली, पैकेजिंग और सीरियलाइजेशन करते हैं, लेकिन जांच में सामने आया कि कुछ वेंडर्स ने ट्रस्टेड सोर्स सर्टिफिकेशन का दुरुपयोग किया। पहले उन्होंने यह दर्शाया कि उनके द्वारा उपयोग किए गए चिप्स विश्वसनीय स्रोतों से आए हैं, लेकिन बाद में पता चला कि कुछ चिप्स वास्तव में चीन से मंगवाए गए थे।

मार्च 2021 में दूरसंचार विभाग ने यूनिफायड एक्सेस सर्विस लाइसेंस प्रक्रिया में संशोधन किया था, जिसमें कहा गया था कि टेलीकॉम कंपनियां किसी अविश्वसनीय वेंडर से उपकरण नहीं खरीद सकेंगी। एनसीएससी को यह जिम्मेदारी दी गई कि वह केवल विश्वसनीय आपूर्तिकर्ताओं को ही मंजूरी देगा, लेकिन जांच में पाया गया कि कुछ वेंडर्स ने इस प्रणाली का भी दुरुपयोग किया और उनके द्वारा आपूर्ति किए गए चिप्स में चीनी घटक शामिल थे। इसलिए प्रभावित सिम कार्ड 2021 से पहले और बाद के समय दोनों से जुड़े हो सकते हैं।

गुरु प्रदोष व्रत कल

सनातन धर्म में प्रदोष व्रत को अत्यंत महत्वपूर्ण माना गया है। यह व्रत भगवान शिव और माता पार्वती की आराधना के लिए विशेष रूप से समर्पित होता है। शिव पुराण में भी इस व्रत की महिमा का विस्तृत उल्लेख मिलता है। विशेषकर महिलाएं भगवान शिव की कृपा प्राप्त करने हेतु इस व्रत का पालन करती हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, प्रदोष व्रत करने से व्यापार और करियर में सफलता प्राप्त होती है। इस व्रत को करने वाली महिलाओं के जीवन में कभी किसी प्रकार की कमी नहीं रहती। साथ ही अविवाहित कन्याओं की विवाह संबंधी बाधाएं भी दूर हो जाती हैं। इस बार अप्रैल का महीना शिवभक्तों के लिए बेहद खास और विशेष है। चैत्र माह की शुक्ल पक्ष त्रयोदशी तिथि पर पड़ने वाला गुरु प्रदोष व्रत इस वर्ष अप्रैल 2025, गुरुवार को आ रहा है और वो भी एक अत्यंत शुभ योग के साथ।

इस दिन किया जाएगा प्रदोष का व्रत

आपको बता दें कि इस बार त्रयोदशी तिथि की शुरुआत 9 अप्रैल की रात 10:55 बजे से हो रही है और यह 11 अप्रैल की रात 1:00 बजे तक जारी रहेगी। लेकिन व्रत का निर्धारण उदया तिथि के अनुसार होता है, इसलिए यह पुण्य व्रत 10 अप्रैल को ही रखा जाएगा। यानी की इस बार प्रदोष का व्रत 10 अप्रैल को ही किया जाएगा।

यह है शिव पूजा का शुभ मुहूर्त

जो भक्त महादेव की पूजा प्रदोष काल में करते हैं, उन्हें विशेष फल की प्राप्ति होती है। इस बार प्रदोष काल शाम 6:44 बजे से रात 8:59 बजे तक रहेगा। यही वह समय है जब शिव शंकर अपने भक्तों की भक्ति से प्रसन्न होकर उन्हें कृपा का आशीर्वाद देते हैं। ऐसे में आप पूजन सामग्री की पहले से ही तैयारी कर लें और सही विधि अनुसार ही पूजा करें।

क्या है गुरु प्रदोष व्रत

जब प्रदोष व्रत गुरुवार को पड़ता है तो उसे गुरु प्रदोष व्रत कहा जाता है। यह दिन गुरु बृहस्पति और भगवान शिव दोनों की कृपा पाने का द्वार खोलता है। धर्मग्रंथों के अनुसार, इस दिन विधि पूर्वक उपवास, ध्यान और शिवपूजन करने से जीवन के दोष समाप्त होते हैं और शुभता का भी वास होता है।

ऐसे करें पूजा

गुरु प्रदोष व्रत में शिवलिंग पर जल, दूध या पंचामृत से अभिषेक करना, बेलपत्र, धतूरा और सफेद फूल अर्पित करना विशेष फलदायक माना गया है। साथ ही, प्रदोष व्रत कथा का श्रवण कर व्रत को पूर्ण किया जाता है। माना जाता है कि यह व्रत हर प्रकार की बाधा और संकट से रक्षा करता है। तो इस 10 अप्रैल को महादेव को प्रसन्न करने के लिए पूरे विधि विधान से ही पूजा करें।

प्रदोष व्रत को करें ये काम तो बनी रहेगी महादेव की कृपा

हर महीने की त्रयोदशी तिथि पर प्रदोष व्रत किया जाता है, इस प्रकार महीने में दो बार प्रदोष व्रत आता है। यह तिथि भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए काफी खास मानी गई है। ऐसे में अगर आप गुरु प्रदोष व्रत के दिन ये काम करते हैं, तो इससे आपको शिव जी की विशेष कृपा की प्राप्ति हो सकती है।

इस विधि से करें पूजा

प्रदोष व्रत के दिन सुबह जल्दी उठकर शिव जी का ध्यान कर व्रत का संकल्प लें। स्नान करने के बाद पूजा स्थल की अच्छे से साफ-सफाई कर लें। इसके बाद घर में ही या फिर मंदिर जाकर शिवलिंग का साधारण जल में थोड़ा-सा गंगा जल मिलाकर अभिषेक करें।

इसके बाद शिव जी को दही, शहद, बेलपत्र आदि अर्पित करें और सफेद वस्तु जैसे मिठाई आदि का भोग लगाएं। इस दौरान मन-ही-मन ॐ नमः शिवाय: का जप करते रहें। अंत में घी का दीपक जलाकर शिव जी का आरती करें।

जरूर करें ये काम

प्रदोष व्रत के दिन जल में काले तिल और गुड़ मिलाकर शिवलिंग पर अर्पित करना काफी शुभ माना जाता है। इसी के साथ गुरु प्रदोष व्रत के दिन दान का भी विशेष महत्व माना गया है। ऐसे में आप इस दिन पर जरूरतमंद लोगों में पीले कपड़े, पीली मिठाई, चने की दाल, हल्दी, आदि का दान कर सकते हैं। इससे महादेव प्रसन्न होते हैं और साधक पर अपनी दया दृष्टि बनाए रखते हैं।

जरूर करें ये स्तुति

।।संपूर्ण नटराज स्तुति पाठ।।
सत सृष्टि तांडव रचयिता
नटराज राज नमो नमः
हेआद्य गुरु शंकर पिता
नटराज राज नमो नमः
गंभीर नाद मृदंगना धबके उरे ब्रह्माडना
नित होत नाद प्रचंडना
नटराज राज नमो नमः
शिर ज्ञान गंगा चंद्रमा चिद्ब्रह्म ज्योति ललाट मां
विषनाग माला कंठ मां
नटराज राज नमो नमः
तवशक्ति वामांगे स्थिता हे चंद्रिका अपराजिता
चहु वेद गाए संहिता

भगवान शिव को कैसे मिले नाग और चंद्र देव?

सनातन धर्म में भगवान शिव की पूजा-अर्चना करने का विशेष महत्व है। महादेव की कृपा प्राप्त करने के लिए सोमवार का दिन शुभ माना जाता है। धार्मिक मान्यता है कि सोमवार व्रत करने से विवाह में आ रही समस्या से छुटकारा मिलता है। साथ ही जल्द विवाह के योग बनते हैं। इसके अलावा जातक को मनचाहा वर मिलता है। इस दिन विशेष चीजों का दान भी करना चाहिए।

मान्यता है कि दान करने से धन लाभ के योग बनते हैं। साथ ही सुख-समृद्धि में वृद्धि होती है। भगवान शिव गले में नाग और माथे पर चंद्रमा धारण करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि भगवान शिव को कैसे मिले नाग और चंद्र देव? अगर नहीं पता, तो आइए जानते हैं इसके बारे में विस्तार से।

महादेव ने मस्तक पर क्यों धारण किए चंद्र देव?

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि भगवान शिव के मस्तक पर चंद्र देव और गले में नाग धारण का शिवपुराण में वर्णन है। पौराणिक कथा के अनुसार, जब राक्षस और देवताओं के बीच समुद्र मंथन हुआ था। तो इस दौरान विष निकला था। इससे विष का पान महादेव ने किया था, जिसकी वजह से उनका शरीर जलने लगा था, क्योंकि विष की ज्वाला बहुत तीव्र थी। ऐसे में देवी-देवताओं ने महादेव से प्रार्थना की कि वह अपने मस्तक पर चन्द्रमा को धारण करें, जिसकी मदद से उन्हें शीतलता प्राप्त होगी। महादेव ने मस्तक पर चंद्र देव को धारण किया। इससे शिव जी को शीतलता मिली। धार्मिक मान्यता के अनुसार, तभी से भगवान शिव के मस्तक पर चंद्रमा विराजमान हैं।

पौराणिक कथा के अनुसार, भगवान शिव के गले में नाग धारण करने की कथा समुद्र मंथन से जुड़ी है। भगवान शिव के भक्त वासुकी थे, जिन्हें नागराज वासुकी के नाम से जाना जाता था। वह हमेशा महादेव की पूजा-अर्चना करते थे। समुद्र मंथन के समय नागराज वासुकी ने रस्सी के रूप में काम किया था। नागराज वासुकी की पूजा से महादेव प्रसन्न हुए और उन्होंने नागलोक का राजा बना दिया। साथ भगवान शिव ने अपने गले में नाग धारण किया।

ऐसे करें महादेव को प्रसन्न

अगर आप मनचाहा वर पाना चाहते हैं, तो सोमवार के दिन सुबह स्नान करने के बाद सूर्य देव को जल दें। इसके बाद विधिपूर्वक भगवान शिव और मां पार्वती की पूजा-अर्चना करें। इस दौरान प्रभु को सफेद चंदन, बेलपत्र, काले तिल और भांग अर्पित करें। मान्यता है कि इस उपाय को करने से भगवान शिव जल्द प्रसन्न होते हैं। साथ ही मनचाहा वर मिलता है।

काशी विश्वनाथ मंदिर में कब की जाती है शयन आरती और क्या है धार्मिक महत्व?

प्रत्येक माह के कृष्ण और शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि पर प्रदोष व्रत रखा जाता है। इस दिन देवों के देव महादेव और जगत की देवी मां पार्वती की पूजा की जाती है। त्रयोदशी के दिन व्रत भी रखा जाता है। इस व्रत को करने से साधक के जीवन में मंगल का आगमन होता है। साथ ही सभी प्रकार के दुख एवं संकट दूर हो जाते हैं।

ज्योतिष भी जीवन में व्याप्त सभी प्रकार के संकटों से मुक्ति पाने के लिए देवों के देव महादेव की पूजा करने की सलाह देते हैं। भगवान शिव बेहद कृपालु और दयालु हैं। अपने भक्तों पर विशेष कृपा बरसाते हैं। उनकी कृपा से साधक के जीवन में नया सवेरा होता है। बड़ी संख्या में भक्तजन बाबा का आशीर्वाद लेने के लिए काशी स्थित विश्वनाथ मंदिर जाते हैं। इस मंदिर में भगवान शिव के दर्शन मात्र से सभी दुख दूर हो जाते हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि विश्वनाथ मंदिर में शयन आरती कब की जाती है? आइए, इसके बारे में सबकुछ जानते हैं।

काशी को बाबा की नगरी कहा जाता है। इस नगरी का कोतवाल भगवान शिव के रौद्र रूप काल भैरव देव हैं। यह नगर गंगा नदी के तट पर बसा है। काशी में रोजाना संध्याकाल के दौरान गंगा आरती का आयोजन किया जाता है। काशी का इतिहास सदियों पुराना है। सनातन शास्त्रों में काशी का उल्लेख है। चिरकाल में भगवान शिव को काशी में ब्रह्म वध से मुक्ति मिली थी। उस समय से काशी भगवान शिव का निवास स्थान बन गया। इस पावन नगरी में काशी विश्वनाथ मंदिर है। इस मंदिर में भगवान शिव की पूजा की जाती है।

धार्मिक मत है कि काशी विश्वनाथ मंदिर में महाकाल के दर्शन करने से साधक की हर मनोकामना पूरी होती है। साथ ही महादेव की कृपा से जीवन में व्याप्त सभी प्रकार के दुख एवं संकट दूर हो जाते हैं। बाबा के दरबार में पांच समय आरती की जाती है। इनमें शयन आरती अंत में की जाती है। भक्त जन आरती में शामिल होते हैं। इसके लिए नियम भी बनाए गए हैं।

कब होती है शयन आरती?

काशी विश्वनाथ मंदिर में शयन आरती रोजाना रात 10 बजकर 30 मिनट से लेकर रात 11 बजे तक की जाती है। शयन आरती मध्य रात्रि से डेढ़ घंटा पहले किया जाता है। शयन आरती में शामिल होने की शुल्क 300 रुपये है। इस आरती में 12 साल तक के बच्चों को निशुल्क प्रवेश की अनुमति है।

शयन आरती

धार्मिक मत है कि शयन आरती करने से साधक पर महादेव की कृपा बरसती है। उनकी कृपा से साधक को सभी संकटों से मुक्ति मिलती है। भगवान शिव की कृपा से सुख और सौभाग्य में वृद्धि होती है। बड़ी संख्या में भक्तजन शयन आरती में शामिल होते हैं।

कब और कैसे हुई रुद्राक्ष की उत्पत्ति?

पहनने से मिलते हैं कई चमत्कारी लाभ

प्रदोष व्रत के दिन भगवान शिव और मां पार्वती की विधिपूर्वक पूजा-अर्चना करने का विधान है। साथ ही जीवन के संकटों से छुटकारा पाने के लिए व्रत भी किया जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस व्रत को सच्चे मन से करने से व्यक्ति को

मनचाहा करियर प्राप्त होता है और जीवन में आ रही सभी समस्याएं दूर होती हैं। इस दिन रुद्राक्ष पहनने का विशेष महत्व है। रुद्राक्ष का भगवान शिव से गहरा संबंध माना जाता है। रुद्राक्ष का वर्णन शिव पुराण और स्कंद पुराण में देखने को मिलता है।

जो व्यक्ति रुद्राक्ष को धारण और विशेष नियम का पालन करता है। इसे जीवन में किसी भी समस्या का सामना नहीं करना पड़ता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि रुद्राक्ष की उत्पत्ति कब और कैसे हुई?

इस तरह हुई रुद्राक्ष की उत्पत्ति

पौराणिक कथा के अनुसार, प्राचीन समय में एक त्रिपुरासुर नाम का असुर था। उसे अपनी शक्ति का अधिक घमंड था। उसने धरती लोक पर हाहाकार मचा रखा था। उसने देवताओं को परेशान किया था और कोई भी देवता उस असुर को हरा नहीं पा रहा था। ऐसे में सभी देवता परेशान हुए और उन्होंने त्रिपुरासुर से छुटकारा पाने के लिए महादेव की शरण में पहुंचे। इस दौरान भगवान शिव योग मुद्रा में तपस्या कर रहे थे।

जब महादेव की तपस्या खत्म हुई, तो उनकी आंखों से धरती पर आंसू गिरे। मान्यता के अनुसार, जहां-जहां पर महादेव के आंसू गिरे, उसी जगह पर रुद्राक्ष के वृक्ष उगे। इसी वजह से इन वृक्षों के फल को रुद्राक्ष के नाम से जाना गया। इसके बाद महादेव ने त्रिपुरासुर का अंत किया। इसी प्रकार चिर काल में रुद्राक्ष की उत्पत्ति हुई।

रुद्राक्ष पहनने से मिलते हैं ये लाभ

जीवन में आध्यात्मिक विकास होता है।
मन शांत रहता है।
व्यक्ति पर हमेशा महादेव की कृपा बनी रहती है।
सभी पापों से छुटकारा मिलता है।
शारीरिक रोग दूर होते हैं।
जीवन में डर समाप्त होते हैं।
कितने प्रकार के होते हैं रुद्राक्ष

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि 14 प्रकार के रुद्राक्ष होते हैं,जिनका सभी का विशेष महत्व है। रुद्राक्ष को पहनने के लिए पूर्णिमा, सावन सोमवार और प्रदोष व्रत माना जाता है।

कठिन होने के साथ-साथ पुण्यकारी भी है अमरनाथ यात्रा

अमरनाथ की गुफा में बनने वाले प्राकृतिक शिवलिंग के दर्शन के लिए भक्तों की भारी भीड़ उमड़ती है। इन्हें बाबा बर्फानी और अमरेश्वर नाम से भी जाना जाता है। हर साल लोग हिमालय में स्थित पवित्र गुफा मंदिर तक पहुंचने के लिए कठिन तीर्थयात्रा करते हैं। अमरनाथ की गुफा समुद्र तल से लगभग 3,978 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है, इसलिए यह यात्रा काफी कठिन होती है। ऐसे में चलिए जानते हैं अमरनाथ यात्रा का इतना महत्व क्यों माना गया है।

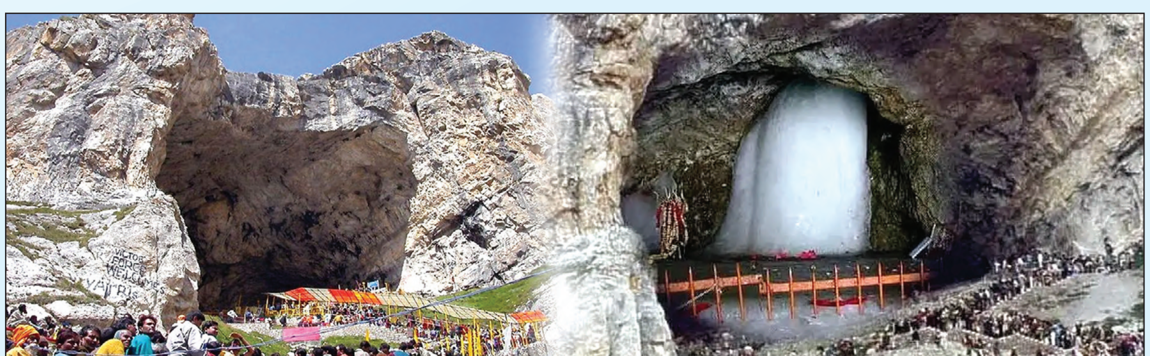

क्यों खास है यह गुफा

पौराणिक कथा के अनुसार, इसी पवित्र गुफा में भगवान शिव ने माता पार्वती को अमर कथा सुनाई थी, जिसे वहां मौजूद एक कबूतर के जोड़े ने सुन लिया था। कहा जाता है कि वह कबूतर का जोड़ा आज भी गुफा में स्थित है, जो अमर पक्षी के नाम से प्रसिद्ध हैं। यह माना जाता है कि जो भक्त श्रद्धा पूर्वक अमरनाथ की यात्रा व बाबा बर्फानी के दर्शन करता है, उसके सभी पाप नष्ट हो जाते हैं और उसके लिए मोक्ष के द्वार खुलते हैं।

शिव जी ने त्यागी थी ये चीजें

जब माता पार्वती को अमर कथा सुनाने के लिए भगवान शिव एक एकांत जगह की तलाश कर रहे थे, तो उन्होंने अमरनाथ की गुफा में पहुंचने से पहले नंदी, सर्प, चंद्रमा और जटाओं में विराजमान गंगा का त्याग किया था। सबसे पहले शिव जी ने पहलगांव में नंदी का त्याग किया। इसके बाद जिस स्थान पर महादेव ने चंद्रमा का त्याग किया, उसे आज चंदनवाड़ी के नाम से जाना जाता है।

आगे बढ़ने के बाद भगवान शिव ने अपने गले में विराजमान सर्प का त्याग किया, जिस कारण उन स्थान का नाम शेषनाग पड़ा। आखिर में भगवान भोलेनाथ ने जहां अपनी जटाओं से मां गंगा का त्याग किया, उस स्थान को पंचतरणी के नाम से जाना गया।

अमरनाथ यात्रा का महत्व

कई पुराणों जैसे बृंगेश संहिता, नीलमत पुराण आदि में अमरनाथ यात्रा के महत्व का वर्णन मिलता है। शास्त्रों व पुराणों के अनुसार, अमरनाथ यात्रा से साधक को 23 तीर्थों के दर्शन करने जितना पुण्य प्राप्त होता है।

वहीं बाबा अमरनाथ के दर्शन से काशी में दर्शन का दस गुना, प्रयाग से सौ गुना और नैमिषारण्य से हजार गुना अधिक पुण्य मिलता है। इसके महत्व को देखते हुए यह कहा जाता है कि हर व्यक्ति को अपने जीवन में एक बार अमरनाथ यात्रा जरूर करनी चाहिए।

नाम बदलने से चमके ये बॉलीवुड सितारे

जिसमें शामिल हैं – मनोज कुमार, दिलीप कुमार, अमिताभ बच्चन...

शेक्सपियर के ड्रामा रोमियो एंड जूलियट का लोकप्रिय डायलॉग है जिसका हिंदी में सीधा सादा सा तर्जुमा है–'नाम में क्या रखा है।' हमारे हिंदी सिने जगत के कई सितारे हैं जिन्होंने इस बात की गांठ बांध ली और फिर नाम में ऐसा बदलाव किया कि लोगों के दिलोदिमाग पर छा गए। रील नेम से इतने लोकप्रिय हुए कि रियल नेम की ओर किसी का ध्यान ही नहीं गया। हम आपको 60–70 के ऐसे ही सुपर स्टार्स से रूबरू करा रहा हैं। इस लिस्ट में अमिताभ बच्चन से लेकर संजीव कुमार तक शामिल हैं। हिंदी सिनेमा जगत के कभी टॉप स्टार रहे दिलीप कुमार। 60 का दौर हो या फिर आज का, एक्टर्स उनकी एक्टिंग के कायल हैं। हमारी इंडस्ट्री के इस बड़े सितारे का नाम भी असल नहीं था, ये उनका फिल्मी नाम था। ओरिजनल नाम मुहम्मद यूसुफ खान था। एक मुलाकात के दौरान देविका रानी ने कुमार से पूछा था, 'क्या आप अभिनय करना चाहते हैं? और जवाब आया हां। देविका रानी ने यूसुफ खान का नाम बदलने का प्रस्ताव दिया और उनका नाम दिलीप कुमार पड़ गया। इस नाम ने उन्हें प्रसिद्धि भी खूब दिलाई।

इनके ही एक फैन थे अभिनेता मनोज कुमार। बॉलीवुड के भारत कुमार किसी पहचान के मोहताज नहीं। सभी जानते हैं कि उनका असली नाम मनोज नहीं था। उन्होंने खुद एक इंटरव्यू में स्वीकारा था। बताया कि ये नाम दिलीप साहब की 'शबनम' से इंस्पायर्ड था। उन्होंने इस फिल्म को देखकर अपना नाम हरिकृष्ण गिरि गोस्वामी से बदलकर मनोज कुमार रख लिया। शबनम में दिलीप कुमार का स्क्रीन नेम मनोज था।

बात एवरग्रीन स्टार देव आनंद की! देव आनंद, जिनका चार्म बॉलीवुड से लेकर हॉलीवुड तक था। लोग उनके अलग अंदाज अभिनय के कायल थे। हालांकि, इस शानदार कलाकार के असली नाम के बारे में ज्यादा लोग नहीं जानते होंगे। अभिनेता का असली नाम धर्मदेव पिशोरीमल आनंद था। वह इंडस्ट्री में देव आनंद के नाम से लोकप्रिय हुए। घर वाले उन्हें चीरू कहकर बुलाते थे। बतौर हीरो देव

आनंद की पहली फिल्म साल 1946 में 'हम एक हैं' थी, जो फ्लॉप रही और वह नाम बनाने में नाकामयाब रहे। धर्मदेव दर्शकों के बीच अपनी पहचान नहीं बना सके थे। इसके बाद उनकी साल 1948 में फिल्म जिद्दी आई, जिसमें उनका नाम देव था। फिल्म सफल रही और उन्होंने अपने रील नेम को ही रियल के तौर पर चुन लिया।

इन सबसे थोड़ी हटकर कहानी संजीव कुमार की थी। उन्हें न किसी ने कहा, न वो किसी से प्रभावित हुए बल्कि उन्हें खुद लगा तो एक नेक सलाह ली और नाम बदल दिया। उनका असली नाम हरिहर जेठालाल जरीवाला है। गुजराती परिवार में जन्मे अभिनेता का मानना था कि उनका असली नाम अभिनेता होने के हिसाब से सही नहीं है। ऐसे में उन्होंने नाम बदलने की सोची और निर्देशक कमाल अमरोही के सुझाव को आत्मसात कर हरिहर जेठालाल जरीवाला से संजीव कुमार बन गए।

बात सदी के महानायक बिग बी की। इनके नेम चेंज की कहानी भी दिलचस्प है। अमिताभ का असली नाम इंकलाब श्रीवास्तव है। उनके पिता और साहित्यकार हरिवंश राय बच्चन ने छायावादी कवि सुमित्रानंदन पंत के कहने पर अपने बेटे का नाम इंकलाब से बदलकर अमिताभ रख दिया था। ये नाम हमारी इंडस्ट्री की पहचान के साथ जुड़ गया, ऐसा नाम जिसकी गूंज सात समंदर पार तक है।

फिल्म के सेट पर हुई थी अमिताभ से जया की पहली मुलाकात, सहेलियों से हो जाती थी नोकझोंक

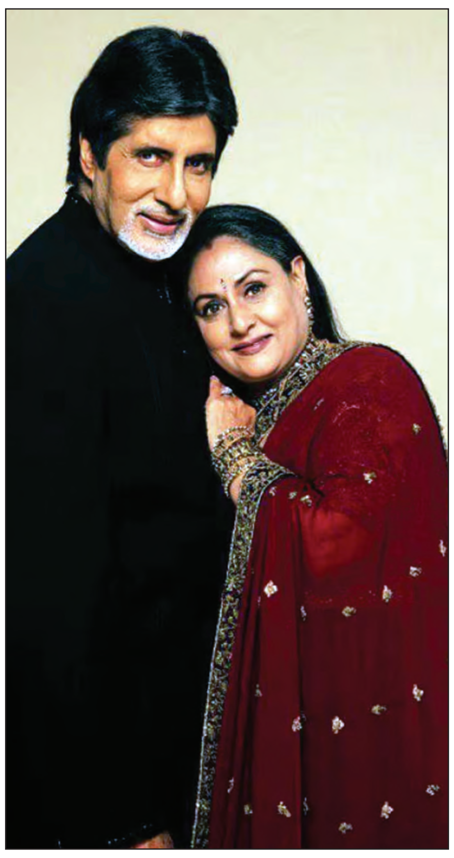

खूबसूरती और सादगी के साथ अभिनय में महारत हासिल करने वाली बीते दौर की अभिनेत्री की बात करें तो जया बच्चन का चेहरा आंखों के सामने आना लाजमी है। अभिनय के साथ ही राजनीतिक जगत में भी सफल रहीं जया के 77वें जन्मदिन के अवसर पर आइए उनकी प्रेम कहानी के पन्ने को पलटते हैं और देखते हैं, उसमें क्या-क्या लिखा है।

9 अप्रैल 1948 को मध्य प्रदेश के जबलपुर में जन्मीं जया बच्चन अपने लंबे फिल्मी करियर में एक से बढ़कर एक फिल्में दीं। हालांकि, उन्होंने अभिनय की शुरुआत बंगाली फिल्म 'महानगर' से की थी।

बंगाली फिल्म के बाद उन्होंने 1971 में आई हिंदी फिल्म 'गुड्डी' के साथ बॉलीवुड में डेब्यू किया। ऋषिकेश मुखर्जी के निर्देशन में बनी फिल्म में जया के साथ अभिनेता उत्पल दत्त और धर्मेंद्र मुख्य भूमिका में थे।

जया बच्चन की गिनती मंझे हुए सितारों में की जाती है। वह 80 से भी ज्यादा फिल्मों में काम कर चुकी हैं। जया बच्चन और अमिताभ बच्चन साथ में कई फिल्मों में काम कर चुके हैं, जिसमें 'शोले', 'बंसी बिरजू', 'जंजीर', 'अभिमान', 'मिली' और 'चुपके चुपके' के साथ 'सिलसिला' का भी नाम शामिल है।

साल 1973 में जया ने अमिताभ बच्चन से शादी की। हालांकि, इनकी प्रेम कहानी भी सामान्य नहीं है। दोनों की पहली मुलाकात एक फिल्म के सेट पर हुई थी। अमिताभ को देखते ही जया को उनसे पहली नजर में प्यार हो गया था। एक साक्षात्कार के दौरान जया बच्चन ने अपनी प्रेम कहानी का जिक्र किया था।

उन्होंने बताया था कि वह फिल्म के सेट पर अमिताभ को देखकर उनसे प्रभावित हो गई थीं। अमिताभ को लेकर जया की अपनी सहेलियों के साथ अक्सर नोकझोंक भी हो जाया करती थी। यदि वे कुछ बोलतीं तो जया, अमिताभ का साइड लेकर उनकी ओर से बोल पड़ती थीं।

जया ने बताया था, मैं अपनी फिल्म गुड्डी के सेट पर अमिताभ से मिली थी और उन्हें देखकर मैं उनकी ओर आकर्षित हो गई थी। फिल्म के लिए हम दोनों को कास्ट किया गया था। दरअसल, मैं काफी कम समय में ही उनके प्रेम में पड़ गई थी।

इसके बाद अमिताभ बच्चन और जया में दोस्ती हो गई और दोनों को फिल्म 'एक नजर' में साथ काम करने के लिए कास्ट किया गया। फिर क्या था, दोनों का प्यार परवान चढ़ा और दोनों साथ में अक्सर मिलने भी लगे। एक फिल्म की सफलता के जश्न के लिए अमिताभ, जया को लंदन ले जाना चाहते थे। हालांकि, अमिताभ के पिता, साहित्यकार हरिवंश राय बच्चन का स्पष्ट कहना था कि जहां भी जाना है, शादी करने के बाद जाओ। फिर क्या था, अमिताभ और जया बच्चन ने 3 जून, 1973 को शादी कर ली। जया ने 1974 में बेटी श्वेता और 1976 में बेटे अभिषेक को जन्म दिया।

अनुपम खेर की फिल्म तन्वी द ग्रेट का फर्स्ट लुक आउट

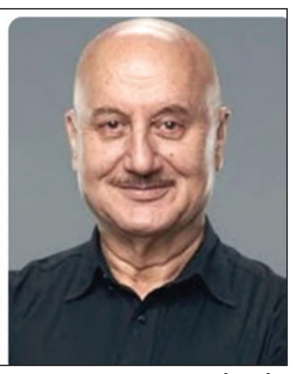

अभिनेता अनुपम खेर लगभग 22 साल बाद 'तन्वी द ग्रेट' के साथ निर्देशन की दुनिया में वापसी करने को तैयार हैं। उनकी मोस्टअवेटेड फिल्म का फर्स्ट लुक सामने आ चुका है। खास संदेश से सजी फिल्म के केंद्र में अनुपम खेर के 'दिल का टुकड़ा' तन्वी है। तन्वी द ग्रेट की पहली झलक शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा, फर्स्ट लुक, मैंने आज से लगभग चार साल पहले 'तन्वी द ग्रेट' फिल्म बनाने का फैसला किया था और फिर इसे लिखने और बनाने में मुझे चार साल लग गए! लेकिन अब धीरे-धीरे और ढेरों प्यार के साथ आप लोगों के साथ मेरे 'दिल के टुकड़े' को शेयर करने का समय आ गया है! अभिनेता ने फिल्म के मुख्य किरदार 'तन्वी' की ओर इशारा करते हुए आगे लिखा, क्या वह असाधारण है? क्या वह यूनिक है? क्या उसके पास कोई सुपरपावर है? हम नहीं जानते। हम जो जानते हैं वह यह है कि... 'तन्वी' अलग है, लेकिन कम नहीं! 'तन्वी द ग्रेट' जल्द आ रहा है!

फर्स्ट लुक एक लड़की का है, जो सपनों, उम्मीदों के बीच खड़ी नजर आती है। उसमें खूब मासूमियत देखने को मिली। वीडियो के अंत में 'तन्वी' कहती है...'मॉम, तन्वी इज रेडी', जो इस बात की ओर इशारा करता है कि वह समस्याओं से लड़ने वाली एक मजबूत लड़की है। 1 अप्रैल को एक पोस्ट शेयर कर खेर ने 'तन्वी द ग्रेट' के बारे में बात की थी। वीडियो में वह कहते नजर आए, तन्वी द ग्रेट-द जर्नी: मेरी फिल्म तन्वी द ग्रेट तैयार है! धीरे-धीरे दुनिया को फिल्म के बारे में बताने का समय आ गया है! पता नहीं इसका प्रचार कैसे शुरू किया जाए। मार्केटिंग वाले अलग-अलग होते हैं और अच्छे सुझाव दे रहे थे! लेकिन मुझे लगा कि फिल्म की कहानी भले ही काल्पनिक है, लेकिन हमारी तन्वी काल्पनिक नहीं है! वह असली है! उन्होंने आगे बताया, इसलिए प्रचार भी वास्तविक होना चाहिए। मुझे नहीं पता कि बात करते समय मेरी आंखें क्यों नम हो गईं। असल में, मुझे पता है क्यों! लेकिन मैं भविष्य में कभी आप लोगों के साथ यह कहानी शेयर करूंगा। अनुपम खेर के निर्देशन में तैयार फिल्म के संगीत को ऑस्कर विजेता एमएम कीरावनी ने कंपोज किया है। फिल्म का निर्माण अनुपम खेर स्टूडियोज ने एनएफडीसी के साथ मिलकर किया है।

ज़ायद ख़ान दिखा रहे हैं फिटनेस गोल्स, लुक्स और बड़ी स्टाइलिश एनर्जी

कुछ सितारे ऐसे होते हैं जो अपनी छाप छोड़ जाते हैं, और कुछ ऐसे भी होते हैं जिनकी विरासत लगातार बढ़ती रहती है – ज़ायद खान उनमें से एक हैं। जब से उन्होंने 'मैं हूँ ना' में लकी के किरदार में दर्शकों को आकर्षित किया, तब से ज़ायद की आकर्षक छवि और ऑन-स्क्रीन आकर्षण ने उन्हें बॉलीवुड के पॉप कल्चर हॉल ऑफ़ फ़ेम में स्थायी स्थान दिलाया। आज भी, उनका नाम लोगों को रोमांचित करता है और उनकी हालिया अपीयरेंस चर्चा को और बढ़ा रही हैं। ज़ायद खान हमेशा से अपने आकर्षक लुक के लिए जाने जाते हैं, लेकिन उनका वर्तमान एस्थेटिक? अगले स्तर का है। हाल ही में रेड कार्पेट पर उनकी कई प्रस्तुतियों पर एक नज़र डालने पर, आप पाएंगे कि स्टाइल और फिटनेस के मामले में उन्होंने एक नया आयाम स्थापित किया है, जिसमें एक तीखी जॉलाइन, नक्काशीदार फीचर्स और एक सुडौल शरीर है जो अनुशासन और दृढ़ संकल्प को दर्शाता है। लेकिन यह सिर्फ़ अच्छा दिखने के बारे में नहीं है – यह एक प्रोग्रेस की प्रक्रिया बारे में है।

ज़ायद का फ़ैशन गेम बेहतरीन है, और उनका इंस्टाग्राम फ़ीड इसका सबूत है। चाहे वह पूरी तरह से सिलवाया हुआ टक्सीडो पहनकर बाहर निकल रहे हों या कढ़ाई वाले बंद गले में इसे ताज़गी बनाए रखने की हों, उनके पास सहज सोफ़ेस्टिकेशन की एक निर्विवाद आभा है। उनकी स्टाइल की समझ अब पुराने ज़माने के आकर्षण को आधुनिक विलासिता के साथ जोड़ती है – आराम से भरपूर स्लीक एथलीज़र, ट्विस्ट के साथ डैपर ब्लेज़र और ऐसे सिलोएट्स जो संरचना के साथ खेलते हुए परंपरा को सम्मानित करते हैं। और अगर आप ध्यान दे रहे हैं, तो इस बदलाव में जो दिखता है, उससे कहीं ज़्यादा है।

राशि खन्ना नेचर रिट्रीट के दौरान नो-मेकअप लुक में दिखीं

पैन-इंडिया स्टार राशि खन्ना इस सप्ताह प्रकृति के प्रति अपने प्यार को व्यक्त कर रही हैं, क्योंकि वह कुछ समय के लिए लाइमलाइट से दूर होकर प्रकृति की शांति में डूबी हुई हैं। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर अपने काम और व्यस्त फिल्म शेड्यूल से दूर अपने शांत रिट्रीट की कुछ झलकियाँ साझा की हैं, जहाँ वह सादगी, एकांत और प्राकृतिक सुंदरता का आंनद लेती हुई नज़र आ रही हैं। हवादार कॉटन कुर्ती पहने और बिना मेकअप, धूप सेंकते हुए, राशि स्वाभाविक आकर्षण का परिचय देती हैं। चाहे वह जंगल के ट्रेल पर धूप सेंक रही हों या बालकनी से हरे-भरे नज़ारे देख रही हों, उनकी शांत, ग्राउन्डेड एनर्जी फैन्स को खूब पसंद आ रही है। कमेंट सेक्शन में उनकी प्राकृतिक सुंदरता और भावपूर्ण वाइब के लिए प्यार भरा संदेश से भरा हुआ है।अपनी पोस्ट में गहराई जोड़ते हुए, राशि ने इसे एक चिंतनशील विचार के साथ कैप्शन किया: खुद से मिलने की ये जो राहें हैं, वो अक्सर पेड़ों की छाँव से होकर गुजरती हैं। राशि ने कुछ रोमांचक आगामी प्रोजेक्ट्स के बारे में संकेत दिए है, हाल ही में उन्हें एक्सेल एंटरटेनमेंट के ऑफिस में देखा गया, जिससे अटकलें और प्रशंसक में हलचल बढ़ गई है। फिटनेस, आत्मचिंतन और एक संपन्न करियर को संतुलित करते हुए, राशि इंडस्ट्री में सबसे बहुमुखी और ज़मीनी सितारों में से एक के रूप में अपनी जगह को मजबूत करती जा रही है।

मुझे बहु-प्रतिभाशाली पर्सनालिटी के रूप में देखते हैं दर्शक : कावेरी कपूर

कावेरी कपूर ने अपनी पहली फ़िल्म बॉबी और ऋषि की लव स्टोरी से इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाई। हालांकि यह फ़िल्म कावेरी की पहली फ़िल्म थी, लेकिन यह पहली बार नहीं था जब उन्होंने कैमरे का सामना किया। जो लोग नहीं जानते, उन्हें बता दें कि कावेरी एक प्रतिभाशाली गायिका, गीतकार और संगीतकार हैं, जिनके नाम चार म्यूजिक वीडियो दर्ज हैं। हाल ही में उन्होंने अपना पाँचवाँ गाना एक धागा तोड़ा मैंने रिलीज़ किया, जिसे उन्होंने महज 15 साल की उम्र में अंग्रेज़ी में लिखा था। उनकी इस प्रतिभा को पहचानते हुए ए.आर. रहमान, जिन्होंने इस ट्रैक को प्रोड्यूस किया, और उन्होंने ने कावेरी की खूब सराहना की। इतनी उपलब्धियों के साथ, कावेरी को रचनात्मकता, जुनून और प्रतिभा का प्रतीक मानना स्वाभाविक है।एक गीतकार, गायिका और अभिनेत्री के रूप में उनकी यात्रा मेहनत, लगन, धैर्य और समर्पण का प्रमाण है। जो कावेरी ने हमेशा व्यक्त किए हैं। कावेरी को प्रदर्शन कला के प्रति अपने प्यार को विरासत में मिला, क्योंकि वह बेहद लेजेंड्री माता-पिता, सुचित्रा कृष्णमूर्ति और शेखर कपूर की बेटी हैं। और उनके संगीत वीडियो इस बात का सबूत हैं कि उन्हें अपने शानदार प्रतिभा माता-पिता से विरासत में मिला है।जीवन के शुरुआती दौर से ही गीत लेखन और गायन में महारत हासिल करने वाली कावेरी अब अभिनय के क्षेत्र में अपना नाम बना रही हैं। अभिनेत्री के पास अपने पिता की बहुप्रतीक्षित फिल्म मासूम 2 है, जिसकी तैयारी शुरू हो चुकी है। शेखर कपूर और अपने अभिनेताओं से प्रभावशाली अभिनय निकलवाने की उनकी प्रतिभा को जानते हुए, हम इस फिल्म में कावेरी को अभिनय करते देखने के लिए इंतजार कर रहे हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज आय के स्त्रोत बढेंगे क्योंकि दिन बहुत अच्छा हैं। कार्यक्षेत्र में परिश्रम की अधिकता रहेगी, जिससे सभी कार्य सफल होंगे। कारोबार में धनलाभ की स्थिति रहेगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और पूरा दिन सुख-शांतिपूर्वक बीतेगा। परिजनों से निकटता का अनुभव करेंगे। उनका सहयोग भी मिलेगा। पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है और परिजनों के साथ किसी रमणीय पर्यटन स्थल पर जाने का कार्यक्रम बन सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज परिश्रम जरुर करना पडेगा जिससे दिन सुनहरा होगा और व्यापारिक की स्थिति और योजनाएं सफल रहेंगी और कारोबार से संबंधित कार्यों में धन लाभ के योग बनेंगे। हालांकि, भागदौड़ अधिक करनी पड़ेगी, लेकिन परिश्रम का फल अच्छा मिलेगा। पुराना अटका पैसा वापस मिलने की संभावना रहेगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा। शाम के समय किसी सामाजिक कार्यक्रम में भाग लेंने का निमंत्रण आ सकता हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज समय थोडा मध्यम है अनुकूल माहौल नही मिलेगा अनावश्यक खर्च बढने से मन चिंतित हो सकता है। परिवार का वातावरण आनंदमय रहेगा। वाणी की मधुरता से आप अपना निर्धारित कार्य कर सकेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। विद्यार्थियों को सफलता प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी। बच्चों को संस्कारित बनाने हेतु धार्मिक विधि को समय दें। गाय को चारा खिलाना होगा मानसिक शान्ति का अनुभव होगा पूर्वजों को तृप्ति होगी।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज लाभकारी योग बन रहा हैं निवेश मे जोखिम नही है फलदायी रहेगा। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी और आय वृद्धि के योग रहेंगे। व्यवसाय-धंधा भी अच्छा चलेगा तथा कार्यस्थल पर मित्रों और सहयोगियों का भरपूर सहयोग मिलेगा। कार्यों में सफलता मिलने से आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। नौकरी में पदोन्नति भी मिल सकती है। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और गृहस्थ जीवन का संपूर्ण आनंद ले सकेंगे। मित्रों के साथ प्रवास का आयोजन होगा। अधिक तैलीय वसा युक्त भोजन आप को हानिकारक रहेगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आप कुछ समय रुककर कोई भी अन्तिम निर्णय पर पहुंचे क्योंकि समय मध्यम हैं सामान्य हैं। व्यावसायिक क्षेत्र में छोटी-छोटी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। काम का बोझ अधिक रहेगा और पूरा दिन भा-गदौड़ में बीतेगा। शारीरिक रूप से थकान का अनुभव करेंगे। क्रोध पर नियंत्रण एवं वाणी पर संयम रखें, अन्यथा किसी वाद-विवाद में उलझ सकते हैं। स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहना होगा। व्यर्थ वाद-विवाद तथा तकरार में उतरने से भी बचना होगा खर्चा ज्यादा होगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

सुबह ही पीपल वृक्ष मे जल दूध चढाए घी का दीपक प्रज्वलित करें मंदिर मे पीली वस्तु का भोग लगाएं। व्यापार-धंधा अच्छा चलेगा और सहकर्मियों के सहयोग से सभी कार्यों में सफलता मिलेगा। कार्यभार की अधिकता से मानसिक और शारीरिक रूप से थकान का अनुभव कर सकते हैं। कामकाज को लेकर प्रवास पर जा सकते हैं, लेकिन स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहने की आवश्यकता है। ऊपरी अधिकारी आपके काम से असंतुष्ट रह सकते हैं। सुख सुविधाओं मे खर्चा अधिक होगा स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज भाग्य प्रबल हैं नक्षत्रों का बल भी मिलेगा। कर्ज बिल्कुल भी नही लेना हैं व्यापार-धंधे में लाभ की स्थिति रहेगी। कारोबार विस्तार को लेकर व्यवस्थित रूप से आर्थिक योजना बना सकेंगे। प्रॉपर्टी में निवेश लाभदायक रहेगा। कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता रहेगी और अपने परिश्रम से कार्यों में सफलता मिलेगा। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा। मित्रों से सहयोग मिलेगा, जिससे आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज का दिन तो सामान्य से कुछ बढीया रहेगा। काम का ओवरलोड रहेगा व्यस्तता अधिकता रहेगी, लेकिन भागदौड़ और कठिन परिश्रम से कार्यों में सफलता मिलेगा। नये कार्यों की शुरुआत करने से बचें। जीवनसाथी और संतानों के स्वास्थ्य का वशेष ध्यान रखने की आवश्यकता है। वाद-विवाद या बौद्धिक चर्चा से दूर रहें क्रोध पर नियंत्रण रखें अपरिहार्य बोलना मुसीबत मे डाल सकता हैं। सही समय का इंतजार करना ही बुद्धिमानी है व्यर्थ के प्रपंच से दूर रहें।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज कुछ छोटी-मोटी परेशानी को छोडकर सब आप के हाथ मे रहेगा आप टीमवर्क लेकर सब सुव्यवस्थित कर सकते हैं, मन थोडा व्यथित जरुर होगा लेकिन अपने प्रयासों से कार्यों में सफलता मिलेगी और धनलाभ की स्थिति रहेगी। भागदौड़ की अधिकता रहेगी, जिससे शारीरिक और मानसिक रूप से थकान का अनुभव कर सकते हैं। परिजनों के साथ तकरार होने की संभावना है। आर्थिक लाभ का योग बन रहा है शिवजी को ग्यारस बिल्वपत्र चढाए, दूध से स्नान कराए मन शान्त रहेगा।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज सुबह.उठते ही किसी बात को लेकर टेंशन बन सकता हैं इसलिए उठते ही सर्व प्रथम धरती को प्रणाम करें कर दर्शन कार्य का भार अधिक होने पर भी सकारात्मकता का अनुभव करेंगे। सामाजिक और धार्मिक कार्यों के प्रति रुझान बढ़ेगा, जिससे समाज में सम्मान बढ़ेगा। व्यापारियों के लिए दिन अच्छा रहेगा। रुका हुआ धन वापस मिल सकता है। स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देना पड़ेगा। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा, लेकिन ध्यान रखें कि आपकी बातों से किसी ठेस ने पहुंचे। बिल्ववृक्ष मे जल सींचे एकाएक धन प्राप्त होगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज विशेष लाभ दिख रहा हैं रुका हुआ धन आएगा कर्जमुक्त होने की दिशा मे बढेंगे कारोबार में धनलाभ होगा पद प्रतिष्ठा मे तरक्की के योग बन रहे हैं। कार्यों में सफलता मिलेगी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। सामाजिक तथा सार्वजनिक क्षेत्र में प्रशंसा के पात्र बनेंगे। पारिवारिक जीवन में नया खुशी का समाचार मिलेगा मित्रों का भरपूर सहयोग रहेगा। अपनी वाणी पर संयम रखना होगा अन्यथा बनते हुए काम बिगडेंगे।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज का शुभ समाचार सुनेंगे वैवाहिक सम्बन्ध बनेगा, दाम्पत्य जीवन का सुख उठाएंगे परिवार के साथ समय व्यतीत करें थकान और चिंता दूर हो जाएगी आप के सभी कार्य निर्धारित रूप से योजना के तहत पूर्ण होंगे। मानसिक रूप से स्वस्थ रहेंगे। सहकर्मियों की मदद से अधूरे कार्य पूर्ण होंगे। सगे-संबंधियों के यहा उत्सव का निमंत्रण मिलेगा आप समाहरोह का हिस्सा बनेंगे राजनीति जीवन मे पदोन्नति भी मिलेगी मान सम्मानित होंगे।

आज का पंचांग

दिनांक : 09 अप्रैल 2025, बुधवार
विक्रम संवत : 2082
मास : चैत्र, शुक्ल पक्ष
तिथि : द्वादशी रात्रि 10:58 तक
नक्षत्र : मघा प्रातः 09:57 तक
योग : गण्ड रात्रि 06:24 तक
करण : बव प्रातः 10:03 तक
चन्द्र राशि : सिंह
सूर्योदय : 06:04, सूर्यास्त 06:30 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:10, सूर्यास्त 06:31 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:03, सूर्यास्त 06:24 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:56, सूर्यास्त 06:21 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : श्याम बाबा की बारस,
गण्डमूल प्रातः 09:57 तक, खरमास चालू है।

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

विपक्ष के नेता झूठ बोलकर जनता को बरगलाने का काम न करें : सैनी

चंडीगढ़,08 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बिजली बिलों को लेकर विपक्ष पर तीखा हमला करते हुए कहा कि जब भूपेंद्र सिंह हुड्डा मुख्यमंत्री थे और रणदीप सिंह सुरजेवाला बिजली मंत्री थे, उस समय प्रदेश में बिजली व्यवस्था की हालत बदतर थी। शहरों में पावर कट लगते थे, लोग परेशान थे। जबकि वर्तमान सरकार ने बिजली क्षेत्र में सुधार करते हुए लोगों को 24 घंटे बिजली देने का काम किया है।

मुख्यमंत्री आज हिसार में प्रेस वार्ता को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर लोक निर्माण मंत्री रणबीर गंगवा, भाजपा प्रदे-शाध्यक्ष मोहन लाल कौशिक, विधायक सावित्री जिंदल और रणधीर पणिहार उपस्थित रहे। नायब सिंह सैनी ने कहा कि विपक्ष के नेता पहले अपने गिरेबान में झांक कर देखें फिर किसी पर उंगली उठाएं। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि भूपेंद्र सिंह हुड्डा और रणदीप सिंह सुरज-वाला में तो होड़ लगी है कि कौन विपक्ष का नेता बनेगा। वे तो सिर्फ अपनी हाजिरी लगवा रहे हैं, उन्हें जनता से कोई लेना देना नहीं।

उन्होंने आंकड़े साझा करते हुए वर्ष 2013- 14 में जब कांग्रेस सरकार थी उस समय 25 यूनिट तक बिजली की खपत करने पर 200 रुपए का बिल आता था। इसी तरह 50 यूनिट तक 200 रुपए, 100 यूनिट तक 378 रुपए, 150 यूनिट तक 603 रुपए, 200 यूनिट तक 828 रुपए, 250 यूनिट तक 1053 रुपए तथा 300 यूनिट तक बिजली खपत करने पर 1316 रुपए बिल आता था। जबकि हमारी सरकार में आज 2025- 26 में 25 यूनिट तक केवल 55 रुपए का ही भुगतान करना है। इसी तरह, 50 यूनिट तक 110 रुपये, 100 यूनिट तक 245 रुपये, 150 यूनिट तक 443 रुपये, 200 यूनिट तक 705 रुपये, 250 यूनिट तक 968 रुपये तथा 300 यूनिट तक 1230 रुपये का बिल है। नायब सिंह सैनी ने भूपेंद्र सिंह हुड्डा और रणदीप सिंह सुरजेवाला को चुनौती देते हुए कहा कि वे जनता के बीच में आकर तथ्यों के साथ बात करें। जनता को झूठ बोलकर बरगलाने का काम करने की जरूरत नहीं है। पहले तथ्य जांचें, फिर बोलें। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने 24 घंटे बिजली देने को वायदे को पूरा किया लेकिन बिलों का बोझ आम जनता पर नहीं डाला। वर्ष 2013-14 में बिजली कंपनियों पर जितना कर्ज था, हमारी सरकार ने उस कर्ज को भी कम किया और

2027 तक यह कर्ज शून्य हो जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत घरों की छत पर 2 किलोवाट तक सोलर पैनल लगाए जा रहे हैं। अब तक 15,000 घरों पर सोलर पैनल लगाए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि 2 किलोवाट तक के कनेक्शन वाले सभी लोग अपने घरों में सोलर पैनल लगवाएं, उनका बिजली का बिल जीरो हो जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 'विकसित भारत' के विजन को साकार करने की दिशा में हम तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। इसी कड़ी में प्रधानमंत्री 14 अप्रैल को हरियाणा आ रहे हैं और प्रदेशवासियों को 2 बड़ी परियोजनाओं की सौगात देंगे। यमुनानगर में 7272 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले 800 मेगावाट की सुपर क्रिटिकल यूनिट का शिलान्यास करेंगे। यह यूनिट वर्ष 2028 के अंत तक अपने तय समय पर बनकर तैयार हो जाएगी। इसके अलावा, प्रधानमंत्री महाराजा अग्रसेन एयरपोर्ट, हिसार से हवाई सेवाओं की शुरुआत करेंगे। इससे सिर्फ हिसार ही नहीं, बल्कि पंजाब और राजस्थान के बड़े हिस्से को भी लाभ मिलेगा। प्रधानमंत्री इस दौरान हिसार एयरपोर्ट की टर्मिनल बिल्डिंग का भी शिलान्यास करेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महाराजा अग्रसेन एयरपोर्ट से महर्षि वाल्मीकि एयरपोर्ट, अयोध्या तक विमान सेवाएं शुरू होंगी, जिससे श्रद्धालुओं को भगवान श्रीराम के दर्शन का अवसर मिलेगा। एयरपोर्ट के बनने से आसपास बड़े औद्योगिक यूनिट्स स्थापित होंगे, रोजगार बढ़ेगा और निवेश आएगा। सांसद जय प्रकाश द्वारा एरोड्रम वाले बयान पर मुख्यमंत्री ने कहा कि सांसद एरोड्रम और एयरपोर्ट का मतलब गुगल कर लें तो उन्हें समझ आ जाएगा। आज हिसार में इतनी बड़ी परियोजना मूर्तरूप ले रही है, यह पूरे हरियाणावासियों के लिए गर्व की बात है, लेकिन विपक्षी दल विकास को देखकर मुरझा गए हैं। उनसे सहन ही नहीं हो रहा कि राज्य सरकार इतने विकास के काम कैसे कर रही है। उन्होंने कहा कि सांसद जिम्मेवारी व्यक्ति हैं, उन्हें तो एयरपोर्ट पर आकर प्रधानमंत्री का स्वागत करना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महाराजा अग्रसेन एयरपोर्ट, हिसार से अभी हफ्ते में 2 दिन हिसार से अयोध्या तक फ्लाइट उड़ेगी। जैसे - जैसे बुकिंग अधिक होगी तो फ्लाइट के रूट भी बढ़ाए जाएंगे। हालांकि, पहली फ्लाइट की बुकिंग के लिए 2 घंटे पोर्टल खोला था और 2 घंटे में ही पूरी फ्लाइट फुल हो गई। हिसार एयरपोर्ट पर सुरक्षा के संबंध में पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए कहा कि यह एयरपोर्ट लगभग 7200 एकड़ में है और 2000 एकड़ में चारदीवारी बनाई गई है। निश्चित तौर पर इतने बड़े इलाके में कुछ जानवर हो सकते हैं, लेकिन धीरे-धीरे उन सभी जानवरों को सुरक्षित स्थान पर छोड़ा जा रहा है और जल्द ही इस कार्य को पूरा कर लिया जाएगा।

सावित्री जिंदल के नाम धोखाधड़ी का प्रयास, पुलिस ने एफआईआर की दर्ज

चंडीगढ़,08 अप्रैल (एजेंसियां)। मशहूर कारोबारी और हिसार से विधायक सावित्री जिंदल अब साइबर अपराधियों के निशाने पर हैं। दो फर्जी फेसबुक अकाउंट बनाकर जालसाजों ने उनकी पहचान का इस्तेमाल किया और निवेश के नाम पर लोगों को ठगने की तैयारी की।

कैसे रची धोखाधड़ी की योजना?

विधायक सावित्री जिंदल के नाम और तस्वीर का इस्तेमाल कर साइबर अपराधियों ने फेसबुक पर फर्जी प्रोफाइल बनाई। इन प्रोफाइल में लोगों को 50 हजार रुपये निवेश करने और निवेश के जरिए तीन दिन में 2.5 लाख रुपये तक का रिटर्न देने का लालच दिया गया। पोस्टिंग के मुताबिक, यह निवेश जिंदल ग्रुप से जुड़ा बताया गया और इंफ्रास्ट्रक्चर, तेल-गैस, बिजली और स्टील जैसे क्षेत्रों में होने की बात कही गई।

एक फर्जी अकाउंट ने करीब 5,000 लोगों से संपर्क किया, जिन्हें सीधे तौर पर 'कम समय में ज्यादा मुनाफा' का सपना दिखाया गया। एक अन्य फर्जी आईडी ने जिंदल स्टील पावर और सीएसआर पहलों में निवेश को प्रेरित करने के लिए सावित्री जिंदल की तस्वीर का इस्तेमाल किया। विधायक तक मामला पहुंचते ही उनके निजी सहायक ललित शर्मा ने साइबर थाने में शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने अधिकारियों को इन फर्जी प्रोफाइलों के बारे में बताया, जो उन्होंने ऑनलाइन विधायक का नाम खोजने पर उजागर कीं। उन्होंने तुरंत पुलिस को संबंधित डेटा दिया।

साइबर थाने के प्रभारी इंस्पेक्टर विकास ने बताया कि घटना की सूचना मिल गई है और अज्ञात अपराधियों की तलाश जारी है। जांच में पता लगाया जा रहा है कि कौन सा गिरोह इन खातों को मैनेज कर रहा है और इन्हें कहां से चलाया जा रहा था। फ़िलहाल इस मामले में धोखाधड़ी और आईटी एक्ट के तहत पुलिस ने मामला दर्ज किया है।

बीज-कीटनाशक व्यापारियों की हड़ताल टली, किसानों ने ली राहत की सांस

चंडीगढ़,08 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा के बीज, उर्वरक और कीटनाशक बिक्री फर्मों की सात दिवसीय हड़ताल फिलहाल टल गई है। सोमवार को शुरू हुई इस हड़ताल को लेकर पूरे राज्य के किसान और व्यापारी काफी चिंतित थे, लेकिन अब एक महत्वपूर्ण बैठक के बाद इसे 16 अप्रैल तक टाल दिया गया है।

कुरुक्षेत्र में एक अहम बैठक के 21 सदस्यों ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से मुलाकात की। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री और उनके ओएसडी ने कंपनी को वादा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 14 अप्रैल को हरियाणा की प्रस्तावित यात्रा के बाद सरकार और विक्रेता व्यवसायों के बीच सभी समस्याओं के समाधान के लिए खूब बातचीत होगी। हरियाणा फाल्स उर्वरक-बीज-कीटनाशक विक्रेता संघ ने इस गारंटी के बाद कहा कि उनकी दुकानें 8 अप्रैल से खुलेंगी। इस प्रकार है: कंपनी ने स्पष्ट रूप से कहा है कि 16 अप्रैल को होने वाली अगली बैठक में आगे की दिशा तय होगी। तब तक सभी व्यवसाय सामान्य रूप से खुले रहेंगे।राज्य भर के किसानों ने इस फैसले का स्वागत किया है। खरीफ सीजन की बुवाई का समय वास्तव में काफी करीब है, और बीज की मांग तेजी से बढ़ रही है। देरी से बुवाई करने से किसानों को समय पर बीज नहीं मिलने से फसल उत्पादन पर सीधा असर पड़ता, क्योंकि इस दौरान स्टोर बंद रहते हैं।

हरियाणा विधान सभा में कॉफी-डे कैफे शुरू

चंडीगढ़,08 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा विधान सभा में लंबे इंतजार के बाद कॉफी-डे का कैफे शुरू हो गया है। मंगलवार को हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने रिबन काट कर इसका उद्घाटन किया। इसके बाद उन्होंने पहले ग्राहक के तौर पर बनाना-बाइट की चिप्स खरीदी और उनका मनोबल बढ़ाया। कल्याण ने कैफे संचालकों को बधाई दी और उम्मीद जताई कि यहां अच्छी गुणवत्ता वाले खाद्य पदार्थ उपलब्ध रहेंगे। इस कैफे से हरियाणा विधान सभा के कर्मचारियों को उचित दाम पर कॉफी और स्नैक्स मिल सकेंगे। विधान सभा कर्मचारियों को इस प्रकार के कैफे की लंबे समय से जरूरत महसूस हो रही थी। कैफे खुलते ही यहां खरीदारी का सिलसिला शुरू हो गया। इस कैफे के संचालक अभिनव मिश्रा ने बताया कि यहां कैपेचिनो, एसप्रेसो, सैंडविच, कोल्ड कॉफी, विभिन्न प्रकार के शेक उपलब्ध रहेंगे।

इसके बाद विस अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने विधान सभा परिसर के अनेक कार्यालयों का दौरा कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

गोपालन मंत्री ने वीसी के माध्यम से जिलों के संयुक्त निदेशकों के साथ की समीक्षा बैठक

जयपुर,08 अप्रैल (एजेंसियां)। पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान मंत्री श्री जोराराम कुमावत की अध्यक्षता में मंगलवार को टोंक रोड स्थित आरएलडीबी सभागार में पशुपालन विभाग के कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में शासन सचिव, पशुपालन और गोपालन डॉ समित शर्मा, पशुपालन निदेशक डॉ. आनंद सेजरा, गोपालन निदेशक प्रह्लाद सहाय नामा भी उपस्थित थे।

बैठक में पशुपालन मंत्री कुमावत ने मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना में स्वास्थ्य प्रमाण पत्रों की प्रगति, मोबाइल वेटरिनरी यूनिट के संचालन, एफएमडी टीकाकरण की प्रगति और पशु गणना आदि की जिलेवार समीक्षा की और वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से सीधे जिलों के अधिकारियों से जानकारी ली।

बैठक में बताया गया कि मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा में अब तक 20 लाख से अधिक पशुओं का पंजीकरण हो चुका है और 80 हजार से अधिक पशुओं के लिए स्वास्थ्य प्रमाण पत्र जारी हो चुके हैं साथ ही 5 हजार से अधिक पशुओं की बीमा पॉलिसी भी जारी कर दी गई है। मंत्री श्री कुमावत ने इस

पर असंतोष व्यक्त करते हुए बीमा के काम में और गति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने शेष रह गए स्वास्थ्य प्रमाण पत्र भी शीघ्र जारी करने के निर्देश देते हुए दो महीने के अंदर सभी पशुओं की बीमा पॉलिसी जारी करने के निर्देश दिए।

मोबाइल वेटरिनरी यूनिट के प्रभावी संचालन पर चर्चा करते हुए कुमावत ने कहा कि मोबाइल वेटरिनरी यूनिट भारत सरकार की एक महत्वाकांक्षी और महत्वपूर्ण योजना है। सरकार इस योजना पर काफी बजट खर्च कर रही है लेकिन अभी जो परिणाम मिलने चाहिए थे वे नहीं मिल रहे हैं। अभी क्षेत्र से शिकायतें आती हैं। उन्होंने जिला अधिकारियों से कहा कि अगर कोई समस्या है तो उसे निदेशालय को बताएं उसके निराकरण का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने जिलों के संयुक्त निदेशकों को निर्देश दिया कि एमवीयू का अधिक से अधिक प्रचार प्रसार कर घर घर तक इसकी जानकारी पहुचाएं और जिले के सभी गाड़ियों की मॉनिटरिंग जिम्मेदारी से करें। निर्धारित प्रपत्र में सभी सूचनाएं समय पर निदेशालय को भिजवाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि एमवीयू का लाभ अधिक से अधिक पशुओं और पशुपालकों तक पहुंचना चाहिए।

एफएमडी टीकाकरण की प्रगति पर चर्चा करते हुए उन्होंने टीकाकरण की व्यवस्था को भी और बेहतर तथा सुदृढ़ करने के निर्देश दिए जिससे समय रहते पशुओं को सभी जरूरी टीके लगाए जा सकें और उन्हें बीमारियों से बचाया जा सके। उन्होंने कहा कि 17 मई तक टीकाकरण की अवधि निर्धारित है और अभी तक मात्र 5 लाख पशुओं का ही इंद्राज पशुधन एप पर किया गया है जो कि बहुत ही असंतोषजनक है।

पेयजल संकट पर भड़कीं वसुंधरा राजे,अफसरों से कहा

पानी कागज़ों में नहीं, होठों तक पहुँचे

झालावाड़,08 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री व भाजपा की वरिष्ठ नेता वसुंधरा राजे मंगलवार को झालावाड़ जिले के रायपुर कस्बे में पहुंचीं, जहां ग्रामीणों द्वारा पेयजल संकट की शिकायतों के बाद उन्होंने जनजीवन मिशन और जलदाय विभाग के अधिकारियों की जमकर क्लास ली।गर्मी की तपन और पानी की किल्लत से जूझते ग्रामीणों की आवाज़ को उठाते हुए वसुंधरा राजे ने अफसरों से दो टूक कहा - क्या जनता को प्यास नहीं लगती? सिर्फ आप अफसरों को ही लगती है? अफसर सो रहे हैं, लोग रो रहे हैं। मैं ऐसा नहीं होने दूंगी। राजे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा जल जीवन मिशन के तहत प्रदेश को दिए गए 42 हज़ार करोड़ रुपये का हवाला देते हुए पूछा कि आखिर झालावाड़ के हिस्से का पैसा कहां गया? उन्होंने अफसरों से पाई-पाई का हिसाब मांगा और सवाल किया कि अगर केंद्र सरकार पैसा दे रही है तो ज़मीन पर उसका असर क्यों नहीं दिख रहा। पानी कागजों में नहीं, लोगों के होठों तक पहुँचना चाहिए, राजे ने कड़े लहजे में कहा। अधीक्षण अभियंता दीपक सिंह झा सहित मौके पर मौजूद किसी भी अधिकारी के पास इस सवाल का संतोषजनक जवाब नहीं था। राजे ने चेतावनी दी कि लोगों के धैर्य की परीक्षा न ली जाए। उन्होंने यह भी कहा कि यह तो अप्रैल की स्थिति है, अगर अभी हालात ये हैं, तो जून-जुलाई में क्या होगा? इस दौरान उनके साथ झालावाड़-बारां से सांसद और पुत्र दुष्यंत सिंह भी मौजूद रहे।

भजनलाल शर्मा ने हनुमानगढ़ में की जनसुनवाई

परिवेदनाओं का मौके पर ही किया निस्तारण

हनुमानगढ़,08 अप्रैल (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अपने हनुमानगढ़ एवं श्री गंगानगर जिले के दो दिवसीय दौरे के पहले दिन मंगलवार को हनुमानगढ़ जिला मुख्यालय स्थित सर्किट हाऊस में जनसुनवाई की।

शर्मा ने आमजन की परिवेदनाओं को संवेदनापूर्वक सुनते हुए अधिकारियों को उनके उचित निस्तारण के लिए निर्देश दिए। इस दौरान शिक्षा, स्वास्थ्य, ऊर्जा एवं ग्रामीण विकास विभाग सहित विभिन्न विभागों से संबंधित समस्याओं का मुख्यमंत्री द्वारा मौके पर ही निस्तारण किया गया।

इससे पहले शर्मा ने अपने व्यस्त दौरे के बीच हनुमानगढ़ में टाउन रोड़ स्थित एक थड़ी पर रूककर चाय पी तथा यूप-ीआई से भुगतान किया। उन्होंने स्थानीय लोगों से बात की तथा बच्चों को पास बुलाकर दुलार किया। मुख्यमंत्री शर्मा ने इस दौरान रास्ते में अपना काफिला रूकवाकर सफाई कार्मिकों के साथ भी आत्मीयता से मुलाकात की और उनकी कुशलक्षेम पूछी।

सीएमएचओ व डीटीओ को भजनलाल ने किया सम्मानित

चूरू,08 अप्रैल (एजेंसियां)। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की ओर से प्रदेश में चलाए गए टीबी मुक्त ग्राम पंचायत अभियान व आईईसी के माध्यम से जागरूकता गतिविधियां चलाने पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सीएमएचओ डॉ मनोज शर्मा व जिला क्षय रोग नियंत्रण अधिकारी डॉ वेदप्रकाश को जयपुर में स्वास्थ्य दिवस पर सम्मानित किया। सीएमएचओ डॉ मनोज शर्मा ने बताया कि टीबी मुक्त ग्राम पंचायत अभियान के तहत जिले की 143 ग्राम पंचायतों को टीबी मुक्त करवाकर चूरू प्रदेश में दूसरे स्थान पर रहा। इसके साथ ही जिले में आमजन में टीबी रोग के प्रति जागरूकता गतिविधियां चलाकर उत्कृष्ट कार्य करने पर भी सम्मानित किया गया।

नवरात्रि प्रसाद विवाद बना खूनी संघर्ष का कारण

तलवार से हमला कर युवक की हत्या, बचाने गए दो लोग घायल

दरभंगा (एजेंसियां)।

दरभंगा जिले में एक बेहद हृदयविदारक घटना सामने आई है, जहां तलवार से हमला कर एक युवक की निर्मम हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान नगर थाना क्षेत्र के लालबाग मोहल्ला निवासी अमरनाथ मंडल के पुत्र अभिषेक कुमार के रूप में की गई है। घटना सोमवार देर रात की बताई जा रही है, जब मोहल्ले में प्रतिमा विसर्जन के बाद का माहौल उत्सव से मातम में बदल गया।

घटना में अभिषेक को बचाने की कोशिश कर रहे दो युवक दीपक कुमार और करन कुमार भी हमले में गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। तीनों को आनन-फानन में दरभंगा मेडिकल कॉलेज अस्प-ताल (डीएमसीएच) ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने अभिषेक को मृत घोषित कर दिया।

मृतक के परिजनों के अनुसार, घटना की जड़ें तीन दिन पहले के एक विवाद में छिपी हैं। चैती नवरात्र के दौरान प्रसाद वितरण को लेकर मोहल्ले में कुछ युवकों से अभिषेक का विवाद हो गया था, जिसमें उसके साथ मारपीट भी की गई थी। परिवार को उम्मीद थी कि मामला यहीं शांत हो जाएगा, लेकिन सोमवार रात को विवाद ने हिंसक रूप ले लिया।

रात को जब अभिषेक अपने घर के दरवाजे पर परिवार के अन्य सदस्यों के साथ बैठा था, तभी विसर्जन जुलूस से लौटे कुछ युवकों ने अचानक तलवार से उस पर हमला कर दिया। चीख-पुकार सुनकर जब परिवार के अन्य सदस्य उसे बचाने आए, तो हमलावरों ने उन पर भी तलवार से वार कर दिया, जिससे दो युवक घायल हो गए।

घटना की सूचना मिलते ही नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को तत्काल डीएमसीएच भिजवाया गया। अस्पताल पहुंचने से पहले ही अभिषेक की मौत हो चुकी थी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है, वहीं इलाके में तनाव की स्थिति बनी हुई है। अभिषेक की मौत के बाद पूरे मोहल्ले में गम और गुस्से का माहौल है। स्थानीय लोगों में आक्रोश है कि पुलिस अगर पहले से सतर्क रहती, तो शायद यह घटना टल सकती थी।

घटना की पुष्टि करते हुए सदर डीएसपी अमित कुमार ने कहा कि घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। मामले की जांच की जा रही है और नगर थाना प्रभारी को सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। वहीं, पुलिस सूत्रों के अनुसार हमलावरों की पहचान कर ली गई है और उनकी गिरफ्तारी के लिए छापामारी की जा रही है। वारदात में प्रयुक्त हथियार की भी तलाश की जा रही है।

मृतक के पिता अमरनाथ मंडल ने बताया कि प्रसाद को लेकर हुए पुराने विवाद में ही मेरे बेटे की जान ले ली गई। हम पहले भी इस मामले को लेकर पुलिस से शिकायत करने की सोच रहे थे, लेकिन ऐसा कोई अंदेशा नहीं था कि बात इतनी बढ़ जाएगी। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि दोषियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर कठोर सजा दी जाए।

घटना को देखते हुए लालबाग मोहल्ले में एहतियातन अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है, ताकि स्थिति नियंत्रण में रहे और कोई अप्रिय घटना न हो। पुलिस के अनुसार, मामला पूरी तरह से आपसी रंजिश और व्यक्तिगत विवाद से जुड़ा हुआ है, लेकिन हर पहलू की गहराई से जांच की जा रही है।

केंद्रीय विद्यालय भवन निर्माण को लेकर हंगामा, ग्रामीणों ने पुलिस से की धक्का-मुक्की

सीवान (एजेंसियां)।

सीवान जिले में केंद्रीय विद्यालय भवन निर्माण को लेकर भारी विरोध देखने को मिला है। तेघड़ा हरकेशपुर गांव में गैरमजरूआ भूमि पर निर्माण कार्य को लेकर नाराज ग्रामीणों ने जमकर विरोध प्रदर्शन किया, इस दौरान पुलिसकर्मी से धक्क-मुक्की की गई, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। यह घटना उस समय हुई जब महाराजगंज के सांसद जनार्दन सिंह सीग्रीवाल, सीवान के जिलाधिकारी मुकुल कुमार गुप्ता और अन्य प्रशासनिक अधिकारी स्थल निरीक्षण के लिए पहुंचे थे। यह निरीक्षण केंद्रीय विद्यालय भवन निर्माण से संबंधित था।

जानकारी के मुताबिक, जिस भूमि पर विद्यालय भवन बनना है, वह गैरमजरूआ भूमि बताई जा रही है। स्थानीय ग्रामीण वर्षों से इस भूमि पर कब्जा जमाए हुए हैं और वे नहीं चाहते कि इस पर किसी प्रकार का सरकारी निर्माण हो। उनका कहना है कि यह भूमि उनकी जीविका और अधिकार से जुड़ी हुई है, जिसे वे किसी कीमत पर छोड़ना नहीं चाहते।

निरीक्षण के दौरान ग्रामीणों की भीड़ ने मौके पर पहुंचकर लाठी-डंडे लेकर काफिले को रोकने का प्रयास किया। सांसद और अधिकारियों के वाहन जैसे ही लौटने लगे, ग्रामीणों ने पुलिस के वाहन को घेर लिया और जवान से धक्का-मुक्की की। इस वजह से स्थिति कुछ देर के लिए तनाव-पूर्ण हो गई। वायरल वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि एक पुलिसकर्मी से ग्रामीण जबरन धक्का-मुक्की कर रहे हैं। उसके बाद वहां मौजूद अन्य पुलिस बल के जवानों ने मोर्चा संभाला और पुलिसकर्मी को भीड़ से निकालकर गाड़ी में बैठाया गया। इसके बाद जवानों ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए त्वरित कार्रवाई की और प्रशासनिक अधिकारियों का काफिला वहां से सुरक्षित बाहर निकाल दिया गया।

घटना के बाद प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जो भी कानून व्यवस्था भंग करने की कोशिश करेगा, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। पुलिस सूत्रों के अनुसार, कुछ ग्रामीणों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की जा रही है, जिन्होंने काफिले को रोकने और पुलिसकर्मी से धक्का-मुक्की करने का प्रयास किया। वहीं, स्थानीय प्रशासन की ओर से यह भी कहा गया है कि निर्माण कार्य सरकारी योजनाओं के तहत हो रहा है। इससे क्षेत्र के बच्चों को बेहतर शिक्षा का अवसर मिलेगा। प्रशासन का मानना है कि कुछ असामाजिक तत्व गांव के लोगों को उकसा रहे हैं, ताकि विकास कार्य में बाधा पहुंचाई जा सके।

पूर्व आईपीएस शिवदीप लांडे ने मारी राजनीति में एंट्री, कहा-

मेरी पार्टी लड़ेगी बिहार विधानसभा चुनाव

पटना

हाल में ही अपने पद से इस्तीफ देने वाले पूर्व आईपीएस अधिकारी शिवदीप वामनराव लांडे ने बिहार की राजनीति में अपना कदम रख दिया है। उन्होंने हिन्द सेना नाम से अपनी नई पार्टी बनाई है।

पार्टी का सिंबल खाकी बैकग्राउंड में बना त्रिपुंड है। लांडे ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि हमलोगों ने यह फैसला लिय गया कि हमारी पार्टी इस बार बिहार विधानसभा चुनाव लड़ेगी। मैं भी चुनावी मैदान में उतरना चाहता हूं। आम लोगों से अपील है कि जो बिहार को बदलना चाहते हैं या जो भी लोग बिहार में बदलाव चाहते हैं, उन सभी का हिन्द सेना में स्वागत है।

पूर्व आईपीएस अधिकारी ने कहा कि बिहार का युवा बदलाव चाहता है। कई राजनीतिक पार्टियों की ओर से मुझे राज्यसभा भेजने, मंत्री और मुख्यमंत्री फेस बनाने का ऑफर दिया गया। लेकिन, मैंने इसे खारिज कर दिया। मैं बिहार में बदलाव चाहता हूं। यहां के युवा अगर चाहे तो वह बदलाव ला सकते हैं। वह इस महत्वपूर्ण आंदोलन का हिस्सा बनें। हमें विश्वास है कि हमारे युवा समाज में बदलाव लाने की शक्ति रखते हैं, और हम उन्हें हमारे मिशन में शामिल होने के लिए प्रेरित करते हैं।

शिवदीप लांडे ने बताया कि 'समानता, न्याय और सेवा' हिंद सेना की मुख्य विचारधारा है। हमारा मानना है कि समाज में हर व्यक्ति को समान अवसर मिलना चाहिए, हर किसी को न्याय मिलना चाहिए, और हर नागरिक को सेवा का समान अधिकार होना चाहिए।

इन तीन मूलभूत सिद्धांतों के आधार पर, हिंद सेना हर नागरिक की गरिमा और अधिकारों की रक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि हिंद सेना का उद्देश्य केवल सत्ता प्राप्ति नहीं है, बल्कि यह एक आंदोलन है, जो समाज में समानता, न्याय और सेवा की भावना को स्थापित करेगा। हम सभी नागरिकों को उनके अधिकार और सम्मान दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। हम सभी मिलकर सेवा भाव से एक समान, न्यायपूर्ण समाज का निर्माण कर सकते हैं।

चुनाव से पहले मंत्रियों को बिहार सरकार की सौगात, वेतन-भत्ते में बढ़ोतरी

पटना (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक संपन्न हो गई। इसमें कुल 27 प्रस्तावों पर मुहर लगी। खास बात यह है कि चुनाव से पहले नीतीश सरकार ने अपने मंत्रियों के वेतन और भत्ते में इजाफा कर दिया है। यानी अब राज्य मंत्रि और उप मंत्रियों का मासिक वेतन 50 हजार रुपये से बढ़ाकर 65 हजार रुपये कर दिया गया। वहीं क्षेत्रीय भत्ता 55 हजार से बढ़ाकर 70 हजार और दैनिक भत्ता तीन हजार से 3500 कर दिया गया है। इसी तरह उप मंत्रियों के वेतन में भी बढ़ोतरी की गई है। सरकार ने मन्त्रियों आतिथ्य भत्ता में भी बढ़ोतर की है। इसे 24 हजार से बढ़ाकर साढ़े 29 हजार कर दिया गया है। वहीं उप मंत्रियों को अब साढ़े 23 हजार की जगह 29 हजार रुपये आतिथ्य भत्ता के रूप में दिया गया है। इतना ही नहीं मंत्री और उप मंत्री को सरकारी कर्तव्य के लिए 15 रुपये प्रति किलोमीटर 25 रुपये प्रतिकिलोमीटर की राशि दी जाएगी। सरकार ने मंत्री वेतन-भत्ते में संशोधन नियमावली 2006 को भी स्वीकृति दी गई है।

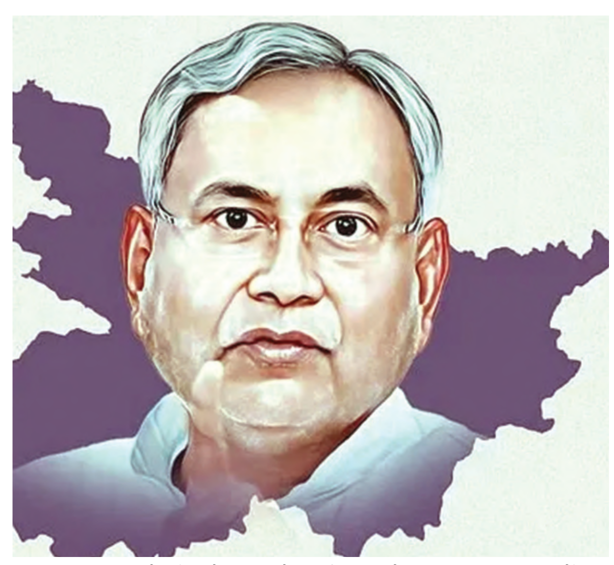

कैबिनेट की बैठक में नीतीश सरकार ने कृषि, नगर विकास एवं आवास, मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग, राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग, सामान्य प्रशासन विभाग, शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग, वित्त विभाग, खान एवं भूतत्व विभाग, मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग और उद्योग विभाग के 27 अहम प्रस्तावों पर अपनी मंजूरी दे दी है। नीतीश सरकार नौकरी को लेकर किए गए वादों को पूरा करने की कवायदा में जुट गई है। पुलिस विभाग के बाद अब स्वास्थ्य विभाग में भी बंपर बहाली होने जा रही है। कैबिनेट ने 20,016 पदों पर बहाली को मंजूरी दे दी है। इसके तहत कुल तीन निदेशक बनाए जाएंगे।

शैयायुक्त आयुष अस्पताल, नवाब मंजिल, पटना के संचालन के लिए भारत सरकार के दिशा-निर्देशों के आलोक में राजपत्रित और अराजपत्रित संवर्ग के कुल 36 नए पदों का सृजन किया गया है। इसके अलावा, कृषि विभाग में 2,590 और मद्य निषेध विभाग में 48 नए पदों की स्वीकृति दी गई है। मंत्रिमंडल ने बिहार राज्य उर्दू अनुवादक संवर्ग नियमावली-2016 के अधीन सहायक उर्दू अनुवादक के कुल 1653 पदों के सृजन को अपनी स्वीकृति प्रदान कर दी है। इस तरह कुल 27,370 से भी अधिक पदों पर नई नियुक्तियों के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की गई है।

इसी तरह मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग के अंतर्गत राज्य के कुल छह जिलों - रो-हतास, औरंगाबाद, पश्चिम चंपारण, बेगूसराय, किशनगंज और गोपालगंज में स्थायी रूप से एक-एक नया उत्पाद रसायन प्रयोगशाला खोला जाएगा। इन प्रयोगशालाओं में परीक्षक, प्रयो-गशाला सहायक, प्रयोगशाला तकनीशियन, निम्न वर्गीय लिपिक और उत्पाद एवं कार्यालय परिचारी के कुल 48 नए पदों पर नियुक्ति की जाएगी।

केंद्र प्रायोजित अटल नवीकरण और शहरी परिवर्तन मिशन के तहत बक्सर जलापूर्ति परियोजना के लिए 156.01 करोड़ रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई है। यह परियोजना स्थानीय जल आपूर्ति में सुधार लाने और नागरिकों को बेहतर सेवाएं प्रदान करने के उद्देश्य से शुरू की गई है।

वहीं राजस्व न्यायालयों में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की सुविधा को लागू करने के लिए सरकार द्वारा 38 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। यह कदम न्यायिक प्रक्रिया को तेज और अधिक पारदर्शी बनाने में सहायक होगा। वहीं शिक्षा विभाग की 'बिहार शिक्षा प्रशासन संबंधी नियमावली 2025' को भी मंजूरी दी गई है, जिससे शिक्षा प्रणाली में सुधार की दिशा में ठोस कदम उठाए जा सकेंगे। इसके अलावा, दंत शिक्षा सेवा नियमावली 2025 को भी हरी झंडी मिली है।

बिहार में कार का भीषण हादसा नई दुल्हन समेत चार की मौत

वैशाली (एजेंसियां)।

वैशाली जिले में दो अलग अलग सड़क हादसों से हड़कंप मच गया है। पहली घटना जंदाहा-समस्तीपुर हाइवे पर हुई। इस भीषण हादसे में नई दुल्हन समेत चार लोगों की मौत हो गई। वहीं तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लो-गों की भीड़ जुट गई। इधर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को अस्पताल में भर्ती करवाया।

बताया जा रहा है कि मंगलवार अहले सुबह सभी लोग शादी समारोह से अपने घर कार से लौट रहे थे। महिसौर थाना क्षेत्र के पनसला चौक के पास तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी कार में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि चार लोगों की मौके पर मौत हो गई। मरने वालों की पहचान बिदुपुर थाना क्षेत्र के पानापुर कुशियारी निवासी क्रांति कुमार की पत्नी बबीता देवी, 8 वर्षीय पुत्री सोनाक्षी कुमारी, गणेश राय की पत्नी आंगनबाड़ी सहायिका मोना देवी के रूप में हुई है। जबकि नवविवाहिता की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस ने मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

वहीं दूसरी घटना वैशाली गंगा ब्रिज थाना क्षेत्र के महात्मा गांधी सेतु पर पाया नंबर पांच के पास हुई। यहां पर टेंपो और बोलेरो के बीच टक्कर हो गई। इसमें टेंपो पर सवार 10 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। इसकी सुचना मिलते ही मौके पर पहुंची डायल 112 की पुलिस ने घटना स्थल पर पहुंचकर सभी को हाजीपुर सदर अस्पताल लाकर भर्ती कराया है। वहीं पुलिस ने बोलेरो को जब्त कर लिया और आरोपी ड्राइवर को हिरासत में ले लिया है।

नहर में गिरी स्कॉर्पियो, दंपती और उनके दो बेटों की मौत

पटना (एजेंसियां)।

बिहार के गया जिले में वजीरगंज प्रखंड के दखिन गांव के फोर लेन बायपास पर दर्दनाक घटना सामने आई है। एक ही झटके में पूरा परिवार उजड़ गया। भीषण सड़क हादसे में दंपती और उनके दो बेटे की मौत हो गई। यह घटना सोमवार मध्य रात वजीरगंज थाना क्षेत्र के दखिन गांव के पास हुई। हादसे ने पूरे गांव को गमगीन कर दिया है। मृतकों की पहचान सहवाजपुर गांव के रहने वाले 43 वर्षीय शशिकांत शर्मा, उनकी 40 वर्षीय पत्नी रिंकी देवी, 17 वर्षीय बेटा सुमित आनंद और 5 वर्षीय बेटा बालकृष्ण के रूप में हुई है। पूरा परिवार स्कॉर्पियो से बिहारशरीफ में श्राद्ध कर्म से लौट रहा था। वज़ीरगंज के दखिनगांव के पास पुल से गुजरते समय स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर सड़क के बीच बने डिवाइडर पुल से टकरा गई और नीचे तालाब में जा गिरी।

गाड़ी चला रहा युवक सिंटू किसी तरह बाहर निकल आया और 'बचाओ-बचाओ' चिल्लाने लगा। वाहन चालक की आवाज सुनकर पास के होटल संचालक ने गांव वालों को बुलाया। लोगों ने पुलिस को सूचना दिया। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस और ग्रामीणों ने जेसीबी से स्कॉर्पियो को बाहर निकाला। लेकिन, तब तक गाड़ी में बैठे चारों की दम घुटने से मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। परिवार के चार लोगों की मौत की खबर सुनकर लोग अवाक रह गए।

शशिकांत शर्मा किसान एक थे। उनका बड़ा बेटा सुमित राजनीतिक गतिविधियों से भी जुड़ा था। भाजपा से संबंधित था। गांव में एक ही परिवार के चार लोगों की एक साथ मौत से मातम पसर गया। पोस्टमॉर्टम के लिए जब शवों को भेजा जा रहा था, तो ग्रामीणों ने एंबुलेंस रोक दी और कहा कि जब परिवार में कोई बचा ही नहीं, तो पोस्टमॉर्टम किसके लिए करवाएं। इस दर्दनाक हादसे की सूचना मिलने के बाद शशिकांत की वृद्ध मां की तबीयत और बिगड़ गई। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। प्रशासनिक अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया है और जांच जारी है। गांव में शोक का माहौल है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com